THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 165 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.2 2081 गुरुवार, 5 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राहुल ने वायनाड में भूस्खलन पीड़ितों के लिए किया एक माह का वेतन दान

वायनाड, 4 सितंबर (एजेंसियां)। वायनाड के भूस्खलन पीड़ितों के लिए कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बड़ा कदम उठाया है। राहुल गांधी ने अपने एक महीने का वेतन पीड़ितों की मदद के लिए दान दे दिया है. राहुल गांधी ने एक महीने की सैलरी यानी 2.3 लाख की मदद राशि केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खाते में दान दी है. इस बाबत राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी शेयर की। राहुल गांधी ने लिखा- इस संकट की घड़ी में उन्होंने भारी नुकसान झेला है। उनको हमारे जैसे लोगों की मदद की सख्त दरकार है।

पीएम मोदी सिंगापुर पहुंचे

भारतवंशी महिला ने राखी बांधी; ब्रुनेई में चीन का नाम लिए बिना कहा था- भारत विस्तारवाद के खिलाफ

सिंगापुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रुनेई के दौरे के बाद 2 दिन की यात्रा पर बुधवार को सिंगापुर पहुंचे। यहां प्रधानमंत्री लॉरेंस वॉन्ग ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इससे पहले सिंगापुर शहर पहुंचे मोदी का भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया।

इस दौरान पीएम मोदी ने ढोल भी बजाया। मोदी के स्वागत में पहुंचे कलाकार ढोल की धुन पर नृत्य करते नजर आए। लोगों ने मोदी को भगवा रंग का गमछा भेंट किया। सिंगापुर के जिस होटल में वे ठहरे हैं, उसके बाहर भी भारतीय समुदाय के लोग उनके स्वागत के लिए मौजूद रहे। लोगों ने मोदी के साथ सेल्फी भी ली। उन्होंने 'रामचंद्र की जय' और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारे लगाए। इस दौरान एक महिला ने उन्हें राखी भी बांधी। इससे पहले बुधवार को पीएम मोदी ने ब्रुनेई सुल्तान बोल्कैया के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं के बीच रक्षा, व्यापार, शिक्षा, तकनीक और स्वास्थ्य जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। डेलीगेशन लेवल की बैठक के बाद भारत और ब्रुनेई के बीच एमओयू भी साइन हुए। उन्होंने बंदर सेरी बेगवान और चेन्नई के बीच सीधी फ्लाइट शुरू करने के फैसले का स्वागत किया। इसके अलावा दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत की। इस दौरान उन्होंने एशियान देशों के विकास के लिए काम करने पर सहमति जताई। ब्रुनेई के सुल्तान ने पीएम मोदी के सम्मान में दुनिया के सबसे बड़े महल 'इस्ताना नुरुल इमान' में लंच भी होस्ट किया।

मोदी ने कहा, ब्रुनेई में मेरा गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया, जिसके लिए मैं शाही परिवार को धन्यवाद देता हूं। यह किसी भारतीय पीएम की ब्रुनेई की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

उद्धव ठाकरे के मंसूबों पर फिरा पानी

शरद पवार के बाद अब कांग्रेस ने कहा- 'हमारा चेहरा '

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले सियासत गर्म है. इस बीच एनसीपी(एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार के मुख्यमंत्री पद को लेकर एक बयान ने विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी में खलबली मचा दी है। कोल्हापुर में शरद पवार ने सीएम फेस को लेकर कहा कि संख्याबल के आधार पर मुख्यमंत्री चुना जाएगा।

उनके बयान का महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने समर्थन किया। पटोले ने कहा, ''शरद पवार ने जो कहा उचित ही कहा है, चुनाव में हम महाविकास अघाड़ी के तौर पर ही जाएंगे और एमवीए ही हमारा संख्याबल होगा, सीएम हम बाद में तय करेंगे।

इसके पहले भी उद्धव ठाकरे ने कार्यक्रम में बात उठाई थी, उसी दिन कार्यकर्ताओं के सामने साफ कहा कि एमवीए ही हमारा चेहरा होगा।

त्रिपुरा में शांति समझौते पर हस्ताक्षर

गृह मंत्री शाह बोले- पीएम ने खत्म की दिलों के बीच की दूरी

अगरतला, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार, त्रिपुरा सरकार, नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर्स फोर्स (एटीटीएफ) ने बुधवार को एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और अन्य की मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद मुख्यमंत्री साहा ने कहा, मैं गृहमंत्री शाह का आभार जताना चाहता हूं, जिन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और सद्भावना का माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह की सक्रिय पहल पर पिछले दस वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए कई शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। त्रिपुरा के लिए अब तक तीन समझौते किए गए हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि एनएलएफटी और एटीटीएफ के सदस्यों ने मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री शाह के मार्गदर्शन में त्रिपुरा में सभी लोगों का भविष्य उज्जवल है।

पीएम ने कम की पूर्वोत्तर और दिल्ली की दूरी: अमित शाह

वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, यह हमारे लिए खुशी की बात है कि 35 वर्षों के संघर्ष के बाद आपने हथियार डाल दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल होकर त्रिपुरा के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की कमान संभालने के बाद से शांति और संवाद के जरिए विकसित पूर्वोत्तर का दृष्टिकोण पेश किया है। पूर्वोत्तर के लोगों और दिल्ली के बीच बहुत दूरी थी। उन्होंने इसे सड़क, रेल और हवाई संपर्क से ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों के बीच की दूरी को भी कम करके समाप्त किया है।

सैम पित्रोदा बोले- राहुल गांधी पिता राजीव से ज्यादा समझदार

वे अच्छी स्ट्रैटजी बनाते हैं; उनमें प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजीव गांधी की तुलना में उनके बेटे राहुल गांधी ज्यादा समझदार हैं। वे बौद्धिक होने के साथ-साथ एक बेहतर रणनीतिकार भी हैं। राजीव थोड़ा ज्यादा मेहनती थे। दोनों का डीएनए एक जैसा है। दोनों नेता आइडिया ऑफ इंडिया के संरक्षक हैं। गांधी परिवार के करीबी और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने शिकागो से दिए इंटरव्यू में ये बातें कहीं। पित्रोदा ने कहा कि कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी में फ्यूचर प्रधानमंत्री के सारे गुण हैं। पित्रोदा ने कहा कि राहुल की एक गलत इमेज बनाई गई थी। उन्हें बदनाम करने के लिए लाखों-करोड़ों डॉलर खर्च किए गए। मीडिया में जो राहुल की इमेज थी, वह एक प्लान्ड कैंपेन पर आधारित थी। राहुल काफी पढ़े-लिखे हैं। लोगों ने कहा कि वे कभी कॉलेज नहीं गए। उनके बारे में झूठी बातें कहीं गईं। किसी व्यक्ति, उसके परिवार, उसकी विरासत, उसकी पार्टी के चरित्र पर दिन-रात हमला करना बुरा है। ये मतलबी लोग हैं जो जानबूझकर झूठ बोलते हैं, धोखा देते हैं और व्यक्तियों के बारे में तरह-तरह की बातें कहते हैं। हालांकि अब जनता को यह

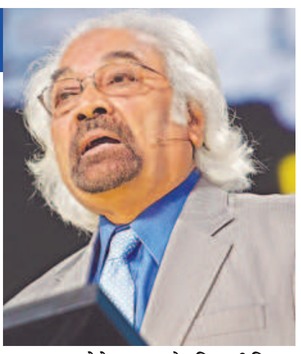

एहसास होने लगा है कि मीडिया पर किसी का कंट्रोल है।

अयोग्य विधायकों की पेंशन बंद होगी

यह बिल विधानसभा में पास करने वाला हिमाचल पहला राज्य

शिमला, 4 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में बुधवार को अयोग्य विधायकों की पेंशन बंद करने वाला संशोधित विधेयक पास हो गया। अब इसे राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राज्यपाल की ओर से हरी झंडी मिलने के बाद यह कानून का रूप लेगा। इस तरह का प्रावधान करने वाला हिमाचल देश का पहला राज्य बन जाएगा। इससे संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत अयोग्य घोषित होने वाले विधायक पेंशन के हकदार नहीं रहेंगे।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने बीते मंगलवार को दलबदलुओं को हतोत्साहित करने की मंशा से सदन में विधानसभा सदस्यों के भत्ते एवं पेंशन अधिनियम 1971 में संशोधन का प्रस्ताव पेश किया था। सदन में आज इस पर विस्तृत चर्चा हुई। विपक्ष ने इसे बदले की भावना से लाया गया प्रस्ताव बताते हुए बिल को वापस लेने या सिलेक्ट कमेटी को भेजने की बात कही।

दल-बदल रोकने को ऐसा करना जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा, 'भविष्य में दल-बदल रोकने और साफ-सुथरी राजनीति के लिए ऐसा करना जरूरी है। इस संशोधन में कोई द्वेष भावना नहीं है। स्वर्गीय राजीव गांधी ने जब दलगत राजनीति रोकने के लिए जो दल-बदल कानून बनाया था, हम उसे आगे बढ़ा रहे हैं। सशक्त लोकतंत्र और राजनीति में पारदर्शिता के लिए सभी को इसका समर्थन करना चाहिए। जो कांग्रेस छोड़कर गए हैं, वह अब आपके साथ धोखा करेंगे।

शरजील इमाम की जमानत याचिका पर जल्द सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार (4 सितंबर) को छात्र कार्यकर्ता शरजील इमाम की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें दिल्ली दंगों की कथित साजिश के मामले में उसकी जमानत याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की गई थी। हाई कोर्ट ने याचिका पर शीघ्र सुनवाई से इनकार कर दिया. मामले की सुनवाई 7 अक्टूबर को होगी।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए सांप्रदायिक दंगों के पीछे कथित बड़ी साजिश को लेकर आतंकवाद रोधी कानून यूएपीए के तहत उनके खिलाफ दर्ज मामले में जमानत याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की गई थी। जस्टिस सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि चूंकि मामला पहले ही 7 अक्टूबर को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है, इसलिए तारीख आगे बढ़ाने का कोई आधार नहीं है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से देश का होगा विकास : राष्ट्रपति मुर्मू

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को महिलाओं के हक के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से देश की प्रगति और विकास होगा। उन्होंने महिलाओं से केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी कहा। वहीं, राष्ट्रपति ने महाराष्ट्र के लातूर जिले के उदगीर में विश्वशांति बुद्ध विहार का उद्घाटन किया।

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना' और 'शाशान आपल्या दारी' कार्यक्रमों के लाभार्थियों को मुर्मू ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक सशक्तिकरण से महिलाओं का व्यक्तिगत विकास होगा, जो देश की आबादी का आधा हिस्सा हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने 25 लाख महिलाओं को लखपति दीदी (प्रति वर्ष एक लाख रुपये से अधिक कमाने वाली महिलाएं) बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि वह यह जानकार खुश हैं कि 13 लाख महिलाओं को पहले ही लखपति दीदी बनाया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि केंद्र ने लखपति दीदी के लक्ष्य को एक करोड़ से संशोधित कर तीन करोड़ कर दिया है। मुर्मू ने महिलाओं से अपने परिवारों की देखभाल करते हुए अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए कहा। उन्होंने कहा, 'अगर आप समृद्ध और स्वस्थ रहेंगे तो देश का विकास होगा और प्रगति होगी।'

उन्होंने कहा, 'पुरुषों को महिलाओं की क्षमता को समझना चाहिए और उन्हें अपने सपनों तथा आकांक्षाओं को प्राप्त करने में मदद करनी चाहिए।

भारी बारिश के कारण मराठवाड़ा क्षेत्र में 10 की मौत, 11.67 लाख हेक्टेयर फसल बर्बाद

नांदेड, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में भारी बारिश के कारण 10 लोगों की मौत हो गई। पिछले तीन दिनों से इस क्षेत्र में भारी बारिश हो रही है। एक सितंबर से जारी भारी बारिश के बाद मंगलवार की शाम के बाद बारिश पर ब्रेक लग गया। इस भारी बारिश के कारण 11.67 लाख हेक्टेयर फसल बर्बाद हो गई। नांदेड़ में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला।

भारी बारिश के कारण एक सितंबर से छत्रपति संभाजीनगर से पांच, हिंगोली से दो, लातूर, बीड और जालना से एक लोगों ने जान गंवा दी। नांदेड़ में 3.34 लाख फसल हेक्टेयर फसल नष्ट हुई है। बारिश के कारण 523 पशुओं की भी मौत हो गई। इसके अलावा 1,126 घर क्षतिग्रस्त हो गए। बारिश ने मराठवाड़ा क्षेत्र में जल भंडारण स्तर पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। सिंचाई विभाग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि क्षेत्र की कोई भी परियोजना अब डेड स्टोरेज में नहीं है। यह पानी की उपलब्धता में सुधार का संकेत देती है।

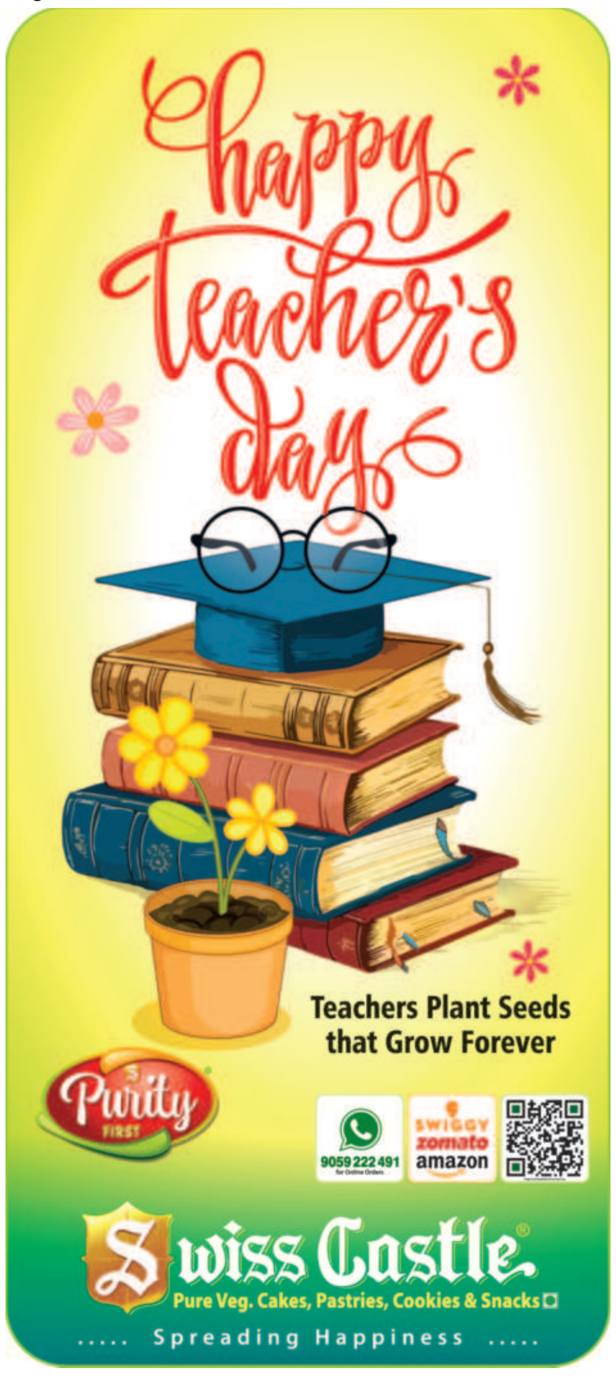

मंत्री बोले- दो मिनट में ठीक कर दूंगा

जौनपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के जौनपुर में विकास को लेकर सवाल पूछने पर योगी के मंत्री गिरीश यादव भड़क गए। उन्होंने मीडियाकर्मी से कहा- दो मिनट में ठीक कर दूंगा। बहुत ज्यादा सवाल करते हो। बहुत विकास चाहिए। इतना कोई नहीं करा सकता है। जवाब में मीडियाकर्मी ने कहा- पता है कितना विकास कराया। बहुत देखे आप जैसे मंत्री। मैं भी आपको ठीक कर दूंगा। इसके बाद काफी देर तक मंत्री और मीडियाकर्मी में हॉट-टॉक हुई।

भाजपा नेताओं ने किसी तरह से दोनों को शांत कराया। शहर के एक होटल में बुधवार सुबह 11 बजे भाजपा सदस्यता अभियान कार्यक्रम चल रहा था। इसमें राज्यमंत्री गिरीश यादव, पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपा शंकर सिंह समेत भाजपा के कई पदाधिकारी मौजूद थे। मीडियाकर्मियों को भी बुलाया गया था। इस दौरान राज्यमंत्री प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, तभी एक मीडियाकर्मी ने उसने पूछा- एसटीपी परियोजना के तहत आपने कितने विकास करवाए?

राहुल गांधी से फारुक अब्दुल्ला की हुई डील, बीजेपी के लिए बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस के साथ उनकी पार्टी का गठबंधन कोई मजबूरी नहीं है, बल्कि जम्मू-कश्मीर के विकास और केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा बहाल करने के लिए समय की मांग है।

गठबंधन पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का केंद्र शासित प्रदेश का दौरा उन लोगों के मुंह पर तमाचा है जो जम्मू-कश्मीर में मुख्यधारा के नेताओं को पाकिस्तानी या खालिस्तानी कहते हैं। दक्षिण कश्मीर में राहुल गांधी की चुनावी रैली में हिस्सा लेने के लिए अपने आवास से निकलते समय अब्दुल्ला ने चर्चा से कहा, ''यह (गठबंधन) कोई मजबूरी नहीं है। यह समय की मांग है। हम जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए सभी को साथ लेकर चलना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर में चाहते विकास नेकां अध्यक्ष इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या कांग्रेस के साथ गठबंधन उनकी पार्टी के लिए मजबूरी है? उन्होंने कहा, ''वह (राहुल) हमारे देश के लिए एक बड़ी आवाज हैं। यह उन लोगों के मुंह पर तमाचा है, जिन्होंने हम पर पाकिस्तानी या खालिस्तानी होने का आरोप लगाया था।

पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल उन्होंने कहा कि, मैं आशा करता हूं कि देश के लोग समझेंगे कि हम राज्य (जम्मू और कश्मीर) को इस मुश्किल दौर से बाहर निकलना और विकास करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि, मैंने पहली बार देखा है कि किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया है। इसे बदलना चाहिए और पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए...हम यही कोशिश कर रहे हैं।

महबूबा अलग-अलग देती है बयान अब्दुल्ला ने कहा कि विधानसभा चुनावों से पहले नेकां को अन्य पार्टियों की तरह नेताओं की खींचतान का सामना नहीं करना पड़ा क्योंकि लोगों को एहसास हो गया है कि उनकी पार्टी कुछ अच्छा करने की स्थिति में है।

राहुल बोले- जम्मू-कश्मीर में एक राजा बैठा है, नाम एलजी

जम्मू, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने बुधवार (4 सितंबर) को जम्मू-कश्मीर के रामबन और अनंतनाग में चुनावी रैली की।

राहुल ने कहा- जम्मू-कश्मीर से स्टेटहुड छीना गया, हम इसे वापस देंगे। यहां राजा का शासन है। यहां के राजा एलजी हैं। पहले केंद्र शासित प्रदेश को राज्य बनाते थे। मोदी जी राज्यों को केंद्र शासित प्रदेश बना रहे हैं।

राहुल ने पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत अंबानी-अडाणी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- पीएम मोदी पहले छाती फैलाकर चलते थे। अब वे कंधे झुकाकर आते हैं। इस बार संसद में सिर पर संविधान रखकर घुसे। कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने गठबंधन किया है। 90 सीटों में से 51 पर NC और 32 सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी। 5 सीटों पर फ्रेंडली फाइट होगी। 2 सीटें सीपीआई (एम) और पेंथर्स पार्टी को मिली हैं।

पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी को झटका

हाईकोर्ट ने खारिज की मनी लॉड्रिंग मामले से बरी करने की याचिका

चेन्नई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी को मद्रास हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने उनकी मनी लॉड्रिंग मामले से मुक्त करने वाली याचिका खारिज कर दी है। इस याचिका में बालाजी ने सत्र अदालत के आदेश को चुनौती दी थी।

न्यायमूर्ति एसएम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति वी शिवगणनम की खंडपीठ ने याचिका को वापस लेने के बालाजी के वकील के समर्थन के बाद खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि अब आपराधिक पुनरीक्षण याचिका दायर की गई है। बालाजी पर मनी लॉड्रिंग के आरोप 8 अगस्त, 2024 को तय किए गए थे और अभियोजन पक्ष के एक गवाह से 16 अगस्त को पूछताछ की गई थी और जिरह जारी थी।

बालाजी के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता याचिका को आगे बढ़ाने का इच्छुक नहीं है। इसे वापस लेने का अनुमोदन किया गया। पीठ ने कहा इसलिए याचिका को खारिज कर दिया गया। बालाजी को 14 जून, 2023 को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। केंद्रीय एजेंसी ने पिछले अगस्त में उनके खिलाफ 3000 पन्नों का आरोप पत्र दाखिल किया था। अदालतों ने बालाजी की कई जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

चेन्नई में एक सत्र अदालत ने धनशोधन मामले में तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी के खिलाफ पीएमएलए के प्रावधानों के तहत आरोप तय किए थे। प्रधान सत्र न्यायाधीश एस अल्ली के समक्ष सेंथिल बालाजी को जेल अधिकारियों ने पेश किया। इसके बाद न्यायाधीश ने उनके खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 3 के तहत आरोप तय किए, जो अधिनियम की धारा 4 के तहत दंडनीय है। पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी ने कहा कि राजनीतिक प्रतिशोध के कारण उनके खिलाफ यह मामला थोपा गया है। उन्होंने कहा कि वह गवाहों से जिरह करना चाहते हैं। लेकिन न्यायाधीश ने कहा कि वह आरोप तय करने की इस कार्यवाही में उनके बयान दर्ज नहीं कर सकती हैं।

गोरक्षकों ने पशु तस्कर समझकर ली छात्र की जान

सिब्बल का पीएम मोदी से सवाल

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने बुधवार को कहा कि फरीदाबाद में गोरक्षकों द्वारा एक छात्र को पशु तस्कर समझकर उसकी जान लेने की घटना नफरत के एजेंडे को बढ़ावा देने के कारण हुई। उन्होंने सवाल किया कि क्या उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह इस घटना पर कुछ बोलेंगे। सिब्बल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि हमें शर्म आनी चाहिए। आर्यन (कक्षा 12वीं का छात्र)। हरियाणा में गोरक्षकों ने 'गौ तस्कर' समझकर उसे गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई! कारण : नफरत के एजेंडे को बढ़ावा देना। उन्होंने सवाल किया, क्या हमारे प्रधानमंत्री, हमारे उपराष्ट्रपति, हमारे गृह मंत्री कुछ बोलेंगे? क्या है मामला : उल्लेखनीय है कि 5 गोरक्षकों के समूह ने 23 अगस्त को कक्षा 12 के छात्र आर्यन मिश्रा को गौ तस्कर समझकर उसकी कार का पीछा किया था और उसे गोली मार दी थी। मीडिया खबरों के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने दावा किया कि 23 अगस्त की रात को उन्हें सूचना मिली थी कि दो एसयूवी में सवार कुछ संदिग्ध पशु तस्कर शहर में टोह ले रहे हैं। उन्होंने आर्यन और उसके दोस्तों-शैंकी व हर्षित को पशु तस्कर समझकर दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर गदपुरी टोल के पास लगभग 30 किलोमीटर तक उनकी कार का पीछा किया। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि जब उन्होंने आर्यन और उसके दोस्तों को कार रोकने के लिए कहा, तो उन्होंने रफ्तार बढ़ा दी। आरोपियों ने बताया कि इसके बाद उन्होंने पलवल में गढ़पुरी टोल के पास आर्यन और उसके साथियों पर गोली चला दी, जिससे आर्यन की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक (अपराध) अमन यादव ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि पांचों आरोपियों-सौरभ, अनिल कौशिक, वरुण, कृष्ण और आदेश को 28 अगस्त को गिरफ्तार कर दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

रायपुररानी में ईंट-भट्ठे की दीवार गिरी, तीन मासूमों की दबने से मौत, बच्ची घायल

पंचकूला, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पंचकूला के रायपुररानी में बुधवार को बड़ा हादसा हुआ है। रायपुररानी के गांव जासपुर में एक ईंट भट्ठे पर काम करने वाले परिवारों के तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा कमला भट्ठा में हुआ है। ईंट-भट्ठे की दीवार गिरने से तीन बच्चों की मौत हुई है और एक बच्ची घायल हुई है। मृतकों में राफिया (6), जिशान (2) और ईशान (5) शामिल हैं। घटना के तुरंत बाद घायल ईशान को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। वहीं, दो बच्चे राफिया और जिशान की मौके पर ही मौत हुई है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने ममता बनर्जी पर साधा निशाना, कहा-पवित्र कर्तव्य की अनदेखी की

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में नौ अगस्त को एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्याकांड के बाद लाए गए बलात्कार रोधी विधेयक पर संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कटघरे में खड़ा किया है। रिजिजू ने एक्स पोस्ट में 2018 का एक पत्र अपलोड किया है। इसमें महिला अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई की जिक्र है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा ने सर्वसम्मति से बलात्कार रोधी विधेयक पारित किया गया है । इसमें यदि पीड़िता की मौत हो जाती है या 'कोमा' में जाने की स्थिति हो जाती है तो दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। किरेन रिजिजू ने लिखा, मुझे दुख है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने महिलाओं और बच्चों को त्वरित न्याय प्रदान करने के अपने सबसे पवित्र कर्तव्य की अनदेखी की। यह पत्र 2021 का है, जिसमें सारी बाते स्पष्ट है। 2018 में बलात्कार और हत्या जैसे खतरनाक अपराधों से निपटने के लिए संसद द्वारा एक कड़ा कानून पारित किया गया था। इस पर राज्य सरकारों को कार्रवाई करनी चाहिए।'' 'अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024' का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नए प्रावधानों के जरिये महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। सनद रहे पश्चिम बंगाल के बारे में मई 2021 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 28 हजार से भी ज्यादा दुष्कर्म और हत्या के मामले लंबित है। केंद्रीयमंत्री के एक्स पर संदर्भित पत्र के अनुसार, बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकारों की है। राज्य सरकारें अपने तरीके से किसी भी समस्या का समाधान निकालें । जिससे जल्द से जल्द न्याय हो सके। न्याय के लिए राज्य सरकार की सहायता भी की जाएगी। दरअसल आरजी कर कांड के बाद जारी विरोध प्रदर्शन के दबाव में यह विधेयक पेश व पारित करने के लिए विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया। इसी में यह विधेयक पारित किया गया है।

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की लगाई गुहार, सबूतों की माला लपेट रेंगते हुआ पहुंचा कलेक्ट्रेट-

नीमच, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नीमच में भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच की मांग के हजारों आवेदन और सबूतों के दस्तावेज देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होता देख गांव के एक शख्स ने इस बार अफसरशाही और सत्ता को जगाने का अनोखा तरीका अपनाया। शिकायतकर्ता ने आवेदनों और सबूतों के कागजों की लंबी माला खुद पर लपेटकर जमीन पर रेंगता हुआ कलेक्ट्रेट पहुंचा, जहां भ्रष्टाचार के अजगर के अंत के लिए नवागत कलेक्टर से उसने जांच और सख्त कारवाई की मांग की। बता दें पड़ोसी मंदसौर जिले में भी इसी तरह एक पीड़ित किसान समस्या की सुनवाई नहीं होने पर जनसुनवाई में जमीन पर लौटता हुआ पहुंचा था। सरकार तक मामला पहुंचा तो कलेक्टर नप गए थे। दरअसल, नीमच जिले की पंचायत कांकरिया तलाई में निर्माण और विकास कार्यों के नाम पर तत्कालीन सरपंच और उसके पति पर करोड़ों के भ्रष्टाचार के आरोप गांव के मुकेश प्रजापत द्वारा लगातार लगाए जा रहे हैं। मुकेश का कहना है कि उसने तथ्यों के साथ लोकायुक्त को भी शिकायत की। मुख्यमंत्री को भी अवगत कराया, लेकिन नीमच प्रशासन से लेकर शासन तंत्र कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। उसका कहना है कि केवल कांकरिया तलाई में सवा करोड़ का भ्रष्टाचार हुआ, जिसके प्रमाण पेश किए, लेकिन जनपद और जिला पंचायत जांच में भी भ्रष्टाचार कर रहे हैं। मुकेश ने तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ गुरु प्रसाद के भी भ्रष्टाचार में लिप्त होने के आरोप लगाए और ईडी की जांच की मांग की। 7 सालों में सुनवाई नहीं हुई

अरविंद केजरीवाल की पत्नी ने किया ट्वीट स्वाति मालीवाल ने सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को एक बार फिर घेर लिया है। स्वाति ने सुनीता केजरीवाल के एक ट्वीट का रीट्वीट करते हुए उन्हें खरी खोटी सुनाई हैं। बता दें कि स्वाति मालीवाल के साथ हुई मारपीट मामले में आरोपी अरविंद केजरीवाल के पूर्व पीए विभव कुमार को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है। जिसे लेकर सुनीता केजरीवाल ने फोटो शेयर करते हुए ट्वीट किया था। इसी को लेकर अब स्वाति मालीवाल ने मुख्यमंत्री की पत्नी को आड़े हाथ लिया है। 4 सितंबर को आज ही सुनीता केजरीवाल ने विभव कुमार की फोटो के साथ एक कैप्शन में सुकून भरा दिन लिखकर ट्वीट किया था। जिससे स्वाति मालीवाल तिलमिला गईं और उन्होंने सुनीता केजरीवाल के इस फोटो और कैप्शन को लेकर एक्स ट्विटर हैंडल पर भड़ास निकाली। स्वाति ने ट्वीट कर कहा, 'मुख्यमंत्री जी की पत्नी, जो मेरी पिटाई के दौरान घर पे ही थीं, उनको बड़ा सुकून महसूस हो रहा है। सुकून इसलिए कि वो आदमी जिसने मुझे उनके घर में पीटा और अभद्रता की, वो शर्तिया बेल पर आया है।' सबको ये साफ संदेश है, महिलाओं को मारो पीटो, उसके बाद हम पहले गंदी ट्रोलिंग करवा देंगे, पीड़िता को पूरी तरह से बर्बाद करेंगे और कोर्ट में उस आदमी को बचाने के लिए देश के सबसे महंगे वकीलों की फौज खड़ी कर देंगे! जिनको ऐसे लोगों को देखकर सुकून मिलता है उनसे बहन बेटियों की इज्जत की क्या उम्मीद रखनी। प्रभु सब देख रहे हैं, इंसाफ होकर रहेगा।' बता दें कि सीएम हाउस में स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट मामले में विभव कुमार 18 मई से जेल में बंद थे। विभव ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत की गुहार लगाई थी, जहां से उन्हें जमानत मिल गई।

गोदाम में जबरन ले जाकर महिला से गैंगरेप, बेल्ट से पीटा और न्यूड डांस भी करवाया

इंदौर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इंदौर में 34 साल की एक महिला के साथ गैंगरेप और उसे न्यूड हालत में नाचने के लिए मजबूर करने के आरोपों में पांच लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ये मामला मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश के 19 दिन बाद दर्ज किया गया है। हाई कोर्ट ने पुलिस को महिला की शिकायत पर विचार करके 90 दिन के भीतर इसका निपटारा करने का आदेश दिया था। अधिकारी ने बताया कि महिला ने कनाड़िया थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है कि आरोपी उसे 11 जून को एक गोदाम में जबरन ले गए जहां उन्होंने टीवी पर पोर्न वीडियो देखकर उसके साथ गैंगरेप किया। उन्होंने बताया कि महिला ने प्राथमिकी में यह आरोप भी लगाया है कि कथित घटना के दौरान उसे बेल्ट से पीटा गया और निर्वस्त्र हालत में आधे घंटे तक नाचने पर मजबूर किया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने महिला की शिकायत पर पांच आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड विधान के संबद्ध प्रावधानों में सोमवार देर रात प्राथमिकी दर्ज की।

संजय सिंह ने दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल की याचिका, अरविंद केजरीवाल को लेकर क्या है मांग?

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल से तिहाड़ जेल में मुलाकात नहीं करने देने का आरोप लगाते हुए हाई कोर्ट का रुख किया है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, संजय सिंह की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने तिहाड़ जेल से जवाब मांगा है। अब सुनवाई सोमवार को होगी। संजय सिंह ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के लिए ऐसे समय में इजाजत मांगी है जब, पार्टी की कांग्रेस से हरियाणा में गठबंधन को लेकर चर्चा चल रही है।

गठबंधन पर संजय सिंह का बयान

संजय सिंह ने मंगलवार को कांग्रेस से गठबंधन के सवाल पर कहा था कि बीजेपी को हराना हमारी प्राथमिकता है। लेकिन इसके बारे में आधिकारिक तौर पर हमारे हरियाणा के प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष आगे की बातचीत के आधार पर इसकी सूचना अरविंद केजरीवाल को देंगे और फिर इस पर कुछ बात आगे की जाएगी। गठबंधन पर चर्चा के लिए आज आप के राज्यसभा सांसद कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात करेंगे। बता दें कि कांग्रेस हरियाणा की कुल 90 सीटों में से आप को 7 सीटें देने के लिए राजी है, हालांकि आप कम से कम 10 सीटों की मांग कर रही है।

पांच महीने से जेल में हैं सीएम केजरीवाल

बता दें कि दिल्ली आबकारी नीति मामले में सीएम केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन्हें ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। इस मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। इस समय वो सीबीआई की गिरफ्तारी के मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। उन्हें सीबीआई ने 26 जून को गिरफ्तार किया था। सीबीआई की गिरफ्तारी और जमानत के लिए उन्होंने हाई कोर्ट से झटका मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनकी याचिका पर पांच सितंबर को सुनवाई हो सकती है।

कृषि मंत्री गणेश जोशी की मुश्किलें बढ़ीं

कैबिनेट के निर्णय के बाद कोर्ट ले सकता है बड़ा फैसला

देहरादून, 4 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड सरकार में कृषि मंत्री गणेश जोशी आय से अधिक संपत्ति मामले में बुरी तरह घिरते दिख रहे हैं। इस मामले में जोशी के खिलाफ के मुक़दमा चलाया जाना है या नहीं इस पर कोर्ट कैबिनेट के निर्णय के बाद फैसला लेगी। अगर उनपर ये मुक़दमा चलता है तो उनकी कुर्सी खतरे में पड़ सकती है। कृषि मंत्री गणेश जोशी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा दर्ज होगा या नहीं इसके लिए कोर्ट ने 19 अक्तूबर की तिथि नियत की है। कोर्ट को मामले में मंत्री परिषद के फैसले का इंतजार है। गणेश जोशी के खिलाफ अधिवक्ता

विकेश नेगी ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया था। इस मामले में अधिवक्ता नेगी ने कोर्ट को (सीआरपीसी 156(3) के तहत) प्रार्थनापत्र देकर विजिलेंस में मुकदमा दर्ज कराने की मांग की थी।

आय से अधिक संपत्ति का आरोप

इस पर स्पेशल विजिलेंस जज मनीष मिश्रा की कोर्ट ने विजिलेंस से आख्या मांगी थी। इस मामले में मंगलवार को सुनवाई हुई विजिलेंस ने अपनी आख्या के साथ एक पत्र भी कोर्ट में प्रस्तुत किया। 8 जुलाई 2024 को यह पत्र कार्मिक एवं सतर्कता विभाग की ओर से विजिलेंस को भेजा गया था। इस पत्र में सचिव मंत्री परिषद (गोपन विभाग) को शिकायत का अपने स्तर से परीक्षण कर यथोचित कार्रवाई करने को कहा गया है। कोर्ट में कहा गया कि भारतीय संविधान के अनुसार मंत्री परिषद कार्यपालिका की निर्णय लेने के लिए सर्वोच्च संस्था है। इस पत्र से साफ होता है कि यह मामला पहले ही मंत्री परिषद को भेजा जा चुका है कोर्ट में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के नियमानुसार ऐसे मामलों में मुकदमा दर्ज करने के आदेश से पहले कैबिनेट के फैसले का तीन महीने तक इंतजार किया जाता है। ये पत्र सात जुलाई को भेजा गया था इसके अनुसार तीन महीने का समय आठ अक्तूबर को समाप्त हो रहा है। लिहाजा इसके बाद ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। कोर्ट ने इस मामले में अब 19 अक्तूबर की तिथि नियत की है अगर गणेश जोशी के खिलाफ मामला चलता है तो शायद उनको अपनी मंत्री की कुर्सी से भी हाथ धोना पड़ सकता है।

दिल्ली पुलिस के हवलदार ने कनपटी पर गोली मारकर दी जान, बरामद हुआ मोबाइल सामने आ रही ये बीमारी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर इलाके में पुलिस कालोनी के भीतर दिल्ली पुलिस के हवलदार ने गोली मारकर खुदकुशी कर ली। मृतक की शिनाख्त विकास चौधरी (38) के रूप में हुई है। विकास ने देसी तमंचे से खुद की कनपटी पर गोली मारी। सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। विकास के शव के पास ही तमंचा और एक कारतूस पड़ा मिला। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस को मृतक के पास से फिलहाल कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

तेज रफ्तार कार से महिला की मौत आरोपी मर्चेंट नेवी में ऑफिसर

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई के मालाड इलाके से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां बीती रात एक महिला की हादसे में मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार महिला की तेज रफ्तार फोर्ड कार से हुई टक्कर के बाद मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब वह अपने घर जा रही थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी अनुज सिन्हा को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार आरोपी मर्चेंट नेवी में ऑफिसर है। जानकारी के मुताबिक 27 वर्षीय शहाना काजी हर दिन की तरह अपनी मेहंदी की क्लास देकर घर आ रही थीं। उसी दौरान पीछे से एक तेज रफ्तार कार ने शहाना काजी को जोरदार टक्कर मारी। इस हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने आरोपी की जमकर पिटाई की। कार चला रहे शख्स जिसका नाम अनुज सिन्हा बताया जा रहा है, वो मर्चेंट नेवी में काम करता है और छुट्टी पर अपने घर पर था। उसने वहां मौजूद कुछ लोगों की मदद से घायल महिला शहाना काजी को नजदीक के अस्पताल ले गया लेकिन वहां इलाज से पहले ही उनकी मौत हो गई। मृतक शहाना के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। फिलहाल पुलिस ने अनुज को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का ब्लड सैंपल भी लिया गया है ताकि ये पता चल सके कि उसने शराब पी रखी थी या नहीं। मृतक के पति की शिकायत पर मलाड पुलिस ने आरोपी पर बीएनएस की धारा 281, 285, 105 और 184, 185 एमवीए के तहत मामला दर्ज कर जांच शरू कर दी है।

बुरी फंसी पूर्व ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर, कोर्ट में फर्जी निकला डिसेबिलिटी सर्टिफिकेट

पुणे, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की पूर्व आईएएस ट्रेनी पूजा खेडकर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल दिल्ली पुलिस हाईकोर्ट में दाखिल अपनी स्टेटस रिपोर्ट में माना कि पूजा खेडकर का डिसेबिलिटी सर्टिफिकेट फर्जी था। स्टेटस रिपोर्ट में दिल्ली पुलिस ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा 2022 और 2023 के दौरान पूजा खेडकर ने फर्जी सर्टिफिकेट दाखिल किया था। साथ ही पूजा खेडकर ने सर्टिफिकेट में नाम भी बदला था। ये फर्जी सर्टिफिकेट महाराष्ट्र से जारी होने का दावा भी गलत पाया गया है। बता दें कि जो दिव्यांगता प्रमाण पत्र पूजा खेडकर ने दाखिल किया था, उसे लेकर

कथित तौर पर कहा गया कि इसे मेडिकल अथॉरिटी, अहमदनगर, महाराष्ट्र द्वारा जारी किया गया था। बता दें कि यूपीएससी परीक्षा के चयन में विशेष रियायतें हासिल करने के लिए पूजा खेडकर की तरफ से दिव्यांगता सर्टिफिकेट का उपयोग किया गया था। इतना ही नहीं यूपीएससी परीक्षा में कम नंबर होने के बावजूद दिव्यांगता सर्टिफिकेट के आधार पर खास रियायतें मिलने की वजह से पूजा खेडकर ने यूपीएससी की परीक्षा पास कर ली। बता दें कि यूपीएससी परीक्षा में पूजा खेडकर को 841वां रैंक मिला था। ऐसे में दिल्ली पुलिस ने अब कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के साथ ही यह माना है कि पूजा खेडकर का दिव्यांगता सर्टिफिकेट फर्जी है, जिसे महाराष्ट्र में जारी नहीं किया गया था। दिल्ली पुलिस की स्टेटस रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 और 2024 की यूपीएससी परीक्षा के दौरान पूजा खेडकर ने दो दिव्यांगता प्रमाण पत्र दाखिल किए, जो कथित तौर पर मेडिकल अथॉरिटी, अहमदनगर, महाराष्ट्र द्वारा जारी किए गए थे। इसमें दिल्ली पुलिस ने संभावना जताई है कि ये दावा भी फर्जी हो सकता है क्योंकि जब मेडिकल अथॉरिटी से इसके बारे में जानकारी ली गई तो मेडिकल विभाग ने इस तरह का कोई भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने की बात से इनकार कर दिया है। अथॉरिटी का कहना है कि पूजा खेडकर जिस दिव्यांगता प्रमाण पत्र की बात कर रही हैं उसे उन्होंने जारी ही नहीं किया है।

पुणे में झगड़ा सुलझाने गए एक युवक को 2 लोगों ने चाकू से गोदा, मौके पर दर्दनाक मौत

पुणे, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे के गुलटेकडी इलाके से एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी कुछ दिन पर पहले ही जमानत पर बाहर आए थे। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुणे के गुलटेकडी इलाके में रोहन कांबले, शिवशरण कांबले और सुनील सरोदे तीन दोस्त थे। इसमें से रोहन कांबले 7 जुलाई को जन्मदिन था। उस दिन सुनील सरोदे के भाई के साथ रोहन कांबले, शिवशरण कांबले की बहसबाजी हुई थी। इस वजह से रोहन कांबले और शिवशरण कांबले दोनों भाई नाराज थे। इसी गुस्से के चलते दोनों कांबले भाई मंगलवार की रात सुनील सरोदे के घर गए और उसके भाई गणेश को पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान सुनील सरोदे झगड़ा सुझलाने की कोशिश करने लगा। तब दोनों आरोपी भाइयों ने चाकू निकालकर सुनील की गर्दन पर वार कर दिया, जिसकी वजह से सुनील सरोदे की मौत हो गई। पुलिस ने घटना के बाद रोहन कांबले, शिवशरण कांबले दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी भाई अभी हाल ही में जेल से जमानत से बार आए थे। बता दें कि इससे पहले पुणे के नाना पेठ इलाके में बीते रविवार को अजित पवार की एनसीपी के पूर्व कॉर्पोरेटर वनराज आंदेकर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वनराज आंदेकर पर पहले चाकुओं से हमला किया गया था।

महिला यात्री ने एयर इंडिया एक्सप्रेस की स्टाफ पर किया हमला, इस एयरपोर्ट पर हुई घटना

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के विभिन्न राज्यों में एयरपोर्ट पर हंगामा होना अब आम बात हो गई है। कई बार एयरपोर्ट के कर्मचारियों और यात्रियों के बीच मारपीट तक की खबरें सामने आती रहती हैं। ऐसा ही एक मामला अब मुंबई एयरपोर्ट से भी सामने आया है। यहां एक महिला यात्री ने एयर इंडिया एक्सप्रेस की महिला कर्मचारी पर हमला कर दिया है। घटना के बाद महिला को पुलिस के हवाले कर दिया है। आइए जानते हैं इस पूरी घटना के बारे में। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने जानकारी दी है कि बीते 1 सितंबर को मुंबई एयरपोर्ट पर एक यात्री ने ग्राउंड ऑपरेशंस पार्टनर के एक स्टाफ सदस्य के साथ दुर्व्यवहार किया है। ड्यूटी मैनेजर ने तुरंत सीआईएसएफ को इस घटना के बारे में जानकारी दी और यात्री को जरूरी प्रक्रियाओं के अनुसार पुलिस को सौंप दिया गया। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि मुंबई हवाई अड्डे पर एयर इंडिया एक्सप्रेस काउंटर पर एक महिला यात्री ने महिला कर्मचारी पर हमला किया है। इसके बाद महिला यात्री को पुलिस को सौंप दिया गया है। ये घटना रविवार की है। सूत्र ने जानकारी दी है कि मुंबई एयरपोर्ट पर हुई इस घटना में शामिल यात्री और कर्मचारी दोनों महिलाएं थीं। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने कहा है कि ग्राउंड ऑपरेशंस पार्टनर के स्टाफ सदस्य के साथ दुर्व्यवहार करने वाली यात्री को प्रक्रियाओं के अनुसार पुलिस को सौंप दिया गया है। प्रवक्ता ने कहा है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस किसी भी ऐसे किसी भी व्यवहार के प्रति अपनी जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराता है जिससे हमारे मेहमानों और कर्मचारियों और हमारे भागीदारों की सुरक्षा और भलाई को खतरे में पड़ती है।

राहुल गांधी से मिले बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट, हरियाणा में बढ़ी राजनीतिक हलचल

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा चुनाव 2024 का बिगुल बज चुका है। चुनाव को लेकर भाजपा, कांग्रेस, जजपा समेत तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दावा कर रही है तो कांग्रेस भी जीत का दावा ठोक रही है। इस बीच अब कांग्रेस खेमे से बड़ी खबर आई है। दरअसल, पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की है। दरअसल, हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी में उम्मीदवारों के नाम और

टिकट शेयरिंग पर चर्चा जारी है। हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी दीपक बाबरिया से हाल ही में विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को लेकर सवाल किया गया था। बाबरिया ने कहा है कि जिन 32 उम्मीदवारों का नाम पहले तय हो चुका है विनेश फोगाट या बजरंग पुनिया का नाम उनमें नहीं है। उन्होंने कहा था कि जल्द ही इस मामले में स्पष्टता आ जाएगी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मिलने के बाद पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया कांग्रेस पार्टी के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल से भी मिलने पहुंचे हैं। आपको बता दें कि इससे पहले विनेश फोगाट शंभू बोर्डर पर धरना दे रहे किसानों से भी मिलने पहुंची थीं। अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस पार्टी हरियाणा विधानसभा चुनाव में विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को उम्मीदवार बना सकती है।

आसिफाबाद में सांप्रदायिक झड़प, तनाव

आदिवासियों ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लगाई आग ✻ धार्मिक ढांचों पर पथराव, मीडियाकर्मियों पर हमला

कुमराम भीम आसिफाबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जैनूर मंडल केंद्र में एक ऑटो चालक द्वारा आदिवासी महिला के साथ बलात्कार और हत्या के प्रयास के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए आदिवासियों ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आग लगा दी, जिससे बुधवार को सांप्रदायिक झड़प और तनाव पैदा हो गया। जिले के कई इलाकों से करीब 5,000 आदिवासी जैनूर मंडल केंद्र में विभिन्न आदिवासी अधिकार संगठनों द्वारा इस घटना की निंदा करते हुए बुलाए गए बंद के तहत एकत्र हुए। उन्होंने व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आग लगा दी, धार्मिक ढांचों पर पथराव किया और विरोध प्रदर्शन को कवर कर रहे मीडियाकर्मियों पर हमला किया, जिससे जैनूर मंडल मुख्यालय में सांप्रदायिक संघर्ष हो गया।

मंगलवार को आरोपी ऑटो-रिक्शा चालक, सोनूपटेल गांव के मुकदुम को देवुगुड़ा की 45 वर्षीय आदिवासी महिला की हत्या के कथित प्रयास के लिए गिरफ्तार किया गया था। उसने जैनूर मंडल के राघवपुर गांव में उसके साथ बलात्कार करने का प्रयास किया था, जब 31 अगस्त को महिला ने सोयामगुड़ा में अपने माता-पिता से मिलने के लिए ऑटो-रिक्शा किराए पर लिया था। जब उसने शोर मचाया तो वह उसे राघवपुर और सोयामगुडम गांव के बीच सड़क पर छोड़कर भाग गया। फिर उसने उसे मारने की कोशिश में एक बड़ी छड़ी से मारा। जब वह बेहोश हो गई तो उसने उसे सड़क पर छोड़ दिया, उसे लगा कि वह मर चुकी है। कुछ राहगीरों ने उसे देखा और 108 एम्बुलेंस बुलाकर उसे सिरपुर (यू) के एक अस्पताल में भर्ती कराया। होश में आने पर उसने आपबीती सुनाई और उसके भाई ने सोमवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। आदिवासी अधिकार संगठनों ने मंगलवार को जैनूर मंडल केंद्र में रास्ता रोको प्रदर्शन किया और आरोपी व्यक्ति को मृत्युदंड दिए जाने की मांग की।

जैनूर मंडल इलाका छावनी में तब्दील एक हजार पुलिसकर्मी तैनात

एहतियात के तौर पर इलाकों में इंटरनेट पर प्रतिबंध धारा 144 लागू , स्थिति नियंत्रण में

हैदराबाद/ आसिफाबाद 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद जिले के जैनूर मंडल में दूसरे समुदाय के व्यक्ति द्वारा आदिवासी महिला के साथ यौन उत्पीड़न और हत्या के प्रयास के मामले को लेकर टुडुम डिब्बा सहित आदिवासी संगठनों द्वारा बंद का आह्वान किया गया था। प्रशासन ने दोनों समुदायों से बात की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बंद को जिम्मेदारी से किया जाए।

अचानक स्थिति दो समुदायों के बीच संघर्ष में बदल गई। आदिवासियों ने दूसरे समुदाय की संपत्तियों पर हमला करना शुरू कर दिया और दूसरे समुदाय की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई, जिससे आगजनी, पथराव, संपत्तियों को नुकसान आदि हुआ। एसपी केबी आसिफाबाद अपनी टीम के साथ सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले थे और पड़ोसी आदिलाबाद, मंचेरियल, सिरसिला, जगतियाल जिलों और टीजीएसपी प्लाटून से अतिरिक्त बलों के साथ अपनी पूरी कोशिश की। पड़ोसी जिलों के एसपी/डीसीपी भी स्थिति को नियंत्रित करने में शामिल हुए। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस ने 1000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया है।आरएएफ को तैनात किया जा रहा है। डीजीपी तेलंगाना, एडीजी (कानून एवं व्यवस्था), आईजी नॉर्थ जोन लगातार स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

जिला प्रशासन द्वारा निषेधाज्ञा 144 सीआरपीसी/163 बीएनएसएस जारी की गई है। लोगों को निषेधाज्ञा का उल्लंघन न करने की चेतावनी दी गई है। अफवाहों और फर्जी खबरों को फैलने से रोकने के लिए एहतियात के तौर पर इलाकों में इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। प्रभावित इलाकों में निषेधाज्ञा की घोषणा के साथ फ्लैग मार्च किया जा रहा है। लोगों में विश्वास पैदा करने के लिए पिकेट तैनात किए गए हैं। विशेष टीमें गठित की गई हैं और आगजनी और हिंसा की घटनाओं की जांच शुरू कर दी गई है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके और कानून के अनुसार उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हिंसा के दौरान हुई संपत्ति के नुकसान का आकलन किया जाएगा और आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए सरकार को भेजा जाएगा। पुलिस ने दोनों समुदायों से संयम बरतने की अपील की है, क्योंकि यौन उत्पीड़न और हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी को जैनूर पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पीड़िता का गांधी अस्पताल में इलाज चल रहा है और इलाज का सारा खर्च प्रशासन उठा रहा है। पीड़ित को एक लाख रुपये का मुआवजा पहले ही दिया जा चुका है। एसपी आसिफाबाद ने इलाके में शांति बनाए रखने के लिए दोनों समुदायों के बुजुर्गों से बातचीत की है। पुलिस ने लोगों से कहा है कि है कि अफवाहों पर विश्वास न करें। बिना किसी सच्चाई के भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट प्रसारित करने पर दंडात्मक कार्रवाई हो सकती है। किसी भी आपात स्थिति के लिए लोग डायल 100 पर संपर्क कर सकते हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

लखनऊ में तीनों सेना की कमांडर कॉन्फ्रेंस

3 घंटे से सभी सेनाओं के प्रमुख, सीडीएस मौजूद, नॉर्थ-ईस्ट और बांग्लादेश के हालात पर चर्चा संभव

लखनऊ, 4 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में तीनों सेना प्रमुखों की कमांडर कॉन्फ्रेंस हो रही है। मध्य कमान मुख्यालय में सीडीएस अनिल चौहान इसकी अध्यक्षता कर रहे हैं। कमान मुख्यालय में सुबह 9.15 बजे कमांडर कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन सीडीए अनिल चौहान ने किया। यहां नॉर्थ-ईस्ट और बांग्लादेश के हालात पर चर्चा संभव है। कल यानि गुरुवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बैठक को संबोधित करेंगे। सेना के सूत्र बताते हैं कि बैठक में तीनों सेना के बीच देश की सुरक्षा, हथियार खरीद और वित्तीय योजनाओं पर चर्चा होनी है। नॉर्थ ईस्ट में चल रही गतिविधियों, बांग्लादेश के बदले हालात के बीच सेना की यह बैठक अहम है। मौजूदा समय में पूरी दुनिया भू-राजनीतिक, भू-आर्थिक और तकनीकी संक्रमण के दौर से गुजर रही है। इसका असर भारत पर कितना पड़ सकता है? इस पर भी सीडीएस सेना प्रमुखों से बात करेंगे। बैठक में थल सेना, वायुसेना और नौसेना के अध्यक्ष और शीर्ष अधिकारी भी मौजूद हैं। इस बैठक का लक्ष्य सशस्त्र बलों के बीच वित्तीय मुद्दों पर तालमेल बढ़ाना है। बैठक में रक्षा मंत्रालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक और सेना मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। तीनों सेना के बीच तालमेल, बेहतर समन्वय मौजूदा समय में भू-राजनीतिक, भू-आर्थिक और तकनीकी रूप से पूरी दुनिया संक्रमण की स्थिति में है। इसकी वजह से देश आज जिन सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। सशस्त्र बलों को इन सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए क्षमताएं विकसित करने की जरूरत है। सम्मेलन सेवा मुख्यालय और रक्षा वित्त से जुड़े लोगों को आपसी समझ बढ़ाने, एक-दूसरे की चिंताओं को समझने, अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में एक-दूसरे से बात करने के लिए एक मंच देता है। यह बेहतर तालमेल, बेहतर समन्वय, बेहतर समझ लाता है, जिससे हम सभी देश के लिए बेहतर क्षमताएं ला सकें।

तीनों सेनाओं के बीच थियेटराइजेशन योजना

थियेटराइजेशन योजना के अनुसार प्रत्येक थियेटर कमान की थलसेना, नौसेना और वायुसेना की इकाइयां होंगी। वे सभी एकल इकाई के रूप में काम करेंगी, जो एक विशेष भौगोलिक क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों से निपटेंगी। थियेटर कमान की योजना, सेना के तीनों अंगों को एक करने और उनके संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए बनाई जा रही है। वर्तमान में थलसेना, नौसेना और वायुसेना के अलग-अलग कमांडो हैं। इसके साथ ही वित्तीय योजना पर सशस्त्र बलों में तालमेल हो सके, इस पर भी बात होगी। सेना के तीनों अंगों ने थिएटर कमांड के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा करने के लिए व्यक्तिगत क्षमता के साथ-साथ संयुक्त रूप से स्टडी किए हैं।

फिलहाल देश में करीब 15 लाख सशक्त सैन्य बल है। इन्हें संगठित और एकजुट करने के लिए काफी समय से थिएटर कमांड की जरूरत महसूस की जा रही थी। फिलहाल 4 नए थिएटर कमांड बनाने की योजना पर काम चल रहा है। ये थिएटर कमांड देश की तीनों सैन्य सेवाओं के पहले से मौजूद 17 कमांड के अतिरिक्त होंगे। थलसेना के पास तीन थिएटर कमांड, जबकि नौसेना के पास एक कमांड की जिम्मेदारी होगी।

स्टेनो की घूसखोरी में एसडीएम पर भी एक्शन

डीएम ने एसडीएम मनी अरोड़ा को हटाया, रिश्वत लेते पकड़ा गए स्टेनो को सस्पेंड किया

मुरादाबाद, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद में स्टेनो की घूसखोरी की गाज ठाकुरद्वारा की एसडीएम मनी अरोड़ा पर भी गिरी है। डीएम अनुज सिंह ने एसडीएम मनी अरोड़ा से ठाकुरद्वारा एसडीएम की कुर्सी छीन ली है। उन्हें नई पोस्टिंग भी फिलहाल नहीं दी गई है। उनके स्थान पर डिप्टी कलक्टर प्रीति सिंह को ठाकुरद्वारा का नया एसडीएम बनाया गया है। डीएम ने रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए एसडीएम के स्टेनो सचिन सिंह को सस्पेंड कर दिया है। बता दें कि विजिलेंस ने 4 दिन पहले ठाकुरद्वारा एसडीएम ऑफिस पर छापा मारकर एसडीएम के स्टेनो सचिन शर्मा को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। एक किसान की भूमि को गैर कृषि घोषित करने की एवज में स्टेनो ने रिश्वत की मांग की थी। स्टेनो के रंगे हाथ रिश्वत लेते पकड़े जाने की वजह से एसडीएम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे थे। जिस तरह विजिलेंस ने एसडीएम ऑफिस में ट्रैप की इस कार्रवाई को अंजाम दिया उससे एसडीएम खुद भी सवालों के घेरे में आ खड़ी हुई थीं। इस ट्रैप के बाद से ही एसडीएम पर कार्रवाई के कयास लगाए जा रहे थे।

लेकिन मुरादाबाद मे सीएम की विजिट के मद्देनजर उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई नहीं की गई। सीएम का दौरा निपटने के अगले ही दिन डीएम अनुज सिंह ठाकुरद्वारा की एसडीएम मनी अरोड़ा को हटा दिया। उनके स्थान पर एसीएम प्रीति सिंह को ठाकुरद्वारा का नया एसडीएम बनाया गया है। कांठ के एसडीएम अजय मिश्रा को भी हटा दिया गया है। उन्हें एसीएम द्वितीय बनाया गया है। उनके स्थान पर ज्वांइट मजिस्ट्रेट राममोहन मीना को कांठ का एसडीएम बनाया गया है।

'' पति को अलग कमरे में रहने के लिए मजबूर'

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

प्रयागराज, 4 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पारिवारिक मामलों में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि पत्नी अपने पति को अलग कमरे में रहने के लिए मजबूर करती है और उसके साथ रहने से इनकार करती है, तो यह स्थिति क्रूरता के समान मानी जा सकती है। इस निर्णय के साथ ही हाईकोर्ट ने पति की तलाक की अर्जी को मंजूर कर लिया है। इस मामले में पति ने कोर्ट से कहा कि उसकी पत्नी ने उसे एक अलग कमरे में रहने के लिए मजबूर किया। पत्नी का यह भी कहना था कि यदि पति उसके कमरे में जाएगा, तो वह आत्महत्या कर लेगी। यह स्थिति पति के लिए मानसिक उत्पीड़न का कारण बन गई थी। न्यायमूर्ति राजन राय और सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने लखनऊ में इस पारिवारिक मामले की अपील पर सुनवाई की और पति के पक्ष में फैसला सुनाया। फैमिली कोर्ट का पूर्व निर्णय पति ने फैमिली कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। पारिवारिक न्यायालय ने पहले पति के खिलाफ निर्णय सुनाया था। फैमिली कोर्ट ने यह तर्क दिया कि पत्नी ने तब वैवाहिक संबंध समाप्त कर दिए थे, जब उसने पति को अलग कमरे में रहने के लिए मजबूर किया। कोर्ट ने यह भी कहा कि पत्नी का यह व्यवहार चाहे घर के भीतर हो या बाहर, इसका असर पति पर पड़ता है। विवाह और तलाक की प्रक्रिया इस मामले में पति और पत्नी का विवाह 2016 में हुआ था।

पत्नी की यह पहली शादी थी, जबकि पति की दूसरी शादी थी। पति ने 2018 में फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल की थी। उसने कहा था कि विवाह के पहले 5-6 महीनों के दौरान सब कुछ सामान्य था, लेकिन उसके बाद पत्नी का व्यवहार बदल गया और उसने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। जनवरी 2023 में फैमिली कोर्ट ने पति के खिलाफ फैसला सुनाते हुए कहा था कि उसने पत्नी की धमकियों का विस्तार से उल्लेख तलाक की अर्जी में नहीं किया था। पति ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। हाईकोर्ट ने पत्नी के व्यवहार को क्रूरता मानते हुए तलाक की अर्जी को मान्यता दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट का यह निर्णय पारिवारिक विवादों के मामलों में एक महत्वपूर्ण मिसाल पेश करता है। कोर्ट ने पत्नी के व्यवहार को क्रूरता की श्रेणी में रखा है और पति के तलाक की अर्जी को मंजूर कर लिया है। इस फैसले से पारिवारिक मामलों में न्याय की दिशा में एक नया दृष्टिकोण सामने आया है, जो भविष्य में समान परिस्थितियों में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

पांच किलो की बच्ची के पेट से निकला डेढ़ किलो का ट्यूमर इस तरह हुआ ऑपरेशन

लखनऊ, 4 सितंबर (एजेंसियां)। केजीएमयू के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में महज तीन महीने की बच्ची के पेट से डेढ़ किलो का ट्यूमर निकाला गया। ऑपरेशन से पहले बच्ची का कुल वजन पांच किलो था। चार दिन वेंटिलेटर पर रखने के बाद पूरी तरह से स्वस्थ होने पर उसे घर भेज दिया गया। चौक के पाटानाला क्षेत्र के महफूज की बच्ची को जन्म से ही पेट में हल्की गांठ थी, जो समय के साथ बढ़ रही थी। डॉक्टर को दिखाने पर केजीएमयू भेज दिया गया। यहां पीडियाट्रिक सर्जरी के विभागाध्यक्ष प्रो। जेडी रावत और डॉ। आनंद पांडेय ने जांच की तो बच्ची के पेट में बड़े ट्यूमर का पता चला। इस वजह से ऑपरेशन में अतिरिक्त सावधानी की जरूरत थी। ऑपरेशन के लिए जब पेट खोला तो पाया कि ट्यूमर लगभग पूरे पेट में था। इस कारण बाकी अंग चारों तरफ से दबे हुए थे। बायां गुर्दा तो ट्यूमर के बिलकुल नीचे दबा था। शालिनी त्रिपाठी की निगरानी में चार दिनों के लिए रखा गया। कुलपति प्रो। सोनिया नित्यानंद ने पूरी टीम को बधाई दी है।

यूपी में बीजेपी नेता के भतीजे की हत्या, मामूली विवाद में रेस्टोरेंट के बाहर मारी गोली

सुल्तानपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में बीजेपी मंडल अध्यक्ष के भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना शाम की है। दो युवकों में विवाद के दौरान गोली चलने से एक युवक की मौत हो गई। मृत युवक की पहचान सत्तारूढ़ बीजेपी के मंडल अध्यक्ष राम अभिलाख सिंह के भतीजे के रूप में हुई। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। दुकानदारों ने दुकान के शटर बंद कर लिए। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार, घटना कोतवाली नगर के पयागीपुर स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर की है, जहां मामूली विवाद में दो युवक आपस में भिड़ गए। पुलिस ने बताया कि कुछ देर तक हाथापाई के बाद एक युवक ने दूसरे को गोली मार दी। गोली लगने से कोतवाली देहात थाना अंतर्गत पकड़ी गांव निवासी 23 वर्षीय अभय प्रताप सिंह की मौत हो गई।

मुलायम की बहू अपर्णा यादव को सीएम योगी ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

अपर्णा यादव

बबीता चौहान

लखनऊ, 4 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने आगरा की बबीता चौहान को राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष तथा अपर्णा यादव और चारू चौधरी को उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। इसकी अधिसूचना जारी की गई। उत्तरप्रदेश महिला आयोग की अध्यक्ष बनाई गईं आगरा के हरिपर्वत की प्रोफेसर कॉलोनी निवासी बबीता चौहान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा की उत्तरप्रदेश इकाई की उपाध्यक्ष हैं, वहीं अपर्णा यादव समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की पुत्रवधू हैं। चारु चौधरी गोरखपुर की पूर्व महापौर अंजू चौधरी की पुत्रवधू हैं। अंजू चौधरी भी उत्तरप्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। अपर्णा यादव मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव की पत्नी हैं और विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गई थीं। महिला कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राज्यपाल ने उत्तरप्रदेश महिला आयोग के अध्यक्ष पद पर आगरा के हरिपर्वत क्षेत्र की निवासी बबीता चौहान को अध्यक्ष तथा विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ निवासी अपर्णा यादव और गोरखपुर निवासी चारु चौधरी को 1 वर्ष की अवधि के लिए उपाध्यक्ष पद पर नामित किया है। राज्य सरकार इनका कार्यकाल बढ़ा भी सकती है।

भेड़िए, सियार और कुत्ते के बाद युवक ने मचाया आतंक, बन गया नरभक्षी, महिला और बच्ची समेत कई को काटा

मुजफ्फरनगर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में भेड़िया, सियार और कुत्तों के हमले के कई मामले सामने आए हैं। जिसमें कई की मौत भी हुई है और बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए। लेकिन यूपी के मुजफ्फरनगर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ही नरभक्षी बन गया है और उसने कई लोगों को काट लिया है। मुजफ्फरनगर में एक युवक के आतंक से लोगों के बीच डर का माहौल है। युवक ने महिला सहित एक बच्ची को भी काटा है। पीड़ित महिला और बच्ची को राहगीरों ने बड़ी मुश्किल से युवक के हमले से बचाया है। इसके बाद युवक को रस्सी से बांधकर पुलिस को सौंपा गया है। मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के नंबर दो चुंगी का है। गौरतलब है कि बहराइच में जहां भेड़िया ने 3 साल की बच्ची को नोचा, वहीं कुत्तों ने 80 साल के एक बुजुर्ग को नोचकर मार डाला था।

बहराइच में भेड़िए तो अगवानपुर में तेंदुए का आतंक

डर के साये में 50 हजार आबादी खौफ से आंखों में कट रही रात

मुरादाबाद, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कमिश्नरी से मात्र 10 किलोमीटर दूर। कस्बा अगवानपुर। करीब 50 हजार की आबादी के इस इलाके में पहुंचे तो अलग ही नजारा दिखा। आम मुहल्लों में जहां कई घरों पर राष्ट्रीय ध्वज या धर्म पताका लगी थी। वहीं, कई मुहल्लों में जंगल या खेत की ओर से लगे कुछ घरों पर एक अलग ही नजारा दिखा। यहां छत की ओर कनस्तर टंगे थे, जिन पर लंबी सी रस्सी लटकी थी। चौंकते हुए आसपास के लोगों से पूछा तो पता चला कि यह आम कनस्तर नहीं बल्कि एक तरह का अलार्म है। आसपास तेंदुआ दिखता है तो इसे लटकी रस्सी की मदद से 'खतरे की घंटी' की तरह बजा देते हैं।

तेज आवाज सुनकर आसपास की बड़ी आबादी के लोग सतर्क हो जाते हैं और अपने बच्चों, मवेशी, अन्य पशु को सुरक्षित जगह पहुंचा देते हैं। लोग बताते हैं कि यहां पिछले कुछ दिनों से हर जुबां पर एक ही नाम सबसे ज्यादा है।।।तेंदुआ। डर इतना कि शाम होते-होते लोग या झुंड में रहते हैं या घरों में कैद हो जाते हैं। उधर, वन विभाग की टीम का अब तक कोई पता नहीं, इसको लेकर लोगों में रोष है।

छेड़छाड़ की शिकायत करने पर महिला को किया गंजा जान से मारने की धमकी भी दी

कन्नौज, 4 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के कन्नौज से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला को छेड़छाड़ की शिकायत करने पर गंजा किया गया है। पीड़ित महिला ने थाने में छेड़छाड़ करने वाले भतीजे समेत 5 लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। महिला से घर में घुसकर उसके रिश्ते के भतीजे ने छेड़छाड़ की थी। जब उसने इसकी शिकायत युवक के माता-पिता से की तो सबने मिलकर उसे पीट दिया और सिर मुंडवा दिया। पीड़िता ने थाने पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस 2023 के तहत लज्जा भंग सहित 7 धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू की है।

श्मशान घाट में पेड़ पर लटके मिले युवक-युवती के शव, जांच पड़ताल में हुआ बड़ा खुलासा

सहारनपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सहारनपुर जनपद के नानौता थाना क्षेत्र के गांव खुडाना के शमशान घाट में खड़े नीम के पेड़ पर बुधवार सुबह एक युवक और युवती के शव फंदे पर लटके मिले। पास ही युवक की बाइक खड़ी थी। सुबह टहलने निकले ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फारेंसिक टीम ने शवों को नीचे उतरवा कर जांच पड़ताल की। पुलिस ने शवों की पहचान कराई तो उनकी पहचान खुडाना निवासी सचिन सैनी (22) पुत्र लक्ष्मी चंद और बड़गांव थाना क्षेत्र के गांव दल्हेडी निवासी सलोनी (20) के रूप में हुई है। दोनों नायलॉन की रस्सी से बने फंदे में पेड़ पर लटके हुए थे। पुलिस जांच पड़ताल में सामने आया कि दोनों एक ही बिरादरी के थे। थोड़ी ही देर में मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। दोनों के परिजन भी मौके पर पहुंचे। अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युगल ने आत्महत्या की है या किसी ने उनकी हत्याकर यहां लटकाया है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल की जांच पड़ताल की जा रही है। आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम पर भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

'यह मेरा आखिरी वार्निंग है', एमपी प्रदीप कुमार सिंह को नेपाली नंबर से उड़ा देने की मिली धमकी

अररिया, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अररिया के बीजेपी सांसद प्रदीप कुमार सिंह को उनके मोबाइल पर एक सितंबर को नेपाली मोबाइल नंबर से रंगदारी के साथ जान मारने की धमकी मिली है। नेपाली मोबाइल नंबर से टेक्स्ट मैसेज लिखकर रंगदारी और जान मारने की धमकी दी गई। यह धमकी जेल में बंद कुख्यात सजायाफ्ता दिनेश राठौर के भाई विनोद राठौर ने दी है। मामले को लेकर सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक को अपने लैटर पैड पर लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। सांसद के आवेदन के आधार पर नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आवेदन में बताया गया है कि मोबाइल पर भेजे गए धमकी में लिखा है कि 'यह मेरा आखिरी वार्निंग है। मेरे भाई दिनेश राठौर को जेल से छुड़ाओ और 10 लाख रुपये मेरे भाई को जेल गेट पर भेजो। नहीं तो अररिया जिला में कहीं भी किसी समय भी बम, गोलियों से उड़ा देंगे।' सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने आवेदन में बताया कि उनके मोबाइल पर नेपाली नंबर से आए मैसेज को उन्होंने 01 सितंबर 2024 को देखा जिसके बाद उन्होंने ऐतिहातन नगर थाना पुलिस को लिखित शिकायत दर्ज करवाई। सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि अपराधी दिनेश राठौर और उसके गैंग के निशाने पर वो बहुत दिनों से हैं। वहीं, पुलिस मामला दर्ज करने के बाद मामले की जांच में जुट गई है। नगर थानाध्यक्ष ने मामले में फिलहाल जांच करने की बात कही है।

सरकारी नौकरी मिलते ही पत्नी ने छोड़ा पति का साथ

कानपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सरकारी नौकरी मिलते ही सात फेरों की कसम तोड़ दी। पति ने फैमिली कोर्ट में तलाक का केस दाखिल कर कहा कि पत्नी का हर सहयोग करते हुए पढ़ाया-लिखाया, जब उसे टीचर की नौकरी मिल गई तो बेटे को लेकर उससे अलग हो गई। बेटे को नहीं मिलने दिया जाता है। कोर्ट ने तलाक मंजूर कर लिया। विश्व बैंक कालोनी बर्रा निवासी एक युवक ने आरएस पुरम सर्वोदय नगर निवासी पत्नी के खिलाफ तलाक का केस दाखिल किया था। इसमें कहा था कि उन दोनों की मुलाकात इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी कानपुर विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान हुई थी। 21 फरवरी 2008 को दोनों का प्रेम विवाह हुआ। इसके बाद उसने पत्नी 2009-10 में बीएड कराया। उसके एक 13 और दूसरा 10 साल का बेटा है। पत्नी जब चाहती थी तब मां से झगड़ा कर छोटे बच्चे को लेकर मायके चली जाती थी। 2012 में पिता ने दोनों का वैवाहिक जीवन बचाने के लिए दोनों को अलग रहने के फैसले को मंजूर कर लिया।

बीमार पति और भाई के सामने रेप की कोशिश

सपा ने योगी सरकार पर उठाए सवाल, कर डाली ये मांग

सिद्धार्थनगर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में निजी एंबुलेंस में बीमार पति और भाई के सामने महिला से रेप की कोशिश का मामला सामने आया है। जिससे हड़ंकप मच गया है। समाजवादी पार्टी ने इसे लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला किया और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सपा ने आरोप लगाया कि यूपी महिला अपराध में नंबर वन बन गया है। समाजवादी पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल पर इस खबर को शेयर करते हुए पार्टी ने यूपी की कानून व्यवस्था को लेकर योगी सरकार को घेरने की कोशिश की और आरोपी एंबुलेंस चालक और उसके साथी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सपा ने भाजपा सरकार पर लगाया आरोप

समाजवादी पार्टी ने एक्स पर लिखा- 'महिला अपराध में No.1 बीजेपी सरकार में एक और विचलित कर देने वाली वारदात! सिद्धार्थनगर में चलती एंबुलेंस में चालक व उसके साथी ने बीमार पति और भाई के सामने महिला से दुष्कर्म का किया प्रयास, असफल होने पर ऑक्सीजन मास्क निकाल बीमार पति को एंबुलेंस से बाहर फेंका, हुई मौत, दरिंदों के खिलाफ हो कठोरतम करवाई।' ये मामला सिद्धार्थनगर का बताया जा रहा है। यहां के बांसी कोतवाली में रहने पीड़िता ने 28 अगस्त को बीमार पति को लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। लेकिन, पैसों की कमी के चलते उसने डॉक्टरों को पति का डिस्चार्ज ले लिया, जिसके बाद अस्पताल प्रशासन ने पति को ले जाने के लिए निजी एंबुलेंस चालक का नंबर दे दिया।

महिला अपने 17 साल के भाई के साथ बीमार पति को एंबुलेंस से ले जा रही थी। तभी ड्राइवर ने महिला को आगे बैठने को कहा। उसने कहा कि अगर वो आगे बैठ जाएगी तो पुलिस वाले उसे परेशान नहीं करेंगे। महिला जब आगे चली गई तो ड्राइवर और उसके साथी ने महिला से साथ दुष्कर्म की कोशिश की। जब आरोपी इसमें सफल नहीं हो पाए, तो उन्होंने महिला से मारपीट की और उन्हें गाड़ी से उतार दिया। यही नहीं आरोपी उनके पैसे, गहने और मोबाइल फ़ोन तक लूटकर फरार हो गए। इस दौरान उन्होंने पीड़िता के बीमार पति के मुंह से आक्सीजन का मास्क भी निकाल दिया। जिससे बाद में उसकी मौत हो गई।

पीएम आवास योजना में मिले मकान में चल रही थी शराब की दुकान, ऐसे हुआ खुलासा

गाजीपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन लोगों को छत देती है जिनके पास कच्चा मकान या झुग्गी झोपड़ी है। गाजीपुर के खानपुर इलाके में एक ऐसा ही मामला सामने आया है जहां पर पीएम आवास योजना का पात्र लाभार्थी तो अभी भी अपने पुराने कच्चे मकान में रहता है। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए मकान में शराब की दुकान का संचालन करवाता है। इसके बदले में उसे 1500 रुपए प्रति माह मिलते हैं। यह दुकान 2019 से लगातार संचालित की जा रही थी। वहीं आबकारी नीति की बात करें तो जहां भी शराब की दुकान संचालित होती है उस मकान और उसके चारों तरफ के रकबे को कागजात में मेंशन करने के बाद ही शराब की दुकान संचालित होती है। विभागीय लापरवाही के कारण पिछले 5 वर्षों से पीएम आवास योजना में मिले घर में शराब की दुकान का संचालन हो रहा है। जिसको लेकर महिलाएं लगातार विरोध करती रही।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

गिरना असफलता नहीं है; असफलता तब आती है जब आप वहीं रहते हैं जहां आप गिरे थे।

ओडिशा से गांजा तस्करी करने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

243 किलोग्राम गांजा बरामद

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद एसओटी बालानगर टीम ने शमीरपेट पुलिस के साथ मिलकर ओडिशा से तेलंगाना के रास्ते महाराष्ट्र में गांजे की तस्करी का भंडाफोड़ किया। पुलिस टीम ने और हरियाणा के चार ड्रग तस्करों को पकड़ा और 243 किलोग्राम गांजा, एक बोलेरो पिकअप वाहन बरामद किया है। आरोपियों के पास से 95,75,000 रुपये के संपत्ति जब्त की। बीते 3 सितंबर को एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने बजरंग, गजेंद्र सिंह, नरेश कुमार चिंगला और कपिल शर्मा को गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 23 वर्षीय बजरंग, स्टेट कार्गो पैकर्स एंड मूवर्स में काम करता है। वह कुडल (वी), लोहारो (तहसील) बिवानी जिला, हरियाणा का निवासी है। वह मिलिट्री डेयरी फॉर्म, बोवेनपल्ली में ड्राइवर-कम-पेडलर के रूप में काम कर रहा था। 26 वर्षीय गजेंद्र सिंह उर्फ गज्जू, सेवन हिल्स पैकर्स एंड मूवर्स एंड मोबाइल रिपेयर शॉप में काम करता है, राजसमंद गांव, उदयपुर जिला, राजस्थान का मूल निवासी है और एसआर नगर कॉलोनी, न्यू बोवेनपल्ली, हैदराबाद में रहता है। नरेश चिंगला उर्फ नरेश, उम्र 40, सेकेंड हैंड वाहन डीलर, कटवार (वी), थोसम (तहसील), मेवात जिला हरियाणा (ओडिशा से गांजा खरीदने के लिए फाइनेंसर), कपिल शर्मा, उम्र 28, इंटरनेट व्यवसायी, गोहाना टाउन, गोहाना जिला, हरियाणा का मूल निवासी, अलवाल में रहता है। अन्य आरोपी राकेश निवासी लातूर, महाराष्ट्र मुख्य रिसीवर और सुभाष निवासी ओडिशा राज्य मुख्य आपूर्तिकर्ता फरार है। बीते 3 सितंबर, को, जब आरोपी शमीरपेट ओआरआर जंक्शन के पास पहुंचे, तो एसओटी साइबराबाद, बालानगर टीम और शमीरपेट पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तारियां एन. कोटि रेड्डी डीसीपी, मेडचल जोन, डी. श्रीनिवास, डीसीपी, एसओटी, साइबराबाद, पी. शोभन कुमार, एडिशनल डीसीपी, एसओटी-II, साइबराबाद, के. रामुलु, एसीपी, पेटबशीराबाद, शिव कुमार, पुलिस निरीक्षक, एसओटी बालानगर टीम और एस. श्रीनाथ, पुलिस निरीक्षक, शमीरपेट पीएस और टीमों के मार्गदर्शन में की गई।

शिक्षक की भूमिका समाज में सर्वोच्च- मंत्री

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन्य व पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि विद्यार्थी को कदम और दिशा दिखाने वाले शिक्षक की भूमिका समाज में सर्वोच्च है। मंत्री सुरेखा ने कल (5 सितंबर) शिक्षक दिवस (सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयंती) के अवसर पर शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। मंत्री ने कहा कि शिक्षा ही हर तरह के जुल्म और बंदिशों से मुक्ति दिलाती है. मंत्री ने कहा कि शिक्षक छात्रों को सर्वश्रेष्ठ नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ऐसी शिक्षा प्रदान करने में लगे सभी शिक्षक प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि एक सक्षम शिक्षक ही उनके जैसे सक्षम शिक्षक तैयार कर सकता है और ऐसे शिक्षक ही देश की दिशा बदलने की ताकत रखते हैं। मंत्री सुरेखा ने याद दिलाया कि कांग्रेस पीपुल्स सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में उच्चतम मानक स्थापित करने के लिए शिक्षा आयोग की स्थापना की थी।

लोगों की सुरक्षा हमारे लिए महत्वपूर्ण है- पोंगुलेटी श्रीनिवास

दशकों से आपदा प्रबंधन की पूरी तरह उपेक्षा

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि बीआरएस नेता संयुक्त खम्मम जिले में भारी बारिश और बाढ़ से जनता का ध्यान हटाने में अपनी विफलता को छिपाने के लिए बारिश को बादल-विस्फोट और विदेशी साजिश बताया था और मूर्खतापूर्ण बयान दिए हैं। अब राजस्व मंत्री ने पूछा कि उन्हें अपनी सरकार की आलोचना करने का नैतिक अधिकार कहां है। बीआरएस पार्टी के नेताओं के लिए आज बाढ़ के बारे में बात करना शर्म की बात है। उस महानुभाव के रिश्तेदार हरीश राव, जिन्होंने उस दिन की प्राकृतिक वर्षा को एक षडयंत्र के रूप में देखा था, ने व्यंग्य करते हुए कहा कि अब जो वर्षा हुई है, उसे भी एक षडयंत्र के रूप में देखा जाता है। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को जारी एक बयान में पूर्व बीआरएस नेता हरीश राव द्वारा मंगलवार को खम्मम जिले में बाढ़ पर की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि "हम अपने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ वैज्ञानिक नुनावत अश्विनी के परिवार से मिले, जिनकी कार बाढ़ में बह गई थी, और कैबिनेट के साथी मंत्रियों ने मुलाकात की और उन्हें आश्वस्त किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बीआरएस के बुजुर्गों को कम से कम मृतकों के परिवारों से मिलने का अवसर नहीं मिला। विपक्ष के नेता केसीआर के पास जेल से निकले बच्चे को आशीर्वाद देने का समय होगा, लेकिन वह बाढ़ पीड़ितों से मिलने के लिए दहलीज पार नहीं करेंगे। दस साल तक शासन करने के अनुभव के चलते हमें लगा था कि विपक्ष के नेता केसीआर कोई सुझाव या सलाह देंगे, लेकिन दुर्भाग्य है कि उन्होंने अपना मुंह तक नहीं खोला। साथ ही उनके बेटे केटीआर अमेरिका में हैं और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं कि उन्हें यहां क्या हो रहा है, इसकी जानकारी नहीं है. वह अमेरिका क्यों नहीं छोड़ रहा? वे हम पर ऐसे हमला कर रहे हैं जैसे कि विपक्षी दल का काम सत्तारूढ़ दल का अपमान करना है। इसके बाद से उन्होंने इस बात पर हमला करना शुरू कर दिया कि क्या मतदान करने वाली उंगली से स्याही की एक बूंद भी हटाई गई है। दस वर्षों में आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह उपेक्षित रहा। क्या आपने प्राकृतिक आपदाओं पर एक भी बैठक आयोजित की है?

क्या आपने इसे मजबूत करने के बारे में सोचा है? यदि इसे मजबूत किया गया होता तो क्या आज यह स्थिति होती? कुछ हद तक ख़तरा कम हो जायेगा। राज्य में, विशेषकर खम्मम जिले में, ऐसा लगा मानो आसमान से पानी बरस पड़ा हो और कम समय में भारी बारिश से अप्रत्याशित क्षति हुई हो. हालाँकि, सरकार द्वारा उठाए गए एहतियाती कदमों, बारिश के बाद लोगों की सुरक्षा करने में दिखाई गई पहल, उन्हें आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करने और प्रदान की गई सहायता के कारण, हम भारी क्षति को कम करने में सक्षम हुए। विशेष रूप से खम्मण ज़िला के संबंध में, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के समन्वित कार्य के कारण हम जनहानि को न्यूनतम करने में सक्षम है।

सीपी ने महेश्वर पुलिस स्टेशन का दौरा किया

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त सुधीर बाबू आईपीएस ने आज राचकोंडा आयुक्तालय में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के हिस्से के रूप में विभिन्न पुलिस स्टेशनों में अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रदर्शन और आम लोगों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की समीक्षा करने के लिए महेश्वरम पुलिस स्टेशन का दौरा किया। इस मौके पर स्टेशन के आसपास का निरीक्षण किया गया।

स्टेशन में रिकॉर्ड की जांच करने के अलावा, उन्होंने रिसेप्शन, पेट्रोलिंग स्टाफ और सीसीटीवी के रखरखाव जैसे विभिन्न विभागों के प्रदर्शन की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि समस्याग्रस्त क्षेत्रों के स्टाफ को हमेशा अलर्ट रखें।

उन्होंने थाने में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी ली। महिलाओं की सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है।

सीपी ने बालापुर गणेश मूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जल्द ही शुरू होने वाले गणेश उत्सव की तैयारियों के अवसर पर, राचकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू ने बालापुर गणेश मूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गणेश प्रतिमाओं की स्थापना और विसर्जन योजना के अनुसार और कहीं भी कोई गलती न हो इसके लिए पुलिस विभाग कड़ी मेहनत कर रहा है और समितियों के आयोजकों को भी इसमें सहयोग करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बालापुर गणेश विसर्जन के रास्ते में सड़कों की पर्याप्त मरम्मत की जा रही है और यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस के साथ मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है कि गणेश शोभा यात्रा के दौरान कोई गड़बड़ी न हो।

निरीक्षण कार्यक्रम में कमिश्नर के साथ डीसीपी महेश्वरम सुनीता रेड्डी, ट्रैफिक डीसीपी श्रीनिवास और मेयर चिगिरिंथा पारिजात नरसिम्हा रेड्डी, नगरसेवक और अन्य अधिकारी शामिल रहे।

दो दिनों में और बारिश की संभावना

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, हैदराबाद में अगले दो दिनों तक लगातार बारिश होने की संभावना है। शहर के मौसम कार्यालय ने पूरे क्षेत्र में मध्यम बारिश का अनुमान जताया है, जो बुधवार तक जारी रहेगी।

बुधवार को सुबह 8.30 बजे तक 24 घंटे की अवधि में शहर में 31.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिसमें सबसे भारी

बारिश रात 12 बजे से 1 बजे के बीच हुई। आईएमडी ने निवासियों को गीली परिस्थितियों के लिए तैयार रहने की सलाह दी है, क्योंकि बारिश जारी रहने की संभावना है।

डीसीपी ने भाग्यनगर उत्सव समिति के साथ समन्वय बैठक की

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी उत्तरी क्षेत्र सुश्री रश्मि पेरुमल ने टिवोली गार्डन में भाग्यनगर उत्सव समिति और पंडाल आयोजकों के साथ समन्वय बैठक की और गणेश पंडाल आयोजकों से बातचीत की और उन्हें गणेश प्रतिमाओं की स्थापना से पहले और बाद में तथा विसर्जन जुलूसों के दौरान बरती जाने वाली सावधानी, सुरक्षा और संरक्षा उपायों के संबंध में संबोधित किया। आयोजकों से फीडबैक लिया गया और उन्हें नोट किया गया तथा उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया गया। आयोजकों से आग्रह किया गया कि वे अपनी सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाएं। बैठक में एडिशनल डीसीपी डॉ. पी अशोक, एसीपी बेगमपेट गोपाल कृष्ण, एसीपी गोपालपुरम सुब्बैया, एसीपी तिरुमलगिरी रमेश, एसीपी महांकाली सरदार सिंह के साथ उत्तरी क्षेत्र के सभी एसएचओ, एसआई लगभग 400 सदस्य/आयोजक शामिल हुए।

एक घंटे में 70 मिमी से अधिक बारिश दर्ज

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में रातभर तेज आंधी के साथ बिजली गिरने से महज एक घंटे के भीतर अभूतपूर्व बारिश हुई। अप्रत्याशित मौसम की घटना मंगलवार देर रात शुरू हुई और बुधवार तड़के तक जारी रही, जिसके कारण कुछ क्षेत्रों में 70 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की गई। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी के अनुसार, सबसे अधिक बारिश कपरा में 72.8 मिमी दर्ज की गई। चेरलापल्ली और उप्पल में कुशाईगुडा पुराने वार्ड कार्यालय में क्रमशः 71.9 मिमी और 54.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। मेडचल-मलकाजगिरी जिले के कपरा, उप्पल और मलकाजगिरी सहित कई इलाकों में तूफान का कहर बरपा। नेरेडमेट में 53.8 मिमी, जबकि सफिलगुडा में 50.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सिकंदराबाद और गजुलारामरम क्षेत्रों में भी भारी बारिश हुई। अचानक आए तूफान ने कई

पूर्व तट रेलवे

(1)निविदा सूचना सं.WAT-TRS-OT-13-2024-25

स्थान सहित कार्य का नाम : इलेक्ट्रिक लोको शेड (ELS)/ विशाखापट्टनम में तीन फेज लोको ओवरहॉल्ड स्पेयर्स की स्टैकिंग के लिए वर्टिकल स्टैकिंग रेक का RCC फाउंडेशन के साथ फैब्रिकेशन एवं इरेक्शन।

निविदा मूल्य (रुपये में): 18,22,264.43, बिड सिक्युरिटी (EMD) (रुपये में): 36,500/-।

(2)निविदा सूचना सं.WAT-TRS-OT-14-2024-25

स्थान सहित कार्य का नाम : इलेक्ट्रिक लोको शेड (ELS)/ विशाखापट्टनम में शेड bay कंप्रेसर पाइपलाइन की मरम्मत एवं विस्तार।

निविदा मूल्य (रुपये में): 15,60,361.20, बिड सिक्युरिटी (EMD) (रुपये में): 31,200/-।

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 महीने (क्रम सं.1 हेतु) एवं 06 महीने (क्रम सं.2 हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 20.09.2024 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता(TRS), विशाखापट्टनम

PR-491/P/24-25

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JASWANT SAI, S/o. Late NAGESH R, resident of, Flat No.G4, D-Block, Sri chakra nilayam Apartments, Allapur Housing Society, Nizampet road, Hyderabad, Telangana 500085, have changed my name from JASWANT SAI to RAVAVARAPU JASWANT SAI vide-Affidavit dt 03/08/2024, before sub-divisional Magistrate, Hyderabad, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that My client's, Namely (1) SRI. S.K. MOTIAR RAHAMAN S/o. S.K. FOZULUR RAHAMAN, Aged about 40 Years, Occ: Business, (2). SMT. RESHMA BEGUM W/o. S.K. MOTIAR RAHAMAN, Aged about 31 Years, Occ: Housewife, Both R/o. H. No. 21-6-311, Ghansi Bazar, Jhula, Near, Charminar Hyderabad T.S. My client's are intending to purchase House bearing Municipal No.21-3-680/1, PTIN No. 1052108637, (Old Portion of House No. 21-3-680), Consisting of Ground, First and Second Floor, situated at Chowdi Suleman Jah, Chelapura, Hyd.-T.S., Admeasuring 71.86 Sq. Yards or Equivalent to 60.08 Sq. Mts, with all its amenities, fixtures, fittings, easements, etc. from Smt. Sudha Sharma D/o. Late Dinesh Kumar Sharma. The Schedule Property herein by entering into Sale Deed.

If anybody having any objection, claim, dispute for the above intended sale transaction, He/She/They may contact the undersigned with the documentary Proof within 10 (Ten) Days from the date of this Publication Failing which my client will proceed to complete the Sale deed with the above Owner and thereafter No Claims/Objections/Disputes will be entertained.

SCHEDULE OF PROPERTY

All that the House bearing Municipal No.21-3-680/1, PTIN No. 1052108637, (Old Portion of House No. 21-3-680), Consisting of Ground, First and Second Floor, situated at Chowdi Suleman Jah,Chelapura, Hyd.-T.S., Admeasuring 71.86 Sq.

Yards or Equivalent to 60.08 Sq. Mts, with all it's amenities, fixtures, fittings, easements, etc. and bounded by:- NORTH: Lane, SOUTH : Neighbour's House No. 21-3-679 & Lane. EAST: HouseNo. 21-3-680. WEST: Lane.

S/d-
AMIT KUMAR SAVADIA

सरकारी पोर्टल की विषय-वस्तु राजनीतिक!

बयानों और भाषा पर कड़ी आपत्ति

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार का आधिकारिक पोर्टल अब राजनीतिक बयानों का मंच बन गया है। पोर्टल पर अपलोड की जा रही सामग्री, खास तौर पर राजनीतिक रूप से लक्षित बयानों और भाषा पर कड़ी आपत्ति जताई जा रही है। आम तौर पर राज्य के आधिकारिक पोर्टल पर सरकार की ओर से केवल आधिकारिक बयान, आदेश और निर्देश ही अपलोड किए जाते हैं। पहले किसी भी राजनीतिक झुकाव वाले या लक्षित बयान को अपलोड करने के मामले सामने नहीं आए थे। हालांकि, राज्य पोर्टल अब अपनी भाषा, खासकर राजनीतिक रूप से नेताओं को निशाना बनाने के लिए आलोचना का सामना कर रहा है।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने खम्मम और सूर्यपेट के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। पोर्टल पर अपलोड की गई आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि विपक्षी नेता विदेश में मौज-मस्ती कर रहे हैं, सरकार की आलोचना करना बंद करें और कलवकुंतला परिवार एक पैसा भी मदद नहीं करेगा। इसकी विषय-वस्तु पर आपत्तियां उठाई जा रही हैं तथा इस संबंध में मुख्य सचिव शांति कुमारी से अपील की जा रही है।

पोर्टल पर अपलोड की गई प्रेस विज्ञप्ति की तस्वीरें साझा करते हुए, उद्यमी नयिनी अनुराग रेड्डी ने एक्स पर कहा कि तेलंगाना के आधिकारिक राज्य पोर्टल में राजनीति और राजनीतिक बयान! तेलंगाना में प्रशासन एक मज़ाक बन गया है। राज्य पोर्टल में इस्तेमाल की गई भाषा और बयानों को देखें, खासकर बाढ़ से संबंधित खबरों के लिए। उन्होंने आगे पूछा कि मुख्य सचिव महोदया, क्या यह नई सामान्य बात है?

जबरन वसूली की तो खैर नहीं

हाइड्रा आयुक्त ने दी कार्रवाई की चेतावनी

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के आयुक्त एवी रंगनाथ ने चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति लोगों को यह धमकी देकर कि एजेंसी में शिकायत दर्ज कराई जाएगी, उनसे जबरन धन वसूलेगा तो उसके खिलाफ जेल की सजा सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सामाजिक कार्यकर्ताओं के वेश में कुछ लोग बिल्डरों से संपर्क कर रहे थे और उन्हें ब्लैकमेल कर रहे थे कि उनकी इमारतें फुल टैंक लेवल या झील क्षेत्रों के बफर जोन में हैं। आयुक्त ने बुधवार को यहां एक बयान में कहा कि वे एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घनिष्ठ संपर्क का दावा कर रहे थे और बिल्डरों को धमकी दे रहे थे कि हाइड्रा में शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

रंगनाथ ने कहा कि यहां तक कि ऊंची इमारतों में रहने वाले घरों से भी लोग संपर्क कर रहे हैं। वे पैसे की मांग कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि वे हाइड्रा को प्रभावित करेंगे और उनकी संपत्तियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। हाइड्रा आयुक्त ने लोगों से ऐसे लोगों पर विश्वास न करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति या राजस्व, नगर निगम प्रशासन, सिंचाई और अन्य विभागों के अधिकारी पैसे मांगते हैं, तो बिल्डर, कंपनियां, परिवार और अन्य लोग पुलिस, एसीबी या हाइड्रा में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

नकली डी-कैल्शियम पैंटोथेनेट के खिलाफ चेतावनी

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) ने बुधवार को 'डी-कैल्शियम पैंटोथेनेट' पर एक नकली दवा चेतावनी जारी की, जिसके बारे में झूठा दावा किया जा रहा है कि इसका निर्माण शेडोंग प्रांत के डोंगयिंग शहर में स्थित चीन स्थित फार्मा कंपनी शिनफा फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा किया गया है। बाजार में प्रचलित डी-कैल्शियम पैंटोथेनेट (बैच संख्या 240326एम07) का निर्माण असामाजिक तत्वों द्वारा किया जा रहा है और इससे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा हो सकता है।

टीएसडीसीए ने बुधवार को एक नोटिस में कहा कि सभी दवा निर्माताओं, डीलरों और वितरकों को नकली दवा का उपयोग, बिक्री और वितरण रोकने तथा ऐसी दवा के बारे में पता चलने पर तुरंत टीएसडीसीए को सूचित करने का निर्देश दिया जाता है। टीएसडीसीए ने कहा कि यह दवा नकली, नकली पाई गई है और वास्तव में इसका निर्माण चीन स्थित शिनफा फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा नहीं किया गया था। उक्त दवा, जो एक सक्रिय फार्मास्युटिकल घटक (एपीआई) है, पर आयातक का नाम और आयात लाइसेंस नंबर नहीं लिखा है, जबकि दोनों को लेबल पर दर्शाया जाना अनिवार्य है।

इसके अलावा, भारत में निर्मित या आयातित प्रत्येक एपीआई या थोक दवा की पैकेजिंग के प्रत्येक स्तर पर लेबल पर एक त्वरित प्रतिक्रिया (क्यूआर) कोड होना चाहिए, जो ट्रैकिंग और ट्रेसिंग की सुविधा के लिए ऐप के माध्यम से पढ़े जाने योग्य डेटा या सूचना संग्रहीत करता है। टीएसडीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने नोटिस में कहा कि नकली दवा, डी-कैल्शियम पैंटोथेनेट आईपी, बीपी, बैच नंबर 240326एम07, जिसे चीन की शिनफा फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्मित होने का झूठा दावा किया गया है, पर लेबल पर क्यूआर कोड नहीं है।

जीएचएमसी ने जारी की एडवाइजरी

जब तक ज़रूरी न हो, बाहर न निकलें

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने भारी बारिश की आशंका के चलते 9 सितंबर तक जनता के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। लोगों को सलाह दी गई है कि वे घर के अंदर ही रहें, खास तौर पर भारी बारिश के दौरान और जब तक ज़रूरी न हो, बाहर न निकलें। जीएचएमसी ने निवासियों को पेड़ों के नीचे शरण लेने से आगाह किया है और उनसे जलभराव वाले इलाकों में जाने से बचने का आग्रह किया है। नगर निगम ने घरों के आसपास उचित जल निकासी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और बच्चों को खुली नालियों या मैनहोल के पास खेलने की अनुमति न देने की चेतावनी दी।

इस अवधि के दौरान किसी भी समस्या से निपटने के लिए जीएचएमसी की आपातकालीन टीमें अलर्ट पर रहेंगी। आपात स्थिति के लिए जनता को 040-21111111 पर जीएचएमसी नियंत्रण कक्ष या 9000113667 पर आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

तेरहवीं

श्री दालवाले नरेश सिंह (एडवोकेट)

(स्वर्गवास : शनिवार, 24 अगस्त 2024)

(सुपुत्र : स्व. डी. श्यामलाल सिंह)

तेरहवीं का कार्यक्रम आज गुरुवार, दि. 5 सितंबर 2024 को होगा।

श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता

श्रीमती शांता देवी (माता), डी. सीमा सिंह (पत्नी), डी. अभिषेक सिंह (MBA), डी. प्रतीक (B.com)(पुत्र) एवं समस्त परिवार।

फर्म सिंह (बी.कॉम) कम्प्यूटर एप्लिकेशन्स

पता : 13-10-410/420, कुत्रू शॉप, ठाकुरवाड़ी, जुमेरात बाजार, हैदराबाद

हरि ॐ

बारहवीं पुण्यतिथि

स्व. श्री केसारामजी वरपा

: सुपुत्र : स्व.श्री आदारामजी वरपा (मरुधर में धनला-मारवाड)

: स्वर्गवास : भादवा सुदी बीज

श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता

: फर्म : सत्यम मार्केटिंग (बालापुर), वी.के.चौधरी ट्रेडर्स (बालापुर), सत्यम हार्डवेयर (मीरपेट), विजयलक्ष्मी सैनेटरी (अफजलगंज)

9000215352, 9849515025, 9849451499, 9959053089

ज्ञान ही नहीं देते, मार्गदर्शक भी होते हैं शिक्षक

सुरेश गांधी

भारत को विश्व के ज्ञान केंद्र में बदलने में शिक्षकों की भूमिका बढ़ गई है। शिक्षक केवल परीक्षाओं को पास करने के लिए ज्ञान नहीं देते, बल्कि वह विद्यार्थियों के मार्गदर्शक भी होते हैं जो अपने छात्र को सही रास्ता दिखाते हैं। हर किसी के जीवन में शिक्षक की एक खास जगह होती है। कोई एक शिक्षक जीवन में जरूर आता है, जो आपकी जिंदगी को एक नई दिशा देता है। गुरु यानी अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाला। बच्चे को नैतिकता, ईमानदारी, दया और नम्रता के रास्ते पर स्थापित करने की जिम्मेदारी शिक्षकों को दी जाती है, क्योंकि उनके जैसा कोई और बच्चों को प्रभावित नहीं कर सकता। अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाने वाले गुरु को भगवान का दर्जा दिया जाता है। हमारे जीवन में गुरु का बड़ा महत्व है। भारत में हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह देश के पहले उपराष्ट्रपति और पूर्व राष्ट्रपति, विद्वान, दार्शनिक और भारत रत्न से सम्मानित डॉ। सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के उपलमें मनाया जाता है, जिनका जन्म 05 सितंबर 1888 को हुआ था। शिक्षक दिवस पर देश में शिक्षकों के अद्वितीय योगदान को प्रोत्साहित और उन सभी शिक्षकों को सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने अपनी प्रतिबद्धता और समर्पण के माध्यम से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध बनाया है।दरअसल, ।डॉ। एस राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर, 1888 को हुआ था। सन 1962 में जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारत के दूसरे राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला, तो उनके छात्र 5 सितंबर को एक विशेष दिन के रूप में मनाने की अनुमति मांगने के लिए उनके पास पहुंचे। इसके बजाय, उन्होंने समाज में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को स्वीकार करने के लिए 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का अनुरोध किया। डॉ. राधाकृष्णन ने एक बार कहा था कि "शिक्षकों को देश में सर्वश्रेष्ठ दिमाग वाला होना चाहिए।" 1954 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। भारत में शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण संख्या को "योग्य लेकिन ज़रूरी नहीं कि उत्पादक या प्रभावी" के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। इस घटना को हमारे देश में शिक्षकों के साथ व्यवहार और सम्मान सहित विभिन्न कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। वैसे भी भारत एक ऐसा देश जो अपने शिक्षकों को महत्व देता है, वह अच्छे, सक्षम शिक्षकों को आकर्षित करने और बनाए रखने में सक्षम है क्योंकि व्यक्ति ऐसे पेशे को चुनने के लिए इच्छुक होते हैं जो उनके समाज में सम्मान और मान्यता प्राप्त करता है। सच्ची शिक्षा में छात्रों को डिग्री और डिप्लोमा जैसी योग्यता प्राप्त करने में सक्षम बनाना ही शामिल नहीं है। इसमें ज्ञान प्राप्त करना, करियर के लिए आवश्यक कौशल को निखारना, अपनी सोच को आकार देना, वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करना, सही दृष्टिकोण विकसित करना और ऐसे गुणों का पोषण करना शामिल है जो हमें बेहतर इंसान बनाते हैं। इसके अलावा, इसमें निरंतर परिवर्तन के अनुकूल होने और समाज की बेहतरी में योगदान देने की तैयारी करना शामिल है। सच्ची शिक्षा व्यक्तियों को जीवन का अन्वेषण करने, अपने जीवन स्तर को बढ़ाने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक लचीलेपन से लैस करने के अवसर प्रदान करके समग्र विकास को बढ़ावा देती है। यह उन्हें अपने रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच कौशल को तेज करने और उन्हें आवश्यकतानुसार लागू करने और उन्हें स्वतंत्र विचारक बनने में सक्षम बनाने के लिए सशक्त बनाना चाहिए, जो प्रचलित मानदंडों और परंपराओं पर सवाल उठाने का साहस रखते हैं। दुर्भाग्य से, बौद्धिक साहस, जो इस विकास के लिए आवश्यक है, आज कई लोगों में अक्सर कमी है। यहां तक कि शिक्षक भी अक्सर बौद्धिक साहस और ईमानदारी के महत्व को संबोधित करने में संकोच करते हैं। मतलब साफ है हमें ऐसे शिक्षकों की आवश्यकता है जो न केवल अकादमिक रूप से कुशल हों बल्कि बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक साहस भी प्रदर्शित करें। ऐसे शिक्षक शिक्षा जगत और समाज दोनों को प्रभावित करने वाले विभिन्न मामलों पर सवाल उठाते हैं और अपनी राय व्यक्त करते हैं। उनके पास इतनी खुली सोच होती है कि वे लगातार नए ज्ञान को अपनाते हैं, नवीन सोच को बढ़ावा देते हैं और पूर्वाग्रहों और गहरे सिद्धांतों को चुनौती देते हैं। वे रचनात्मक और सृजनात्मक तरीके से अपनी भावनाओं को भी प्रभावी ढंग से प्रबंधित करते हैं। इसके अतिरिक्त, वे अपने विश्वासों के लिए खड़े होते हैं और सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप होने के दबाव का विरोध करते हैं। इसके अलावा, नैतिक साहस वाले शिक्षक लगातार नैतिक रूप से ईमानदार रास्ता चुनते हैं, सच्चाई का समर्थन करते हैं और विपरीत परिस्थितियों में भी अन्याय के खिलाफ बोलते हैं। यह अलग बात है कि देश के भविष्य निर्माता कहे जाने वाले शिक्षक का समाज ने भी सम्मान करना बंद कर दिया है। उन्हें समाज में दोयम दर्जे का स्थान दिया जाता है।

आप गौर करें, तो पायेंगे कि टॉपर बच्चे पढ़ लिख कर डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासनिक अधिकारी तो बनना चाहते हैं, लेकिन कोई भी शिक्षक नहीं बनना चाहता है। कबीर दास जी कहते हैं- गुरु गोविंद दोउ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने जिन गोविंद दियो बताय। हमारे ग्रंथों में एकलव्य के गुरु द्रोणाचार्य को अपना मानस गुरु मान कर उनकी प्रतिमा को सामने रख धनुर्विद्या सीखने का उल्लेख मिलता है। गुरु को इस श्लोक में परम ब्रह्म भी बताया गया है- गुरु ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः, गुरुः साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः। यह सच्चाई भी है कि इस दुनिया में हमारा अवतरण माता-पिता के माध्यम से होता है, लेकिन समाज में रहने योग्य हमें शिक्षक ही बनाते हैं। शिक्षकों से अपेक्षा होती है कि वे विद्यार्थी को शिक्षित करने के साथ-साथ, सही रास्ते पर चलने के लिए उनका मार्गदर्शन भी करें। मौजूदा दौर में शिक्षकों का काम आसान नहीं रहा है। बच्चे, शिक्षक और अभिभावक शिक्षा की तीन महत्वपूर्ण कड़ियां हैं। इनमें से एक भी कड़ी के ढीला पड़ने पर पूरी व्यवस्था गड़बड़ा जाती है। शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की सर्वाधिक महत्वपूर्ण कड़ी है। शिक्षा के बाजारीकरण के इस दौर में न तो शिक्षक पहले जैसा रहा और न ही छात्रों से उसका पहले जैसा रिश्ता रहा। पहले शिक्षक के प्रति न केवल विद्यार्थी, बल्कि समाज का भी आदर और कृतज्ञता का भाव रहता था। अब तो ऐसे आरोप लगते हैं कि शिक्षक अपना काम ठीक तरह से नहीं करते हैं।इसमें आंशिक सच्चाई भी है कि बड़ी संख्या में शिक्षकों ने दिल से काम करना छोड़ दिया है। किसी भी देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति उस देश की शिक्षा पर निर्भर करती है। राज्यों के संदर्भ में भी यह बात लागू होती है। शिक्षा की वजह से ही हिंदी पट्टी के राज्यों के मुकाबले दक्षिण के राज्य हमसे आगे हैं।

हम सब यह बात बखूबी जानते हैं, लेकिन बावजूद इसके पिछले 76 वर्षों में हमने अपनी अपनी शिक्षा व्यवस्था की घोर अनदेखी की है। शिक्षा और रोजगार का चोली-दामन का साथ है। यही वजह है कि बिहार और झारखंड में माता-पिता बच्चों की शिक्षा को लेकर बेहद जागरूक रहते हैं। उनमें एक ललक है कि उनका बच्चा अच्छी शिक्षा पाए, ताकि उसे रोजगार मिल सके। यहां तक कि वे बच्चों की शिक्षा के लिए अपनी पूरी जमा पूंजी लगा देने को तैयार रहते हैं। बिहार और झारखंड में श्रेष्ठ स्कूलों का अभाव तो नहीं है, लेकिन इनकी संख्या बेहद कम है। किसी वक्त हर जिले के जिला स्कूल में प्रवेश के लिए मारामारी रहती थी और ये माध्यमिक शिक्षा के श्रेष्ठ केंद्र हुआ करते थे। अब इन्होंने अपनी चमक खो दी है। इनके स्तर में भारी गिरावट आयी है।

जातीय जनगणना की राजनीति

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस तरह से जातीय जनगणना पर संयमित और संतुलित बयान दिया है, उसका राजनीतिक पर असर पडना स्वाभाविक है। संघ ने स्पष्ट किया है कि समाज के कल्याण के लिए सरकार को आंकडों की ज़रूरत होती है और जातीय जनगणना ही इसका ज़रिया है। साथ ही संघ ने यह भी कहा है कि इसका चुनाव प्रचार में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसका सीधा-सा मतलब निकाला जा रहा है कि संघ की लीडरशिप, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जातीय जनगणना की माँग से सहमत तो है, लेकिन उनके तरीक़े से नहीं। बीते कुछ चुनावों में राहुल गांधी ने जातीय जनगणना का मुद्दा लगातार उठाया है। इसके ज़रिए कांग्रेस जातियों, ख़ासकर अनुसूचित जाति- जनजाति और पिछड़ा वर्ग में सम्मिलित जातियों को अपनी तरफ़ खींचना चाहती है! आरक्षित वर्ग के एकतरफ़ा वोट वे कांग्रेस की तरफ़ करने की फ़िराक़ में हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में अपने मकसद में वे काफी हद तक कामयाब भी रहे। ऐसे में सवाल है कि क्या इस तरह की जनगणना के बाद जो जितने संख्यावान में होगा, उसे उतना हक़ दिया जा सकेगा? जनगणना के बाद पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या पचास प्रतिशत से भी ज्यादा निकल आती है तो क्या उसे उतना आरक्षण या उतनी मात्रा में हक़ दिया जाना संभव हो सकेगा? फ़िलहाल तो कुछ राज्यों को छोड़ दिया जाए तो पचास प्रतिशत से ऊपर आरक्षण होते ही सुप्रीम कोर्ट या अन्य अदालतें द्वारा संज्ञान लिया जाने लगता है। अगर यह संख्या के हिसाब से सहूलियत देने का ही मंतव्य है तो उसका प्रैक्टिकल रूप से पहले खाका तैयार किया जाना चाहिए। संभावना देखने के बाद ही उसका उपयोग किया जाना चाहिए वर्ना जातियों और समूहों को जोड़ने और फिर उन्हें तोड़ने का प्रयोग आज़ादी के पहले भी खूब किया गया, जिसका हश्र आख़िरकार आज भी हम देख रहे हैं। आज़ादी के पहले तक सांप्रदायिक तौर पर निर्वाचक मंडल और प्रतिनिधित्व तय करने से अंग्रेजों का पेट नहीं भरा तो उन्होंने जातिवाद और ऊँच- नीच की भावना को खूब भड़काया। साम्राज्य की ख़ातिर पहले उन्होंने अलग- अलग, असमान लोगों को ठोक- पीटकर एक किया और बाद में वे उन्हीं को टुकड़ों में बाँटने में लग गए। उनका ध्येय था कि केवल अंश, केवल टुकड़े ही वास्तविक है। समग्र, संपूर्ण तो महज़ गढ़ी हुई कल्पना भर है। टुकड़ों को उन्होंने आश्रय और सहारा दिया। टुकड़े यानी जातियाँ, छोटे- छोटे समूह और जो उनके गणित से मिशनरियों के लिए सर्वाधिक सुलभ थे- भोले आदिवासी और अछूत। तर्क यह दिया गया कि वे उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों की ताक़त के रूप में पहचान देना चाहते हैं! उनका उस रूप में उत्थान करना चाहते हैं। लेकिन उन्हें मिला क्या आज साफ दिखाई दे रहा है। राहुल गांधी की जातीय जनगणना की माँग संभव है कि कुछ लोगों को अजीब लगे लेकिन संघ ने जैसा कहा है कि इसका चुनाव प्रचार के लिए उपयोग नहीं होना चाहिए, एक तरह से सही भी है। संघ ने अपना मंतव्य ज़ाहिर कर आख़िरकार भाजपा को ही समर्थन दे रहा है। संभव है कि भाजपा भी जातीय जनगणना के लिए सहमत हो या सहमत होना चाहती हो लेकिन वह अपनी इस सहमति का फ़ायदा कांग्रेस को उठाने देना नहीं चाहती। कुल मिलाकर जातीय जनगणना का लम्बे समय से चले आ रहे विवाद पर आरएसएस ने एक तरह से पानी के छींटे मारे हैं। ये छींटे विवाद को ठण्डा करेंगे या गरम तवे पर मारे हुए छींटों की तरह आँच को और भड़काएँगे, यह तो समय बताएगा। लेकिन इस समय भाजपा सहित विभिन्न दलों की इस पर जो प्रतिक्रिया आने वाली है, इस पर भी बहुत कुछ निर्भर होगा कि भविष्य की राजनीति कैसी होगी?

हरियाणा में आप पार्टी व कांग्रेस में गठबंधन की तैयारी

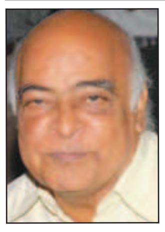

दिल्ली चुनाव के बाद हरियाणा में ये भी लगभग साफ हो गया था कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी विधानसभा का चुनाव अलग-अलग लड़ेंगी। हरियाणा कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में गठबंधन नेशनल लेवल पर था लेकिन विधानसभा चुनाव में कोई गठबंधन नहीं होगा। हरियाणा में कांग्रेस और आप ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। राज्य की 10 लोकसभा सीटों में से 5 पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की जबकि 5 सीटें भाजपा के खाते में गईं। इससे पहले आप ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ किसी भी गठबंधन से इनकार करते हुए कहा था कि यह शुरू से ही स्पष्ट था कि गठबंधन की मौजूदा व्यवस्था केवल लोकसभा चुनाव के लिए थी। गौरतलब है कि लोकसभा चुनावों में आप और कांग्रेस ने दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में सीट बंटवारे की व्यवस्था की जबकि वे असम और पंजाब में एक-दूसरे के खिलाफ लड़े। गोपाल राय ने कहा कि हमने बेहद विपरीत परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव लड़ा। हमारे शीर्ष नेता जेल में हैं। सभी सीटों पर जीत का अंतर कम हो गया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप कार्यकर्ताओं में निराशा थी लेकिन पार्टी कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट रही और तानाशाही के खिलाफ अच्छी लड़ा। दिल्ली के नतीजों पर उन्होंने कहा कि आप-कांग्रेस गठबंधन का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि भाजपा उम्मीदवारों की जीत का अंतर कम हो गया। अब जब हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी अपनी तैयारी में जुटे हुए हैं। इन सबके बीच आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच हरियाणा में गठबंधन को लेकर वापस चर्चाएं तेज हो गई है। वहीं दावा किया जा रहा है कि गठबंधन को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और कांग्रेस महासचिव के केसी वेणुगोपाल के बीच मुलाकात हो रही है। वही, आम आदमी पार्टी 20 सीटों से कम पर करने को तैयार नहीं है। सूत्रों का कहना है कि आम आदमी पार्टी 90 में से 20 सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा ठोक सकती रही है। वैसे सिरसा हरियाणा से निकलने वाले अख़बार 'पल पल' के संपादक सुरेन्द्र भाटिया के अनुसार आप पार्टी की सीटों की संख्या 5 से 7 सीटों की व 2 सीट सपा व 1 सीट सीपीआई की हो सकती है । फिलहाल वैसे आप पूरे के पूरे 90 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी में थी । जब आप हरियाणा अध्यक्ष सुशील गुप्ता से हरियाणा में कांग्रेस के साथ गठबंधन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ये फैसला आलाकमान लेगा। उन्होंने कहा कि गठबंधन हाईकमान का मामला है, अगर हाईकमान कहेगा तो मैं अपनी बात उनके सामने रखूंगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेरा स्पष्ट मानना है कि आम आदमी पार्टी को 4-5 सीटों (गठबंधन में) पर सहमत नहीं होना चाहिए। हमारा फोकस सभी 90 सीटों पर है। लेकिन एक अनुशासित सिपाही होने के नाते हमारा राष्ट्रीय नेतृत्व जो फैसला लेगा, हम उसे स्वीकार करेंगे। बताया जाता है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच गठबंधन के इच्छुक हैं। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी ने पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक के दौरान आप के साथ गठबंधन की संभावना पर हरियाणा कांग्रेस के नेताओं की राय मांगी। आपको बता दें कि कांग्रेस और आप ने हरियाणा, गुजरात, गोवा, दिल्ली और चंडीगढ़ में मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा था हालांकि दिल्ली और हरियाणा में आप ने अपने दम पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। हालांकि, राहुल गांधी के सुझाव का आप ने स्वागत किया है। आप सांसद संजय सिंह ने इसको लेकर कहा कि हम इसका स्वागत करते हैं। हमारी प्राथमिकता बीजेपी को हराना है। उन्होंने कहा कि हमारे हरियाणा प्रभारी संदीप पाठक और सुशील गुप्ता इस पर चर्चा करेंगे और अंतिम निर्णय लेंगे और इसके बारे में अरविंद केजरीवाल को सूचित करेंगे और उसके अनुसार निर्णय लिया जाएगा। पिछले महीने, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा ने हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए आप के साथ गठबंधन की संभावना से इनकार कर दिया था और कहा था कि उनकी पार्टी राज्य में एक मजबूत खिलाड़ी है, और अकेले चुनाव लड़ेगी। बताया जाता है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी हरियाणा में आम चुनाव की तर्ज पर विधानसभा चुनाव में भी आम आदमी पार्टी से गठबंधन करना चाहते हैं। राहुल गांधी ने हरियाणा चुनाव के लिए उम्मीदवार तय करने के लिए हुई केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में राज्य के नेताओं से गठबंधन को लेकर फीडबैक मांगा है । उन्होंने एक वरिष्ठ नेता को गठबंधन की संभावनाएं टटोलने की जिम्मेदारी सौंपी है। आम आदमी पार्टी पहले ही सूबे की सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी कहते आए हैं कि हम अकेले ही लड़ेंगे और जीतेंगे। हरियाणा में जीत को लेकर कांग्रेस कॉन्फिडेंट है। फिर भी राहुल गांधी आम आदमी पार्टी से गठबंधन क्यों चाहते हैं? राहुल गांधी का फोकस राज्य से अधिक राष्ट्रीय राजनीति है। हरियाणा में जीत के विश्वास के बावजूद अगर वह आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन चाहते हैं तो उनकी रणनीति लोकसभा चुनाव में तमाम विरोधाभास और अगर-मगर के बीच खड़े हुए इंडिया ब्लॉक के दलों की एकजुटता बनाए रखने, सहयोगी दलों में कांग्रेस को लेकर विश्वास बढ़ाने की भी है। मध्य प्रदेश चुनाव में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ अंतिम समय तक बातचीत के बावजूद गठबंधन नहीं किया था। तब पार्टी पर आरोप लगे थे कि वह उन राज्यों में छोटी पार्टियों को दरकिनार कर देती है जहां वो मेन प्लेयर है। कांग्रेस अब इस टैग से बाहर निकलना चाहती है। राहुल गांधी की इस मंशा के पीछे फ्यूचर पॉलिटिक्स है और इसीलिए वह हरियाणा से देश के बाकी राज्यों, इंडिया ब्लॉक के सहयोगी दलों को एक संदेश देना चाहते हैं। 0दरअसल हरियाणा के जरिये राहुल गांधी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और गुजरात की पिच सेट करना चाहते हैं। दिल्ली में पिछले दो विधानसभा चुनाव से कांग्रेस पार्टी खाता तक नहीं खोल पाई है। वहीं, पिछले गुजरात चुनाव में भी कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत खराब रहा था। 2017 के चुनाव में 42 ।2 फीसदी वोट शेयर के साथ 77 सीटें जीतने वाली कांग्रेस 2022 में 27 ।28 फीसदी वोट के साथ महज 17 सीटें ही जीत सकी थी जो प्रदेश में पार्टी का सबसे खराब प्रदर्शन भी है। इसी चुनाव में आम आदमी पार्टी करीब 13 फीसदी वोट शेयर के साथ 35 सीटों पर दूसरे नंबर पर रही थी। राहुल गांधी संसद में भी यह दावा करते आए हैं कि इस बार कांग्रेस पार्टी गुजरात में बीजेपी को हराने जा रही है। हरियाणा चुनाव में गठबंधन की मंशा को उनकी दिल्ली-गुजरात रणनीति से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

शिक्षा के अनवरत स्रोत राष्ट्र निर्माण के शिल्पी शिक्षक

संजीव ठाकुर

वैसे तो हर बालक के प्रथम शिक्षिका माता ही होती है पर जीवन के संसार में प्रवेश के बाद शालाओं, पाठशालाओं और विश्वविद्यालय के शिक्षकों की भूमिका उसके संपूर्ण जीवन में बालकों,छात्रों के लिए दिग्दर्शक और श्रेष्ठ नागरिक निर्मित करने की होती है1 डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि शिक्षक वह नहीं है जो विद्यार्थी के दिमाग में तथ्यों को बोझ बनाएं बल्कि वास्तविक शिक्षक वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करें₹ द फिलॉसफी ऑफ ऑफ उपनिषद, ईस्ट वेस्ट सम रिफ्लेक्शंस, इंडियन फिलासफी, हिंदी व्यू ऑफ लाइफ जैसी गूढ किताबों की रचना करने वाले 40 वर्ष तक शिक्षक का कार्य सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितंबर को पूरे भारत में शिक्षक दिवस के रूप में हम बड़े आदर श्रद्धा पूर्वक मनाते हैं1 पर वर्तमान में शिक्षा के निजीकरण के बाद शिक्षा एक व्यवसाय का रूप लेती नजर आ रही है, इसलिए शिक्षकों को व्यवहार में भी काफी परिवर्तन देखा गया है और यही कारण है कि शिक्षकों के सम्मान एवं आधार में कुछ वर्षों से काफी कमी आई है ।शिक्षकों के सम्मान में आई इस कमी के लिए केवल छात्र, वर्तमान का भौतिक युग और अभिभावक ही दोषी नहीं है बल्कि शिक्षक भी इस में समान रूप से कहीं न कहीं दोषी पाए गए हैं। शिक्षक दिवस मनाने के उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों शिक्षकों के महत्व को बताते हुए उन्हें सम्मान देने के लिए प्रेरित करना है बल्कि शिक्षकों को उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्व का आभास भी करवाने के लिए शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा है विद्यार्थियों में आनंद का भाव और ज्ञान के आनंद को पैदा करना शिक्षकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण और कार्य है1 वैसे तो यह सर्वविदित है कि शिक्षक महोदय का कार्य अध्यापन करना होता है किंतु अध्यापन के उद्देश्य की पूर्ति तब ही हो सकती है जब इसके अतिरिक्त विद्यालय महाविद्यालय की अनुशासन व्यवस्था में सहयोग करके शिष्टाचार का पालन अपने सहकर्मियों के साथ सकारात्मक व्यवहार एवं पाठ्यक्रम के अन्य क्रियाकलापों में भी अपनी सहभागिता एवं सहयोग रखना भी होता है1 शिक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह एक आदर्श रूप सदैव धारण किए रहे और अनुशासन ,समय की प्रतिबद्धता एवं जितने भी कार्य का दायित्व उसे सौंपा जाए वह उसे 100% निष्ठा और कर्तव्य परायणता के साथ संपादित करें ।आज हम यह भूल जाते हैं कि शिक्षक भी एक इंसान ही होता है और वह हर कार्य में संपूर्ण रुप से खरा नहीं उतर सकता फिर ऐसे में किसी व्यक्ति से संपूर्ण रुप से आदर्श व्यक्ति होने की अपेक्षा रखना बेमानी होता है। राष्ट्र निर्माण में जिन शिक्षकों की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण होती है और नवोदित बालकों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक एवं राजनेता बनाते तक शिक्षक इन्का दिग्दर्शन करते हैं को केवल एक दिन सम्मान देकर भूल जाना कतई उचित नहीं है. वैसे शिक्षक दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5 अक्टूबर को मनाया जाता है और इसकी शुरुआत 1994 में यूनेस्को में की गई थी अमेरिका ,चीन ,इजराइल एवं अन्य यूरोपीय देशों में शिक्षक दिवस अलग-अलग दिवसों में मनाया जाता है1 शिक्षक और शिक्षा एवं ज्ञान का बुनियादी स्वरूप किसी भी राष्ट्र की शक्ति एवं विकास का आधार स्तंभ होते हैं1 किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए शिक्षा और शिक्षकों के महत्व को आत्मसात करते हुए शिक्षा के कार्य को सभी कार्यों से श्रेष्ठ समझ कर उसे सर्व कालीन सम्मान दिया जाना चाहिए ,जबकि विकासशील देशों में भारत सहित शिक्षकों को वह स्थान नहीं दिया जा रहा है जिसके वह मूल हकदार हैं उन्हें उचित वेतनमान एवं आर्थिक सहायता भी उच्च स्तर की प्राप्त होनी चाहिए जिससे वह अपना शत-प्रतिशत छात्रों को समर्पित कर सकें1 यूरोपीय देशों में शिक्षकों के महत्व को दर्शाते हुए वहां उनका वेतन डॉक्टर, इंजीनियर, एवं अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों से अधिक प्रदान किया जाता है जिससे शिक्षक अपने परिवार और आने वाली पीढ़ी के लिए समुचित आर्थिक व्यवस्था कर सके. पर भारतीय परिपेक्ष में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षकों को न्यूनतम वेतन में संविदा नियुक्ति पर रख उनका अवमूल्यन कर दिया गया है। उनको सम्मानीय शिक्षक का पद ना बोलते हुए शिक्षा कर्मी का पद दे दिया गया है जो कि न सिर्फ शिक्षक की गरिमा के विरुद्ध है बल्कि उनके सम्मान को भी ठेस पहुंचाती है1 शिक्षकों के लिए 5 सितंबर का दिवस मना कर हम इतिश्री कर लेते हैं जबकि एक आदर्श शिक्षक से उम्मीद करते हैं कि वह वह प्रशासनिक तौर पर कक्षा में आशावादी दृष्टिकोण रखने वाला एक विद्वान व्यक्ति हो, मनोविज्ञान का ज्ञान भी उसे सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप विनोदी स्वभाव के साथ हो, दूरदर्शिता एवं मिलनसार सद्गुण उसके गुणों में समाहित होना चाहिए 1

मदरसे में छाप रहे थे नकली करेंसी महाकुंभ में गड़बड़ी की तैयारी थी?

मनोज कुमार अग्रवाल

यूपी के प्रयागराज जिले के एक मदरसा में बच्चों की पढ़ाई की आड़ में जाली करेंसी छापने का धंधा चलाया जा रहा था। पुलिस ने एक मदरसे पर छापा मारकर नोट छापने की मशीन और नकली नोट जब्त किये हैं। नोट छापने का धंधा मदरसे के मौलवी के संरक्षण में चल रहा था,जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

बिना मान्यता के चल रहे इस मदरसे में प्रतिदिन 20 हजार रुपये की नकली नोट की छपाई होती थी। इसके लिए अच्छी क्वालिटी का कागज, स्याही इस्तेमाल की जाती थी।प्रिंटेड नोट को पटरी की मदद से कटर ब्लेड के जरिए बड़े सलीके से काटा जाता था। इसके बाद असली नोट में इस्तेमाल होने वाले मैटेलिक धागे की तरह नकली नोट पर हरे रंग का चमकीला टेप लगाते थे, ताकि देखने वालों की आंखें धोखा खा जाएं। नकली नोट छापने वाले यह जानते थे कि पांच सौ रुपये की नोट को लेने से पहले लोग कई बार नोट उलट-पलट कर देखते हैं, लिहाजा सिर्फ 100-100 रुपये की नोट ही छापे जाते था। पुलिस का कहना है कि गिरोह का सरगना जाहिर खान और मो. अफजल दिन में नोटों की छपाई करते थे। वह हाई क्वालिटी के स्कैनर से 100 रुपये की नोट को स्कैन करते थे और फिर उसी सीरीज के नोट का प्रिंट निकालते थे।पुलिस का दावा है कि आरोपित पिछले तीन महीने से फैक्ट्री संचालित कर रहे थे। रोजाना 20 हजार रुपये की नकली नोट के हिसाब से 18 लाख की जाली मुद्रा बाजार में पहुंच चुकी है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान हुआ है।इस मामले की जांच में जुटी टीम ने एक और खुलासा किया है। यहां का प्रिंसिपल मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन बच्चों को नफरत का जहर पढाता था।इस मदरसे में उन्हें पढ़ाया जा रहा था कि आर एस एस देश का सबसे बड़ा आतंकी संगठन है। जाली करेंसी मामले की जांच के लिए आइबी की टीम 28 अगस्त को मदरसा पहुंची। मौलवी के कमरे की जांच में कई आपत्तिजनक किताबें और तस्वीरें बरामद कीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े कुछ डॉक्युमेंट और किताबें भी मिली हैं। जिसमें ब्रेनवाश के मामले का खुलासा हुआ।खुफिया एजेंसियों ने इसे लेकर जांच तेज कर दी है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन किताबें मिलने की बात मानी है। उनका कहना है कि मामले की जांच आइबी कर रही है। मदरसा अतरसुइया थाने से महज एक किलोमीटर दूर है।

जानकारी के अनुसार जांच टीम को मदरसे से जो किताबें मिली हैं, उनमें एक किताब का नाम है- संघ देश का सबसे बड़ा आतंकवादी संगठन। इसके लेखक एस एम मुशर्रफ, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (महाराष्ट्र) हैं। मूल किताब उर्दू भाषा में लिखी गई है। इसके हिंदी और मराठी अनुवाद वाली भी किताबें हैं।यह किताब मदरसे के कार्यवाहक प्रिंसिपल मौलवी तफसीरुल आरीफीन के कमरे से मिली है। मौलवी के कमरे से कई स्पीड पोस्ट की पर्चियां मिली हैं।

स्वतंत्र कुमार की चुप्पी

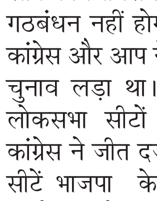

सुरेश मिश्रा

गाँव का नाम आज़ादीपुर था। नहीं, आप गलत मत समझिएगा, यह नाम अंग्रेजों से लड़ते हुए नहीं रखा गया था। यह नाम इसलिए रखा गया था ताकि लोगों को आजादी की ख्वाहिश न रहे, क्योंकि नाम में ही आजादी मिल गई थी। अब हमारे नायक को ही देखिए, उसका नाम भी स्वतंत्र था। लेकिन वह इतना स्वतंत्र था कि हर सुबह उठते ही खुद को दो थप्पड़ मारता, ताकि उसे याद रहे कि वह खुद के अलावा किसी और से स्वतंत्र नहीं है। गाँव में एक रिवाज था—हर सुबह पंचायत में जाकर कुछ नहीं बोलने का। और अगर कोई बोलने की हिम्मत करता, तो उसे ₹स्वतंत्रता पुरस्कार₹ मिल जाता—एक दिन की जेल, जिसमें वह पूरे दिन अपने ही विचारों में डूबा रहता। इससे बड़ी सजा क्या हो सकती थी? स्वतंत्र का घर भी स्वतंत्र था। वहां कोई दरवाजा नहीं था, ताकि हवा खुद तय कर सके कि कब आनी है और कब नहीं। पर उसके घर में चूल्हा जरूर था, जो बिना लकड़ी के जलता था, ताकि धुआं न निकले और सरकार को जलाने का कारण न मिल जाए। एक दिन स्वतंत्र ने सोचा, क्यों न मैं भी कुछ कह दूँ? पर फिर उसे याद आया कि गाँव में सबसे बड़े कहने वाले का क्या हाल हुआ था। उसे इतना कहने का शौक था कि उसने चुप रहना सीख लिया था। जब वह बोलता था, तो लोग तालियाँ बजाते थे, क्योंकि वह बोलने के बजाय चुप रहता था। गाँव में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता था, पर इसका मतलब यह था कि सब लोग एक दिन चुप रहते थे, ताकि पता चल सके कि वे कितने स्वतंत्र हैं। यह दिन तानाशाही के लिए भी खास होता था, क्योंकि उस दिन उसे किसी को चुप कराने की जरूरत नहीं पड़ती थी। सब लोग अपने-आप चुप हो जाते थे।

स्वतंत्र का सबसे बड़ा सपना था—आसमान में उड़ना। पर जब वह छत पर चढ़ा, तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसे बताया गया कि आजादी से उड़ा जा सकता है, पर जमीन पर ही। इसलिए उसे दो दिन के लिए स्वतंत्रता से छुट्टी दे दी गई। स्वतंत्रता का मतलब यह था कि आप जो चाहे सोच सकते हैं, पर उसकी आवाज आपके गले से बाहर न निकले। अगर गलती से भी कोई विचार गले से निकल गया, तो वह देशद्रोह हो जाता था। गाँव के लोगों ने मिलकर एक योजना बनाई। उन्होंने तय किया कि अब से वे कोई योजना नहीं बनाएंगे। योजना बनाना भी तो एक विचार है, और विचारों का क्या होता है, यह सब जानते थे।

हरतालिका तीज पर लक्ष्मी प्राप्ति के छह उपाय

हरतालिका तीज अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए रखा जाता है। हरतालिका तीज पर सुहागिन महिलाएं पति की लम्बी उम्र के लिए शिव-पार्वती से प्रार्थना करती हैं। हरतालिका तीज केवल पति-पत्नी के अखंड सौभाग्य का प्रतीक ही नहीं है बल्कि धन प्राप्ति के लिए भी हरतालिका तीज का विशेष महत्व है। हरतालिका तीज इस साल 6 सितम्बर को है। हरतालिका तीज पर कुछ विशेष उपाय करने से धन की प्राप्ति होती है। आइए, जानते हैं हरतालिका तीज के धन प्राप्ति के उपाय।

देवी लक्ष्मी के सामने जलाएं 11 देसी घी के दीए

हरतालिका तीज पर शिव-पार्वती की पूजा करने के साथ देवी लक्ष्मी की पूजा भी की जाती है। देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए हरतालिका तीज की शाम देवी लक्ष्मी के सामने 11 देसी घी के दीए जलाएं। इसके बाद लक्ष्मी चालीसा का पाठ करके इन सभी दीयों को मुख्य दरवाजे के आसपास रख दें।

कपूर जलाकर पूरे घर में दिखाएं इसकी रोशनी

देवी लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए आपको कपूर जलाकर पूरे घर में इसकी रोशनी दिखानी है। इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और देवी लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहती है। कपूर की सुंगध भी घर में सकारात्मकता लाती है, इसलिए शाम के समय आपको घर में कपूर जरूर जलाना चाहिए।

भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी दूध से अभिषेक करें

भगवान विष्णु के बिना लक्ष्मी अधूरी मानी जाती हैं। ऐसे में आपको अपना भाग्य मजबूत बनाने के लिए भगवान विष्णु के स्तुति भी करनी चाहिए। हरतालिका तीज पर भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी को सुबह के समय केसर मिले दूध के साथ आपको भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी का दूध से अभिषेक करें।

हरतालिका तीज के दिन माता लक्ष्मी को अर्पित करें ये चीजें

हरतालिका तीज पर माता लक्ष्मी की विशेष कृपा पाने के लिए आपको शंख, कौड़ी, मखाने, मोती जैसी सफेद रंग की चीजें अर्पित करनी चाहिए। इससे भी माता लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहती है। प्रिय चीजों को चढ़ाने के बाद अपनी मनोकामनाएं माता लक्ष्मी के सामने रखें।

हरतालिका तीज पर घर के दरवाजे पर गुलाल छिड़कें

हरतालिका तीज पर घर के मुख्य दरवाजे पर लाल या गुलाबी रंग का गुलाल छिड़ककर दो मुखी दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का ध्यान करें। जब ये दोनों दीपक बुझ जाए, तो दीपक को पानी में बहा दें, इससे घर से आर्थिक तंगी दूर होती है और लक्ष्मी जी की कृपा बनी रहती है।

काली चींटियों को चीनी डालें और पशुओं को खाना खिलाएं

आपके घर में अगर काले रंग की चींटियां निकलने लगी हैं, तो इन्हें भगाने की जगह इनके पास चीनी रख दें। काली चींटियों को चीनी खिलाने से माता लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहती है। विशेषकर हरतालिका तीज पर पशु-पक्षियों जैसे गाय, कुत्ता, बकरी, कौआ, चिड़ियां आदि को भोजन खिलाना शुभ माना जाता है। इससे आपके घर में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं होगी।

इन 3 चीजों के बिना अधूरी है हरतालिका तीज, व्रत भी हो सकता निष्फल

अखंड सौभाग्य और मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए हरतालिका तीज भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। हरतालिक तीज का व्रत पति की लंबी आयु और सफल वैवाहिक जीवन के लिए रखा जाता है। हरतालिक तीज मुख्य रूप से यूपी, बिहार समेत उत्तर भारत में मनाई जाती है। हर व्रत की तरह इसमें भी कुछ पूजा सामग्री की जरूरत पड़ती है, जिसके बिना हरतालिक तीज पूरी नहीं होती है। इस साल हरतालिक तीज 6 सितंबर दिन शुक्रवार को है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ। गणेश मिश्र से जानते हैं कि हरतालिक तीज की पूजा में कौन-कौन सी सामग्री की जरूरत होती है?

हरतालिका तीज में 3 बातें हैं महत्वपूर्ण

निर्जला व्रत

हरतालिक तीज के लिए निर्जला व्रत का महत्व है। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति स्वरूप में पाने के लिए हजारों वर्ष तक जंगल में जप, तप और साधना की थी। उसके बाद जाकर उनकी मनोकामना पूर्ण हुई थी। इस समय में वैसा जप और तप संभव नहीं लगता। इस वजह से हरतालिक तीज पर निराहार रहकर यानी बिना अन्न और जल के व्रत रखा जाता है। तीज के सूर्योदय से अगले दिन सूर्योदय तक कुछ भी नहीं खाते हैं।

शिव जी और माता पार्वती जी की पूजा करके सुहागन महिलाएं अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगती हैं। वहीं विवाह योग्य युवतियां अपने लिए मनचाहे जीवनसाथी की इच्छा से निर्जला व्रत और पूजा करती हैं।

16 श्रृंगार की वस्तुएं

यह आप हरतालिक तीज मना रही हैं तो उस दिन 16 श्रृंगार का विशेष महत्व है क्योंकि सौभाग्य का संबंध श्रृंगार से जुड़ा है, जिसमें सभी वस्तुएं वैवाहिक जीवन की निशानी मानी जाती हैं। पूजा के समय व्रती महिलाएं स्वयं भी 16 श्रृंगार करती हैं और पूजा में माता गौरी को भी 16 श्रृंगार की वस्तुएं अर्पित करती हैं। सोलह श्रृंगार में सिंदूर, मेंहदी, चूड़ियां, महावर, बिंदी, काजल, नथ, मंगलसूत्र, मांग टीका, गजरा, बिछिया आदि वस्तुएं शामिल होती हैं।

दान के लिए नया वस्त्र

हरतालिका तीज में जिस प्रकार से पूजा और व्रत का महत्व है, उसी प्रकार से दान का भी विशेष महत्व है। तीज व्रती में महिलाएं कोई नई साड़ी या कोई नया वस्त्र किसी सुहागन महिला या पुरोहित की पत्नी को दान करती हैं और कुछ दक्षिणा देती हैं।

हरतालिका तीज की पूजा सामग्री

जो महिलाएं हरतालिक तीज का व्रत रखना चाहती हैं, वे समय से पूर्व पूजा की सामग्री का प्रबंध कर लें।

भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति या तस्वीर

लकड़ी की एक चौकी, जिस पर मूर्ति स्थापना होगी

चौकी पर बिछाने के लिए पीले या लाल रंग का वस्त्र

कलश, आम के पत्ते, केले के पौधे, जटावाला नारियल, फूल, माला

16 श्रृंगार की वस्तुएं, चुनरी, दान के लिए वस्त्र,

बेलपत्र, भांग, धतूरा, अक्षत , हल्दी, कुमकुम, सिंदूर, धूप, दीप

पान, सुपारी, जनेऊ, चंदन, दूर्वा, शहद, घी, कपूर

गंगाजल, गाय का दूध, दही, नैवेद्य, गंध, मिठाई

हरतालिका तीज व्रत कथा, शिव और पार्वती जी की आरती की पुस्तक।

हर इंसान में कुछ छुपे हुए गुण होते हैं। अगर इंसान को उनके बारे में पता चल जाए तो वह अपने गुणों को और भी निखार सकता है। यहां हम उन राशियों के बारे में बात कर रहे हैं जिनका IQ लेवल बहुत तेज होता है। इनकी सोचने की शक्ति दूसरे लोगों से अलग होती है। ये किसी भी बात का सही और तुरंत जवाब देते हैं। आइए जानते हैं।

कन्या राशि

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कन्या राशि का स्वामी बुध है। इस राशि के लोगों पर बुध का प्रभाव अधिक होता है और ये बुद्धिमान होते हैं। इस राशि के लोग अगर किसी प्रतियोगिता में भाग लेते हैं तो उसमें सफल होते हैं।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के लोग भी बहुत बुद्धिमान होते हैं। इनके सोचने-समझने की क्षमता की कोई सीमा नहीं होती।

मकर राशि

मकर राशि के लोगों का आईक्यू लेवल काफी तेज होता है। ऐसे लोग किसी भी चीज में जोखिम लेने से कभी नहीं कतराते। यही कारण है कि इन्हें सफलता जल्दी मिल जाती है।

कुंभ राशि-वृश्चिक राशि

कुंभ राशि के लोग बहुत बुद्धिमान होते हैं। ये अपने जीवन में खूब पैसा कमाते हैं। इसके अलावा वृश्चिक राशि के लोग भी बहुत होशियार होते हैं। ये अपने जीवन में बहुत आगे जाते हैं और उच्च पद प्राप्त करते हैं।

भगवान गणेश को पसंद दूब घास
आपके पेट की गर्मी को भी कर देगी शांत

दूब घास जिसे दूर्वा भी कहते हैं। भगवान गणेश को बहुत पसंद है। मान्यताओं के अनुसार गणेश ने राक्षस अनलासुर को निगल लिया था, जिसके बाद उन्हें पाचन से जुड़ी समस्या और पेट में बहुत जलन होने लगी थी। गणेश जी को परेशान देख कश्यप ऋषि ने जलन को शांत करने के लिए गणेशजी को 21 दूर्वा घास खाने के लिए दी थी। इससे गणेशजी का पेट का ताप शांत हो गया था। तभी से गणेश चतुर्थी की पूजा में और बुधवार के दिन गणपति को दूब घास चढ़ाई जाती है। हालांकि दूर्वा घास स्वास्थ्य को भी कई फायदे पहुंचाती है। आचार्य बाल कृष्ण की मानें तो दूब घास में ऐसे कई औषधीय गुण पाए जाते हैं जो सिरदर्द, आंखों का दर्द, नकसीर, उल्टी और डायबिटीज जैसे बीमारियों में असरदार साबित होते हैं। जानिए दूब घास यानि दूर्वा के फायदे?

उल्टी दस्त रोकने में असरदार- कई बार मसालेदार खाना खाने से गैस, एसिडिटी और उल्टी की समस्या होने लगती है। इसमें दूर्वा का सेवन फायदेमंद होता है। करीब 5 मिली दूब का रस पिलाने से उल्टी बन्द हो जाती है। चावल के धोवन के साथ भी दूब घास मिलाकर पीसकर पिलाने से उल्टी बन्द हो जाती है। अगर दस्त हैं तो दूब को सोंठ और सौंफ के साथ उबाल लें और इसे छानकर पी लें।

दूर्वा घास के लाभ

पथरी निकालने में मददगार- अगर किडनी में पथरी की समस्या है तो आयुर्वेदिक इलाज में दूब घास का इस्तेमाल कर सकते हैं। किडनी स्टोन या अश्मरी होने पर दूब घास का सेवन फायदेमंद माना जाता है। इसके लिए दूब को 30 मिली पानी के साथ पीस लें और मिश्री मिलाकर सुबह-शाम इस पानी को पी लें। इससे पथरी टूट-टूट कर निकल जाएगी।

डायबिटीज में फायदेमंद- अगर आप हाई ब्लड शुगर के मरीज हैं तो आप दूब घास का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए दूब घास का रस निकाल लें और इसे नीम के रस के साथ मिलाकर पी लें। इससे डायबिटीज के मरीज को ब्लड शुगर कंट्रोल करने में आसानी होगी। साथ ही इंसुलिन के तेजी से बढ़ने को भी रोका जा सकता है।

अन्य फायदे- दूर्वा घास का इस्तेमाल सिरदर्द से राहत पाने के लिए भी किया जाता है। सिर दर्द होने पर दूब घास का लेप लगाने से फायदा होता है। इसके अलावा इस घास में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो त्वचा के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। इससे खुजली, त्वचा के दाग धब्बे आसानी से कम हो जाते हैं।

बच्चों की तरह झगड़ते हैं पति-पत्नी? बेडरूम से जुड़ी ये गलती तो नहीं कर रहे आप?

सोते समय दिशा का ध्यान रखें

आमतौर पर छोटी-छोटी बातों पर यदि पति-पत्नी के बीच अनबन हो रही है तो ध्यान रखें कि सोते समय पति-पत्नी का सिर दक्षिण दिशा में होना चाहिए। वहीं उनके पैर उत्तर दिशा की तरफ हों। इससे यदि आपके बेडरूम में वास्तु दोष है तो वह दूर होगा।

इस दिशा में भूल से भी पैर ना करें

अपने बेडरूम में पति-पत्नी को कभी भी पूर्व दिशा की तरफ भी पैर करके नहीं सोना चाहिए क्योंकि इससे आपके घर में कलह बढ़ सकता है। यह दिशा भगवान सूर्य की दिशा है और सभी तरह की पूजा-पाठ भी इसी दिशा में करना शुभ मानी जाती है।

किस दिशा में लगाएं अपना बिस्तर

यदि आपके घर में लड़ाई-झगड़े बढ़ रहे हैं तो आपको वास्तु के अनुसार बिस्तर दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाना चाहिए। ऐसा करने से आपके बीच प्यार बढ़ेगा और नकारात्मकता खत्म होगी, जिससे आप खुशहाल रहेंगे और वैवाहिक जीवन सुखमय होगा।

राष्ट्रीय चरित्र निर्माण में अणुव्रत का योगदान

निर्मला बैद

अणुव्रत वर्तमान युग की समस्या का समाधान है। इसलिए है कि उसमें चरित्र नैतिकता अथवा प्रामाणिकता की संजीवनी शक्ति निहित है। कवि की ये पंक्तियां इस ओर संकेत कर रही है। अणुव्रत्त स्वाभाविक जीवन जीने की क्रिया है। अणुव्रत्त कृत्रिमता अणुव्रत और कुछ नही, इस बहकती दुनिया में मानव को मानव बनाने की एक दिवचर्या है।

बीसवीं सदी आधी पूरी होने की थी। उस समय भारत सदियों की राजनीतिक दासता से मुक्त हुआ। देश की जनता प्रसन्न हुई। पर स्वतंत्रता आंदोलन के समय उसमें देशप्रेम की जो जीवंत लहर आयी थी, वह नीचे दबने लगी। स्वार्थों की पूर्ति की आकांक्षा और सुविधा योगी मानसिकता बढ़ी। पर राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की बात दिमाग से निकलती गयी। उस समय आचार्य श्री तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन किया। अंधकार में प्रकाश की एक नयी किरण का आविर्भाव हुआ। अणुव्रत का अर्थ है चरित्र निर्माण और चरित्र निर्माणका अर्थ है अणुव्रत। ये दोनों शब्द एक दूसरे के मूरक है। देश में विविध जातियां है, विविध मजहब है, विविध सम्प्रदाय है उनमें नैतिकता और चरित्र के प्रति ध्यान कम दिया जा रहा है। इसलिए अणुव्रत्त एक असाम्प्रदायिक धर्म के रूप में सामने उभर कर आ रहा है। अणुव्रत धर्म है कोई सम्प्रदाय नहीं । अणुव्रत्त आचरण प्रधान है उपासना प्रधान हीं। मनुष्य मात्र को संयम, सादगी, नैतिकता और मानवता की ओर बढ़ने की प्रेरणा। जाति, धर्म, रंग और लिंग, वर्ण, भाषा प्रांत आदि सभी भेद-भावो से ऊपर एक व्यापक दृष्टिकोण । भ्रष्ट्राचार के तीखे तीरो से बचाने वाला सुरक्षा कवच। 2 मार्च 1949, सरदार शहर में अणुव्रत्त की आवाज उठी। आज वह इस छोर से उस छोर तक प्रतिध्वनित होती हुई देश की सीमाओ को पार कर विश्व मानव का ध्यान खींचने में सफल हो रही है। भिन्न-भिन्न सम्प्रदायों में आस्था रखने वाले व्यक्ति अपनी-अपनी आस्था के अनुसार उपासना करते है। अणुव्रत का किसी भी उपासना विधि में कोई हस्तक्षेप नहीं है। वह इतनी ही अपेक्षा रखता है कि उस व्यक्ति का जीवन प्रामाणिक पवित्र हो और समस्या पैदा करने वाला न हो। संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि अणुव्रत मानव धर्म है। मानवीय मूल्यों का संरक्षक और परिवर्धक है।

आंध्र प्रदेश-तेलंगाना के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए जूनियर एनटीआर

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने बाढ़ राहत प्रयासों में सहायता के लिए आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री राहत कोष में 50-50 लाख रुपये दान किए हैं। हाल ही में आई बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई है, जिससे हजारों लोग विस्थापित हुए हैं और दोनों राज्यों में घर नष्ट हो गए हैं।जूनियर एनटीआर के अलावा, 'कल्कि 2898 एडी' के निर्माताओं ने भी राहत कोष में 25 लाख रुपये दान किए हैं।

जूनियर एनटीआर ने एक्स पर अपने प्रशंसकों को इस दान के बारे में जानकारी दी और बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए अपनी चिंता व्यक्त की। अभिनेता ने तेलुगु भाषा ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट साझा की। उन्होंने लिखा, 'भारी बारिश के कारण दो तेलुगु राज्यों में हाल ही में आई बाढ़ से मैं बहुत दुखी हूं।' मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि तेलुगु लोग इस आपदा से जल्द ही उबर जाएं।'

जूनियर एनटीआर ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, 'अपनी ओर से मैं आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सरकारों के मुख्यमंत्री राहत कोष में 50-50 लाख रुपये का दान देने की घोषणा कर रहा हूं, ताकि बाढ़ आपदा से राहत के लिए दोनों तेलुगु राज्यों की सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों में मदद मिल सके।' अभिनेता के इस कदम की सोशल मीडिया पर लोग सराहना कर रहे हैं।

वैजयंती मूवीज ने भी एक्स पर एक बयान साझा किया और अपने योगदान की घोषणा की और बताया कि उनकी ओर से राहत कोष में 25 लाख रुपये दान किए गए हैं। इस बीच लगातार बारिश के कारण आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों में तबाही मची हुई है और बाढ़ के कारण कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई है और 17,000 से अधिक लोगों को निकाला गया है। लगभग 140 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं और कई का मार्ग बदल दिया गया है।

रीमा कलिंगल ने गायिका सुचित्रा को भेजा मानहानि का नोटिस, ड्रग पार्टी करने का लगाया था आरोप

मलयालम फिल्म उद्योग का विवाद गहराता चला जा रहा है। हेमा समिति से जुड़ी रोज कुछ ना कुछ नई चीजें सामने आ रही हैं। आरोप-प्रत्यारोप के इस सिलसिले में अभिनेत्री और वीमेन इन सिनेमा कलेक्टिव की संस्थापक सदस्य रीमा कलिंगल ने प्लेबैक सिंगर सुचित्रा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

रीमा ने सुचित्रा को मानहानि का नोटिस भेजा है, क्योंकि सुचित्रा ने आरोप लगाया है कि रीमा के घर का इस्तेमाल ड्रग वाली पार्टी के लिए किया गया था। तीन सितंबर को रीमा ने अपने इंस्टाग्राम पर सुचित्रा के आरोपों को 'निराधार' बताया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, वर्षों से आप में से कई लोग डब्लूसीसी और इसके उद्देश्य के साथ खड़े हैं। यह समर्थन और भरोसा ही है जो मुझे लिखने के लिए प्रेरित करता है। 30 मिनट के साक्षात्कार में, उन्होंने ना केवल साल 2017 के यौन उत्पीड़न की पीड़िता का नाम लिया और यह दावा करते हुए कि पीड़िता को 'पता था कि यह होने वाला है' उसे शर्मिंदा भी किया, बल्कि यह भी आरोप लगाया कि सीएम पिनाराई, मोहनलाल और ममूटी ने फहद जैसे अभिनेताओं के करियर को बर्बाद करने के लिए हेमा समिति के माध्यम से साजिश रची। हम सभी जानते हैं कि हेमा समिति क्यों बनाई गई थी? और जो कोई भी इसके विपरीत सुझाव देता है, उससे पूछताछ की जानी चाहिए।'

जस्टिस हेमा कमेटी रिपोर्ट पर एकता कपूर ने दी प्रतिक्रिया

कहा- महिलाओं को चलानी होगी कंपनी

जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद पूरा केरल फिल्म उद्योग हिल गया है। फिल्म उद्योग के कई बड़े लोगों पर गंभीर आरोप लगे हैं। यह रिपोर्ट केरल फिल्म उद्योग में यौन शोषण पर प्रकाश डालती है। अब फिल्म निर्माता और निर्देशक एकता कपूर ने भी जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उनके मुताबिक महिलाएं कार्यस्थल पर तभी सुरक्षित महसूस करेंगी जब उन्हें समान अवसर मिलेंगे और वह कंपनियों में शीर्ष पदों पर होंगी। अपनी आगामी प्रोडक्शन 'द बकिंघम मर्डर्स' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सचेत प्रयास किए जाने चाहिए।

एकता कपूर ने कहा, 'बहुत सी जगहों पर, हमें महिलाओं की जरूरत है जो शीर्ष पर हों और कम से कम कंपनियों को चला रही हों। इसके लिए, महिलाओं को भी पहल करनी होगी। और जैसा कि मैंने कहा, रिपोर्ट आएगी, हम इसके बारे में और पढ़ेंगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन कार्यस्थल पर या किसी भी जगह पर महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए सचेत प्रयास करना होगा। इसका एक बड़ा हिस्सा महिलाओं द्वारा पेशेवर नौकरियों का नेतृत्व करना होगा। मुझे लगता है कि ऐसा होना शुरू होना चाहिए।'

बता दें कि केरल फिल्म उद्योग मौजूदा समय में हेमा समिति की रिपोर्ट के परेशान करने वाले परिणामों के बाद एक बड़े विवाद से जूझ रहा है। तब से, एक बंगाली अभिनेत्री सहित कई महिला अभिनेताओं ने मलयालम सिनेमा के कुछ जाने-माने चेहरों के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप सार्वजनिक रूप से लगाए हैं, जिनमें प्रख्यात निर्देशक रंजीत और अभिनेता सिद्दीकी और मुकेश शामिल हैं।

एकता कपूर ने आगे कहा, 'महिलाएं और उनकी सुरक्षा केवल एक उद्योग का मुद्दा नहीं है, यह किसी भी महिला के कार्यस्थल का मुद्दा है। हम इसे बहुत गंभीरता से लेते हैं।जैसा कि मैंने कहा, अब बहुत सी महिलाओं को नेतृत्व करना होगा ताकि बहुत सी महिलाएं एकजुट हो सकें। एकता की फिल्म ₹द बकिंघम मर्डर्स' 13

सिल्क में लिपटी श्वेता तिवारी की तीखी नजरों से घायल हुआ फैन

एक ने कहा- इनकी वजह से भाई को ग्लूकोज चढ़ाना पड़ा

दिन, महीने और साल... गुजरते जाएंगे। और श्वता तिवारी दिनों दिन जवां होती दिखाई देंगी। 43 साल की अदाकारा ने हाल ही में 'आपका अपना जाकिर' शो में रवीना टंडन के सामने 'टिप टिप बरसा पानी' पर डांस किया था और एक्ट्रेस को शॉक्ड कर दिया था। उन्होंने अपनी खूबसूरती से आज भी अच्छे-अच्छों को पीछे छोड़ दिया है। अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिर से बिजली गिराई है। कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह बला की खूबसूरत लग रही हैं।

श्वेता तिवारी इंस्टाग्राम पर एक्टिव रहती हैं। वहां वह अपने फोटोशूट्स की झलक शेयर करती रहती हैं। उन्होंने अब अपनी कुछ और फोटोज पोस्ट की हैं, जिसमें वह भारतीय नारी वाले लुक में दिखाई दे रही हैं। श्वेता तिवारी ने तीन फोटो में बिन पानी मछली लग रही हैं। हिरनी जैसी आंखें और बलखाती अदाएं हर किसी को मदहोश कर रही हैं। लोग उन्हें उनकी बेटी से कम्पेयर करते हैं।

श्वेता तिवारी कभी पलके झुका रही हैं तो कभी तिखी नजरों से कातिलाना लुक दे रही हैं। उन्होंने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसको देखकर हर कोई आहें भर रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'इनकी खूबसूरती को शब्दों से बयां नहीं किया जा सकता है।' एक ने लिखा, 'यह एक ऐसी मां हैं, जिनसे नजरें हटा पाना मुश्किल है।' एक ने लिखा, 'इसकी वजह से मेरे भाई को ग्लूकोज लगाना पड़ा था।'

श्वेता तिवारी ने जीवन में दो शादियां कीं और दोनों से एक-एक बच्चे हुए। बेटी पलक तिवारी फिल्मों में हाथ आजमा रही हैं। वहीं बेटा अभी पढ़ाई कर रहा है। बेटी का नाम अक्सर सैफ और अमृता के बेटे इब्राहिम से जोड़ा जाता है। हालांकि अभी तक कोई कंफर्मेशन नहीं है। श्वेता तिवारी ने रोहित शेट्टी के साथ पहले 'खतरों के खिलाड़ी' किया था।

'मैं सिर दीवार पर पटक कर रोना चाहती थी' प्रीति जिंटा का आईवीएफ ट्रीटमेंट पर छलका दर्द

एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने हाल ही एक इंटरव्यू में अपनी प्रेग्नेंसी के फेज़ के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें किन-किन तकलीफों का सामना करना पड़ा और क्या-कुछ झेलना पड़ा था। प्रीति जिंटा साल 2021 में सरोगेसी के जरिए जुड़वां बच्चों की मां बनी थीं। लेकिन इससे पहले उन्होंने आईवीएफ करवाया था, जिसके बारे में अब खुलासा किया है। 49 वर्षीय एक्ट्रेस ने साल 2016 में अमेरिका के रहने वाले जीन गुडइनफ से शादी की थी। प्रीति जिंटा ने 'वोग इंडिया' से बातचीत में अपने चुलबुले अंदाज के बारे में बात करते हुए कहा कि हर किसी की तरह उनकी लाइफ में भी काफी मुश्किल भरे दिन रहे। ऐसे दिन रहे, जब वह अपना सिर दीवार में मारना चाहती थीं।

प्रीति जिंटा के दिनों पर छलका प्रीति जिंटा का दर्द

एक्ट्रेस ने बताया, 'हर किसी की तरह मेरे भी अच्छे दिन और बुरे दिन रहे। कभी-कभी असल जिंदगी में हमेशा खुश रहना और भाग्यशाली बने रहना एक संघर्ष होता है, खासकर जब आप कठिन दौर से गुजर रहे हों। मुझे अपनी प्रीति जिंटा साइकिल के दौरान ऐसा महसूस होता था।'

'दीवार पर सिर पटक कर रोना चाहती थी'

प्रीति ने आगे कहा, 'हर समय मुस्कुराते रहना और अच्छा बने रहना बहुत मुश्किल था। कभी-कभी मैं बस अपना सिर दीवार पर पटक कर रोना चाहती थी या किसी से बात नहीं करना चाहती थी। तो हां, यह सभी एक्टर्स के लिए भी एक बैलेंसिंग एक्ट होता है।'

पति और बच्चों संग अमेरिका में रहती हैं प्रीति जिंटा

प्रीति जिंटा भी पति जीन गुडइनफ और दोनों बच्चों के साथ अमेरिका में रहती हैं। उनका एक बेटा जय और बेटी जिया है। कुछ महीने पहले ही प्रीति दोनों बच्चों को इंडिया लेकर आई थीं। वहीं

कभी विवेक ओबेरॉय ने खा ली थी शादी न करने की कसम प्रियंका से पहली मुलाकात के बाद हार बैठे अपना दिल

विवेक ओबेरॉय बॉलीवुड के सबसे ज्यादा चर्चित नामों में से एक हैं। अभिनेता ने साल 2002 में फिल्म 'कंपनी' से डेब्यू किया। करियर के शुरुआती दौर में ही उन्होंने 'रोड', 'युवा' और 'दम' जैसी फिल्में की।, विवेक की असल जिंदगी में भी उतनी ही खूबसूरत प्रेम कहानी है। विवेक, जो कभी शादी और गंभीर रिश्तों में दिलचस्पी नहीं रखते थे, जब अपनी अब की पत्नी प्रियंका अल्वा से मिले, तो उन्हें पहली नजर में ही प्यार हो गया। प्रियंका से उनकी मुलाकात किसी स्टार पार्टी या किसी बड़े बजट की बॉलीवुड फिल्म के सेट पर नहीं हुई थी, बल्कि एक अरेंज मैरिज थी।

विवेक ओबेरॉय ने एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे वह पहली बार अपनी पत्नी प्रियंका अल्वा से मिले थे। उन्होंने बताया कि उनकी मौसी (मामी) प्रियंका की मौसी से मिलीं और उन्होंने सुझाव दिया कि वे एक बेहतरीन जोड़ी बनेंगे। प्रियंका उस समय न्यूयॉर्क में कहीं एमबीए की पढ़ाई कर रही थी और उन्होंने (रिश्तेदारों ने) सब कुछ तय कर दिया।

विवेक ने आगे कहा, मेरी मां ने यह देखा और उन्होंने मुझे पहले भी कई बार यह कहते हुए देखा है कि इस बारे में बात न करें। उन्होंने पहले भी ऐसा करने की कोशिश की थी... वह इस तस्वीर को देख रही थीं और मैं घर आकर तस्वीर देखता हूं और कहता हूं कि वह बहुत सुंदर है। अगली बात जो मुझे पता चली वह यह थी कि वह मुझसे कह रही थीं तुम्हें उनसे मिलना चाहिए।

अभिनेता ने निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा, मैं शादी नहीं करना चाहता था, मैं पार्टी कर रहा था। मैं किसी भी गंभीर रिश्ते के बारे में नहीं सोच रहा था। यह बहुत अधिक तनाव देने वाला था। मैं अपनी भतीजी और भतीजों के साथ अपने पिता को भी निराश कर रहा था। इसलिए, मैं सोच रहा था कि शादी क्यों करनी है।

अभिनेता ने आगे कहा, मेरी मां ने कहा कि इस एक लड़की से मिलो और अगर वह तुम्हें पसंद नहीं आती है, तो तुम मना कर दो, उसके बाद मैं तुम्हें कभी किसी और से मिलने के लिए नहीं कहूंगी, लेकिन इस एक से मिलो।'

साउथ एक्ट्रेस ने जब बॉलीवुड में रखा कदम

पहली ही फिल्म ने कमाए 100 करोड़ डूबने लगा स्टारडम तो छोड़ दी इंडस्ट्री

फिल्मों में एक्ट्रेसेस के करियर की दिशा उनकी हिट और फ्लॉप फिल्में तय करती हैं. अगर फिल्में हिट हुईं तो एक्टेस हिट और फिर सुपरहिट बन जाती हैं. इंडस्ट्री में टॉप पर बने रहने के लिए बहुत जद्दोजहद करनी पड़ती है. लेकिन इनमें करिश्मा कपूर, माधुरी दीक्षित जैसी कई एक्ट्रेस हैं जिन्होंने अपने करियर के पीक पर शादी कर इंडस्ट्री से लंबा ब्रेक ले लिया था. वहीं, कई एक्ट्रेस ऐसी भी हैं जिन्होंने करियर के डगमगाते ही शादी कर इंडस्ट्री को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया.

साउथ सिनेमा में अपने स्टारडम का सिक्का चलाने के बाद आसिन थोट्टुमकल ने बॉलीवुड में एंट्री ली और अक्षय कुमार, सलमान खान जैसे सुपरस्टार्स के साथ सुपरहिट फिल्में दे डालीं. असिन ने बॉलीवुड में एंट्री के साथ ही अपनी पहली फिल्म से बॉक्स-ऑफिस पर इतिहास रच दिया था.

साउथ में एक के बाद एक सुपरहिट फिल्मों की झड़ी लगाने के बाद जब असिन ने हिंदी फिल्मों में कदम रखा, तो बॉलीवुड ने उनका खुली बाहों के साथ स्वागत किया. उनकी पहली ही फिल्म मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के साथ थी.

असिन ने आमिर खान के साथ साल 2008 में आई फिल्म 'गजिनी' से बॉलीवुड डेब्यू किया था. ये उनकी ही तमिल फिल्म 'गजिनी' की हिंदी रीमेक थी. तमिल भाषा में भी इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर तहलका मचा दिया था.

'गजिनी' बॉलीवुड की पहली फिल्म थी जिसने बॉक्स-ऑफिस पर 100 करोड़ का जादुई आंकड़ा पार कर इतिहास रच दिया था. उसके बाद असिन ने अक्षय कुमार, अजय देवगन, अभिषेक बच्चन के साथ कई फिल्मों में काम किया.

असिन ने कॉलेज के दिनों में मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की थी. वह पहली बार कोलगेट के एड में दिखी थीं जिससे उन्हें पहचान मिली और फिर उन्हें साउथ फिल्म इंडस्ट्री से ऑफर मिलने लगे.

असिन की आखिरी फिल्म साल 2015 में अभिषेक बच्चन के साथ आई थी. इस फिल्म में ऋषि कपूर भी नजर आए थे. 'ऑल इज वेल' बॉक्स-ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी. इस फिल्म के बाद असिन ने माइक्रोमैक्स के को-फाउंडर राहुल शर्मा के साथ शादी कर ली.

शादी के बाद से ही असिन फिल्मी दुनिया से दूर हैं. वह अपनी बेटी और पति के साथ अपनी फैमिली लाइफ में एंजॉय कर रही हैं. भले ही एक्ट्रेस को इंडस्ट्री छोड़े 9 साल हो चुके हैं, लेकिन वह आज भी करोड़ों की मालकिन हैं.

करोड़ों के सिक्के चुराकर म्यूजियम से फिल्मी स्टाइल में भाग रहा था चोर

बस एक गलती की वजह से झट से पकड़ा गया

भोपाल, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित स्टेट म्यूजियम में चोरी करने के इरादे से एक व्यक्ति रात म्यूजियम की इमारत में ही छिप गया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद पकड़े जाने से बच नहीं पाया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह प्राचीन सिक्के लेकर भागने की कोशिश में उसे पकड़ लिया गया। बताया जा रहा है कि चोर सैकड़ों साल पुराने प्राचीन सिक्के लेकर भाग रहा था जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी की पहचान बिहार के गया जिले के विनोद यादव के रूप में हुई है। पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने बताया कि यह घटना राज्य संग्रहालय में हुई। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम को बंद होने के समय से पहले संग्रहालय में एक शख्श प्रवेश कर गया और अंदर रहने में कामयाब रहा, लेकिन बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उसे सुबह देखा और पुलिस को सूचित किया जिसके बाद पुलिस ने म्यूजियम पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि सिक्के चोरी करने के बाद भागने की कोशिश में वह करीब 25 फीट ऊंची दीवार से कूदा और गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। चोर से गलती यह हुई कि वह दीवार की ऊंचाई का अंदाजा नहीं लगा पाया था जिसकी वजह से अपना पैर तुड़वा बैठा। सुरक्षाकर्मियों ने उसे बेहोशी की हालत में पाया था और पुलिस को सूचित किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोर के कब्जे से गुप्त और सल्तनत काल के करीब 100 सिक्के जब्त किए गए। इसके अलावा उसके कब्जे से प्राचीन ज्वेलरी, बर्तन एवं अन्य सामान भी मिला है।

शरद पवार ने की नितिन गडकरी की तारीफ वो वे पूरी तरह से मन लगाकर काम करते हैं

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। एनसीपी शरदचंद्र पवार पार्टी के मुखिया शरद पवार ने बयान देते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने बयान देते हुए कहा कि चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार बीते कई वर्षों से सार्वजनिक जीवन में कार्यरत हैं। इसलिए उन्हें अपनी ओर खींचना संभव नहीं है। अभी तक इन दोनों ने कई मुद्दों पर स्वतंत्र रूप से निर्णय लिए हैं, इसलिए देखते हैं आगे क्या होता है। वहीं ममता बनर्जी को लेकर उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए ममता बनर्जी ने उनके राज्य में कानून को मंजूर किया है। जिसमें एक तय समय सीमा में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का प्रावधान है।

कौन होगा सीएम का चेहरा? जानें क्या बोले शरद पवार

उन्होंने कहा कि इसी तरह का प्रावधान महाराष्ट्र के कानून में भी समाविष्ट होना चाहिए और इसे महाविकास अघाड़ी के घोषणा पत्र में शामिल किया जाना चाहिए, यही मेरा आग्रह है। महाविकास अघाड़ी में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर शरद पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री चेहरा कौन होगा, इसपर कोई विवाद नहीं है, अनबन नहीं है। उसपर कोई बात रुकी हुई भी नहीं है। अब इस मुद्दे को बढ़ाने का कोई मतलब नहीं है। कई बार ऐसा होता है कि चुनाव के बाद संख्याबल के आधार पर मुख्यमंत्री पद पर फैसला लिया जात है। फिलहाल ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है। बहुमत क्या होगा हमें पता नहीं है। हमें बहुमत मिलेगा इसकी उम्मीद है। लेकिन इस विषय में अभी कुछ चर्चा करने की आवश्यकता नहीं है।

शरद पवार ने की नितिन गडकरी की तारीफ

वहीं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को लेकर भी शरद पवार ने बयान दिया है। शरद पवार ने कहा कि नितिन गडकरी किसी भी काम को पूरी लगन से करते हैं और काम का स्तर भी अच्छा रहता है।

देश में आज जितनी अच्छी सड़कें बन रही है। उसमें नितिन गडकरी का योगदान बड़ा है। मालवन में छत्रपति शिवाजी महाराज का पुतला ढहने के मुद्दे पर नितिन गडकरी ने स्टेनलेस स्टील इस्तेमाल करने का मुद्दा रखा था। इस मुद्दे का भी शरद पवार ने समर्थन किया है। शरद पवार ने कहा कि नितिन गडकरी अगर कुछ कह रहे हैं तो जरूर जानकारों की राय लेकर ही कर रहे होंगे। नितिन गडकरी अगर कोई काम हाथ में लेते हैं तो उस काम में पूरी तरह से लगन से करते हैं और बेहतर काम करते हैं।

सीएम मोहन यादव के पिता के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान के चाचा का निधन, यहां होगा अंतिम संस्कार

भोपाल, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के घर से बड़ी दुखत खबर सामने आई है। जहां बीते दिन सीएम मोहन यादव के पिता सेठ पूनमचंद यादव निधन हो गया। वहीं आज प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के चाचा चैन सिंह चौहान का निधन हो गया है।

चैन सिंह चौहान ने भोपाल के बंसल अस्पताल अपनी आखिरी सांस ली है। फिलहाल, शिवराज सिंह चौहान सेठ पूनमचंद यादव के अंतिम दर्शन के लिए उज्जैन में है, वह जल्द ही भोपाल के लिए रवाना होंगे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के चाचा चैन सिंह चौहान पिछले कुछ समय से बिमार चल रहे थे। उनका इलाज भोपाल के प्राइवेट अस्पताल में चल रहा था। बुधवार सुबह 11 बजे खबर आई की अस्पताल में चैन सिंह चौहान का निधन हो गया है। खबर मिलने तक शिवराज सिंह चौहान सीएम मोहन यादव के सेठ पूनमचंद यादव अंतिम दर्शन के लिए उज्जैन पहुंच गए थे।

ऐसा कहा जा रहा है कि सेठ पूनमचंद यादव अंतिम दर्शन के बाद शिवराज सिंह चौहान भोपाल जाएंगे। भोपाल के 22 निखिल होम्स कुंजन नगर से दोपहर 2 बजे चैन सिंह चौहान की अंतिम यात्रा शुरू होगी। बता दें कि, शिवराज सिंह चौहान बीते दिन अपने सारे कार्यक्रम निरस्त करते हुए देर रात को चाचा चैन सिंह चौहान से मिलने के लिए भोपाल पहुंचे थे। खबर है कि चैन सिंह चौहान का अंतिम संस्कार आज शाम नर्मदा घाट जैत में किया जाएगा।

आप सांसद संजय सिंह का गिरिराज सिंह पर हमला, कार्यकर्ता को पीटने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शहजाद सैफी को जमानत मिलने और उनकी रिहाई को आम आदमी पार्टी और सत्य की जीत बताई। इसके साथ ही उन्होंने बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में 18 दिनों में गिरे 13 पुल से लगातार हो रही मौत की समस्या को लेकर केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह से जनता दरबार में मिलने गए आम आदमी पार्टी बेगूसराय के पूर्व जिला अध्यक्ष शहजाद सैफी और कार्यकर्ताओं को बुरी तरह पीटकर उन्हें जेल में बंद करा दिया। संजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए यह बात कही साथ ही उन्होंने आगे यह भी लिखा, आज उन्हें (शहजाद सैफी) माननीय न्यायालय ने रिहा कर दिया, यह आम आदमी पार्टी की जीत है और सत्य की जीत है, आम आदमी पार्टी के हर एक कार्यकर्ता के साथ पार्टी मजबूती से खड़ी है। शहजाद सैफी को 31 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था और 4 सितंबर को रिहा किया गया है।

गिरिराज सिंह पर हमला

वहीं दूसरी तरफ कहा गया था कि शहजाद ने गिरिराज सिंह पर हमला करने की कोशिश की की थी। शनिवार को केंद्रीय मंत्री बेगूसराय बलिया प्रखंड में जनता दरबार में पहुंचे थे। यहां से निकलते समय उन पर इस हमले की कोशिश की गई थी, जिसके बाद आनन-फानन में वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। अब संजय सिंह का कहना है कि वो बिहार में 18 दिनों में गिरे 13 पुल से लगातार हो रही मौत की समस्या को लेकर जनता दरबार गए थे लेकिन उन्हें पीटकर जेल में डाल दिया गया।

गिरिराज सिंह का पोस्ट

हमले के बाद गिरिराज सिंह ने एक्स पर अपना एक वीडियो शेयर किया था। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा था कि मैं गिरिराज हूं और मैं हमेशा समाज के हितों के लिए बोलता रहूंगा,संघर्ष करता रहूंगा। इन हमलों से मैं डरने वाला नहीं। दाढ़ी-टोपी देखकर उनको पुचकारने और सहलाने वाले लोग आज देख लें कि किस प्रकार बेगुसराय बिहार सहित पूरे देश में लेंड जिहाद-लव जिहाद और साम्प्रदायिक तनाव पैदा किया जा रहा है।

नितेश राणे के मस्जिद वाले बयान पर भड़के एआईएमआईएम विधायक, 'उसके बाप में भी हिम्मत नहीं कि ।मालेगांव के मस्जिद में घुसकर बताए।

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बीजेपी विधायक नितेश राणे के एक बयान पर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के मालेगांव विधायक मुफ्ती इस्माइल कासिम काफी भड़के हुए हैं। उन्होंने नितेश राणे को चुनौती दी कि उनकी हिम्मत है तो वह मालेगांव की मस्जिद में आकर दिखाएं। अगर वे अंदर आए तो बाहर नहीं निकल पाएंगे। एआईएमआईएम की गुजरात इकाई के फेसबुक पर एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें कासिम, नितेश के बारे में कहते हैं, "जो बकवास करते हैं वह हवाहवाई है। उसकी क्या उसके बाप की हिम्मत नहीं है कि वह मस्जिद में आकर किसी को मारे। वह आएगा तो वापस नहीं जाएगा। मुसलमान कोई चूड़ी पहनकर नहीं बैठे हैं और ना ही मुसलमान बुजदिल हैं। हम कानून हाथ में नहीं लेना चाहते।" कासिम ने आगे कहा, "अगर हम कानून हाथ में लेते तो रामगिरी महाराज को भी पता चल जाता है और नितेश राणे जैसे मुहफंट को भी औकात बता देते। हम मुसलमान हैं और हम कानून हाथ में नहीं ले सकते।

रेणुकास्वामी हत्याकांडः अभिनेता दर्शन समेत 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर, चार्जशीट में 231 गवाहों के बयान

बंगलूरू, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बंगलूरू पुलिस ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा समेत 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया। बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर बी दयानंद। ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की गई। 3991 पन्नों के आरोपपत्र में 231 गवाहों के बयान हैं। इसे 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में प्रस्तुत किया गया था। अभिनेता दर्शन और उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा समेत 15 अन्य लोग राज्य के विभिन्न जेलों में न्यायिक हिरासत में हैं। कमिश्नर बी दयानंद। ने कहा, हमने इस मामले में 17 लोगों को गिरफ्तार किया है जो न्यायिक हिरासत में हैं। इस मामले में हमारे पास तीन चश्मदीद गवाह हैं।

27 गवाहों ने अदालत के समक्ष अपने बयान दिए और अन्य गवाहों ने पुलिस के सामने अपने बयान दर्ज कराए हैं। उन्होंने आगे कहा, हमने जांच से समबमधित कई सामग्रियां यहां एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) और सीएफएसएल (सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, हैदराबाद) को भेजी थीं। हमें उनकी रिपोर्ट मिल गई, लेकिन सीएफएसएल से कुछ रिपोर्ट आनी बाकी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 33 वर्षीय रेणुकास्वामी अभिनेता दर्शन के बहुत बड़े फैन थे। उसने दर्शन की दोस्त पवित्रा गौड़ा को अश्लील मैसेज भेजे थे। इसे देखकर दर्शन को गुस्सा आया और यही गुस्सा रेणुकास्वामी की हत्या का कारण बना। उसका शव सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के पास एक नाले में मिला था।

8 जून को फैन क्लब का हिस्सा रहे आरोपियों में से एक राघवेंद्र ने रेणुकास्वामी को यह कहकर बुलाया कि अभिनेता उससे मिलना चाहते हैं और वहां आने पर उसकी हत्या कर दी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, चित्रदुर्ग के मूल निवासी रेणुकास्वामी की मौत गंभीर चोट लगने और खून बहने की वजह से हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, रेनुकास्वामी चित्रदुर्ग का रहने वाला था। कई चोटों के कारण उसकी मौत हुई। पुलिस सूत्रोंने कहा कि रेनुकास्वामी की हत्या के मामले में पवित्रा भी एक आरोपी हैं। उन्होंने दावा किया जांच में यह साबित हो गया है कि उन्होंने रेनुकास्वामी की हत्या के लिए उकसाया और साजिश रची और अपराध में शामिल हुई।

दिल्ली कोचिंग सेंटर हादसे के 6 आरोपियों की बढ़ी न्यायिक हिरासत, सीबीआई करेगी कस्टडी में पूछताछ

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर कोचिंग हादसे में गिरफ्तार 6 लोगों को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार (4 सितंबर) को 18 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सभी आरोपियों को 4 दिन की सीबीआई हिरासत खत्म होने के बाद कोर्ट में पेश किया गया था। ऐसे में अब दो हफ्ते की हिरासत के दौरान सीबीआई आरोपियों से सवाल-जवाब करने वाली है। 'राऊ आईएएस स्टडी सर्कल' के बेसमेंट में पानी भरने से वहां बैठकर पढ़ाई कर रहे तीन छात्रों की मौत हो गई थी। सीबीआई जांच में खुलासा हुआ था कि श्रेया यादव, तान्या सोनी और नेविन डालविन की मौत डूबने से हुई थी। बेसमेंट में पानी भरने के बाद तीनों छात्र पानी में डूबने लगे और उन्हें ऑक्सीजन नहीं मिली, जिसकी वजह से उन्होंने दम तोड़ दिया। 'राऊ आईएएस स्टडी सर्कल' में हुए इस हादसे के बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा था और उन्होंने जमकर प्रदर्शन किया। इस घटना के बाद दिल्ली नगर निगम ने बेसमेंट में चलने वाले कई कोचिंग सेंटर्स को सील कर दिया। कितने ही कोचिंग सेंटर्स को नोटिस भी भेजा गया।

पाखरो सफारी मामले में ईडी की पूछताछ से भड़के हरक सिंह रावत, कहा- मेरा मुंह मत खुलवाओ नहीं तो उत्तराखंड ही नहीं देश की राजनीतिक में भूचाल आएगा

देहरादून, 4 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में कॉर्बेट नेशनल पार्क में बन रही पाखरो सफारी मामले में पूर्व वन मंत्री हरक सिंह रावत से ईडी ने लगभग 12 घंटे तक पूछताछ की थी। जिसे लेकर अब हरक सिंह रावत का दर्द छलक पड़ा है। उन्होंने कहा कि मुझे इस मामले में जबरन फंसाया जा रहा है। कुछ लोग मिलकर मेरे साथ ये कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने अगर अपना मुंह खोल दिया तो कई लोगों की संपत्ति की जांच होगी। हरक सिंह रावत ने पाखरो सफारी मामले में ईडी की जांच झेल रहे हैं। पिछले दिनों उनसे इस मामले में 12 घंटे तक की लंबी पूछताछ की गई थी, जिसके बाद उनका गुस्सा भड़क उठा है और वो मुखर हो गए हैं। हरक सिंह रावत ने अपने पुराने अंदाज में कहा कि मेरा मुंह खुलवाया तो उत्तराखंड ही नहीं देश की राजनीतिक में भूचाल आएगा।

ईडी की पूछताछ पर भड़के हरक सिंह रावत

रावत ने बिना नाम लिए कहा, कुछ लोग जान-बूझकर उन्हें परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं। ईडी जांच के बाद हरक सिंह रावत का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रावत ने कहा जिनके घर कांच के हो, उन्हें दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं डालना चाहिए। मैं शांत हूं। लेकिन, मेरा मुंह खुलवाया तो उत्तराखंड ही नहीं, देश की राजनीति में भूचाल आएगा। हरक सिंह रावत ने कहा कि 'मैं प्यार से अपना गला भी कटवा दूंगा मगर डरा धमका कर अपना गला कटवा कर मरना पसंद नही करुंगा। मैं किसी हाल में झुकना पसंद नहीं करूंगा। मैंने भाजपा नहीं छोड़ी थी लेकिन, मुझे जबरन निकाला गया। 2016 में जब मैं भाजपा में शामिल हुआ था उस समय तय किया था कि अब भाजपा में ही रहूंगा, आज भाजपा सिर्फ हथकंडे अपना रही है। हरक सिंह ने कहा की कांग्रेस व भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहते हुए मैंने सबके काम किए है। कांग्रेस सरकार में मंत्री रहते मैंने भाजपा नेताओं के काम कराए वहीं, भाजपा सरकार में मंत्री रहते हुए कांग्रेस नेताओं के काम कराए लेकिन आज कुछ लोग जानबूझ कर मुझे लक्ष्य बना रहे हैं। जिनके खुद के दामन साफ नहीं है, सबकी मनी लॉड्रिंग की जांच कराओ। फिर मैं बताऊंगा कौन क्या है। मुझे फंसाने कि कोशिश नाकाम होगी। अगर मैंने मुंह खोला तो कुछ लोगों के लिए मुश्किल होगी।

अगर मोबाइल में सर्च की ये फोटो तो जेल जाना तय! पुलिस का 455 स्थानों पर छापा, 37 एफआईआर दर्ज

तिरुअनंतपुरम, 4 सितंबर (एजेंसियां)। इंटरनेट पर कुछ भी सर्च करने से पहले सावधान हो जाइये। एक छोटी सी गलती आपको सलाखों के पीछे भेज सकती है। कई बार हम यह सोचते हैं कि अपने घर या कमरे में किया गया इंटरनेट सर्च कौन ही देखता है। मगर ऐसा नहीं है। आप क्या सर्च कर रहे हैं? यह कोई ढकी छुपी बात नहीं है। अगर आप ने नियमों का उल्लंघन किया तो कार्रवाई होना तय है। केरल में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई बच्चों की अश्लील फोटो खोजने के मामले में की गई है। पुलिस ने कुल 52 उपकरण भी जब्त किए हैं। देश में बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री को सर्च करना या एकत्रित करना अपराध है। अगर ऐसे करते आप पाए जाते हैं तो कानूनी कार्रवाई होना तय है। केरल पुलिस ने इंटरनेट पर बच्चों की अश्लील तस्वीरें सर्च करने, उन्हें स्टोर करने और शेयर करने वालों लोगों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। यह अभियान राज्यव्यापी था। पुलिस ने कई जिलों से छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

वहीं 37 मामले भी दर्ज किए हैं। केरल पुलिस ने इस अभियान को ऑपरेशन पी-हंट का नाम दिया। केरल पुलिस के मुताबिक अब तक 455 स्थानों पर छापेमारी की गई।

भारी बारिश के बाद गुजरात में बाढ़ जैसे हालात की वजह आई सामने; शहरीकरण के अलावा इसे ठहराया जिम्मेदार

अहमदाबाद, 4 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात में हाल ही में आई बाढ़ के लिए मौसम के साथ-साथ तेजी से बढ़ते शहरीकरण और जल निकासी सिस्टम में की गई लापरवाही जिम्मेदार है। यह बात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर की रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गुजरात के 33 में से 15 जिलों में तीन दिनों में रिकॉर्ड की गई बारिश पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा है। इसके अलावा जामनगर, मोरबी, देवभूमि, द्वारका और राजकोट में ऐसी घटनाओं के बीच औसत समयांतराल पिछले 50 वर्षों में घटा है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के पश्चिमी तट पर पिछले सप्ताह मौसम की स्थिति और बाढ़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए शहरी नियोजन और बुनियादी ढांचे के दोबारा मूल्यांकन की जरूरत है। आईआईटी गांधीनगर की मशीन इंटेलीजेंस एंड रेजिलिएंस लेबोरेटरी (एमआईआर लैब) के शोधकर्ताओं ने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मजूबत आपातकालीन प्रतिक्रिया रणनीति बनाने की आवश्यकता है। शोध कर्ताओं ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरए से जल निकासी प्रणालियों पर दबाव बढ़ रहा है। इसलिए जल निकासी प्रणाली पर अधिक काम किया जाए। शोध में कहा गया कि वड़ोदरा में ज्यादा बारिश नहीं हुई, लेकिन फिर भी यहां बाढ़ के हालात बने।

बुलडोजर अन्याय और अत्याचार का प्रतीक गलत करने वालों को माफी नहीं- महमूद मदनी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख महमूद मदनी ने कहा कि बुलडोजर एक्शन की इजाजत नहीं है। बुलडोजर आज के दौर में अन्याय और अत्याचार का प्रतीक बन गया है। जो कोई अगर गलत काम करता है उसे माफी नहीं मिलनी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि देश में कहीं भी कोई खतरा नहीं है। जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख महमूद मदनी ने कहा कि गलत को गलत, सही को सही कहता हूं। कुछ की कुछ बातें बहुत खराब लगती हैं। कुछ की कुछ बातें बहुत अच्छी लगती हैं। देश में खतरे में कोई चीज नहीं है। खतरे का जो झुनझुना है उसे लोगों को हटा दिया जाना चाहिए। जिसे खतरा लगता है कि वो खतरा बता देना है। फायदे के लिए लोग एक-दूसरे को खतरा बता दिया जाता है। बुल्डोजर को लेकर महमूद मदनी ने कहा कि सभ्य समाज में बुलडोजर एक्शन की इजाजत नहीं है। मामला कोर्ट में लंबित है, इसलिए इस पर ज्यादा कुछ नहीं कह सकते। सुप्रीम कोर्ट तय करेगा कि बुलडोजर एक्शन सही है या गलत। बुलडोजर अन्याय और अत्याचार का प्रतीक बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि जो गलत करता है उसे माफी नहीं मिलनी चाहिए। पूर्व राज्यसभा सांसद और इस्लामी विद्वान महमूद मदनी ने वक्फ से जुड़े सवाल पर कहा कि अगर मामला मुसलमानों से जुड़ा है। तो उनसे बात की जानी चाहिए। मुसलमानों से बात किए बिना वक्फ संशोधन किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार बताए कि वक्फ बोर्ड के नए कानून के फायदे क्या-क्या है। हम यह जानने के लिए तैयार हैं। वक्फ को सार्वजनिक संपत्ति बताया जा रहा है। राहुल गांधी के नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान से जुड़े सवाल पर इस्लामी विद्वान महमूद मदनी ने कहा कि अगर कोई मोहब्बत की बात करेगा तो इसे अच्छा ही कहा जाएगा।

लालू की मेगा मीटिंग, तेजस्वी की यात्रा 2025 चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को ऐसे एक्टिव कर रही है आरजेडी

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में अगले साल यानि 2025 में विधानसभा के चुनाव होने हैं। लोकसभा चुनाव नतीजों से उत्साहित विपक्षी महागठबंधन की अगुवाई कर रही राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने पार्टी विधायकों-सांसदों और नेताओं की मेगा मीटिंग बुला ली है तो वहीं तेजस्वी यादव पिछला प्रयोग दोहराने की कोशिश में इस बार भी बिहार की यात्रा पर निकलने की तैयारी में हैं। आरजेडी ने 2025 चुनाव के लिए अपने कार्यकर्ताओं को एक्टिव करने की रणनीति पर अभी से ही काम शुरू कर दिया है।

लालू की मेगा मीटिंग

लालू यादव की ओर से बुलाई गई मीटिंग में आरजेडी के सभी सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को बुलाया गया है। बैठक में तेजस्वी यादव के साथ ही पार्टी के लगभग सभी बड़े नेता मौजूद रहेंगे। इस मीटिंग का एजेंडा बिहार चुनाव के साथ ही तेजस्वी यादव की आगामी आभार यात्रा की तैयारियों पर चर्चा करना बताया जा रहा है।

10 सितंबर से तेजस्वी की यात्रा

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव 10 सितंबर से आभार यात्रा पर निकलने वाले हैं। तेजस्वी यादव की यह यात्रा 17 सितंबर तक चलनी है। तेजस्वी इस दौरान उत्तर बिहार की राजधानी कहे जाने वाले मुजफ्फरपुर के साथ ही दरभंगा, समस्तीपुर और मधुबनी जाएंगे। इस दौरान तेजस्वी यादव हर जिले में दो दिन रहेंगे और आरजेडी के नेताओं, कार्यकर्ताओं, स्थानीय नागरिकों से संवाद करेंगे। आभार यात्रा के दौरान तेजस्वी की जनसभा का कोई कार्यक्रम नहीं है।

कार्यकर्ताओं को एक्टिव करने की रणनीति

पिछले बिहार चुनाव में आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी लेकिन उसकी अगुवाई वाला महागठबंधन बहुमत से चूक गया था। आरजेडी इस बार चुनावी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती और इसीलिए पार्टी अभी से ही तैयारियों में जुट गई है। तेजस्वी सूबे के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंचने का ऐलान कर चुके हैं। तेजस्वी यादव ने अभी पिछले ही महीने पार्टी के सभी 17 प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर नीतीश कुमार की सरकार में आरजेडी के शामिल रहते सरकारी नौकरियों और अन्य उपलब्धियों को जनता के बीच लेकर जाने के लिए कहा था। अब लालू यादव की मेगा मीटिंग, तेजस्वी की यात्रा भी कार्यकर्ताओं को एक्टिव करने की रणनीति का ही हिस्सा हैं।

मुझे फॉलो न करें, मेरे जैसा बिल्कुल भी न बनें, नारायण मूर्ति ने 12 साल के बच्चे से क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति को काफी लोग अपना आदर्श मानते हैं। टेक की दुनिया से जुड़े काफी लोग उन्हें फॉलो भी करते हैं और उनके पदचिन्हों पर चलने की कोशिश करते हैं। वहीं नारायण मूर्ति ने 12 साल के एक बच्चे से कहा कि वह उनके पदचिन्हों पर न चले। एक स्कूल के कार्यक्रम में बोलते हुए नारायण मूर्ति ने कहा कि मेरे पदचिन्हों पर चलने से बेहतर है कि आप अपना रास्ता खुद चुनें और देश के निर्माण में अपना योगदान दें। इस कार्यक्रम में छोटी क्लास के स्टूडेंट मौजूद थे। इसी दौरान 12 साल के एक बच्चे ने नारायण मूर्ति से पूछा कि आपके जैसा बनने के लिए मुझे क्या करना चाहिए? इसका जवाब देते हुए नारायण मूर्ति ने कार्यक्रम में मौजूद सभी को चौंका दिया। उन्होंने कहा मैं नहीं चाहता कि तुम मेरे जैसे बनो। मैं चाहता हूं कि तुम राष्ट्र की भलाई के लिए मुझसे बेहतर बनो। इस दौरान नारायण मूर्ति ने अनुशासन के महत्व के बारे में भी बच्चों को बताया। उन्होंने कहा कि मुझे मेरे पिता ने एक टाइम टेबल के जरिए समय के महत्व के बारे में बताया। मूर्ति ने कहा कि पिता के अनुशासन का यह पाठ तब काम आया जब उन्होंने एसएसएलसी परीक्षा में राज्य में चौथा स्थान प्राप्त किया।

नारायण मूर्ति ने इन बातों का किया उल्लेख

असफलताओं की जिम्मेदारी लें

मूर्ति ने कहा कि हमें अपनी असफलताओं की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। साथ ही गर्व के क्षणों को टीम के साथ शेयर करें। इसके बारे में उन्होंने एक पेरिस का उदाहरण दिया जहां एक प्रोग्रेम की टेस्टिंग के दौरान उनसे गलती से पूरे कंप्यूटर सिस्टम की मेमोरी डिलीट हो गई थी।

शेयरिंग के बारे में भी बताया

नारायण मूर्ति ने बताया कि निस्वार्थ से किसी के साथ कोई चीज शेयर करना काफी खुशी देता है। उन्होंने शुरुआत के दिनों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने स्कॉलरशिप मिली थी। उस पैसे में से उन्होंने एक जोड़ी कपड़े खरीदे। मां ने उन कपड़ों को भाई को देने को कहा, जिसका शुरू में उन्होंने विरोध किया। अगले दिन, मूर्ति ने कपड़े अपने भाई को सौंप दिए। इससे उन्हें काफी खुशी हुई।

खुद का रास्ता बनाने के लिए किया प्रोत्साहित

नारायण मूर्ति ने युवा छात्रों को अनुशासन, नेतृत्व, उदारता, जिम्मेदार नागरिकता और टीमवर्क के मूल्यों को अपनाते हुए अपने अनूठे रास्ते बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हर शख्स को जिम्मेदार नागरिक बनना चाहिए। ऐसा काम करना चाहिए जो राष्ट्र के हित में हो।

नागरिकता का पाठ

मूर्ति ने कहा कि साल 1961 में एसएसएलसी कक्षा के दौरान हमारे प्रधानाध्यापक ने हमें नागरिकता के बारे में एक पाठ पढ़ाया। रसायन विज्ञान के प्रयोग के दौरान जब प्रधानाध्यापक ने मिश्रण में सावधानी से साधारण नमक मिलाया तो एक सहपाठी हंसा और पूछा कि वह नमक को इतनी कंजूसी के साथ क्यों मिला रहे हैं? इस पर प्रधानाध्यापक ने कहा, यह साधारण नमक इस स्कूल में सभी का है।

सोना-चांदी में लगातार चौथे दिन गिरावट, चांदी 1,248 फिसलकर 81,038 प्रति किलो पर आई, सोने का भाव 214 गिरकर 71,280 हुआ

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 4 सितंबर को लगातार चौथे कारोबारी दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, बुधवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 214 रुपए गिरकर 71,280 रुपए पर आ गया है। मंगलवार को इसके दाम 71,494 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं चांदी 1,240 रुपए गिरकर 81,038 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले मंगलवार को चांदी 82,278 रुपए प्रति किलो पर थी। इस साल सोना मई में 74,222 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। वहीं, चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,840 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,920 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,690 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,760 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,690 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,760 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,690 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,760 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,740 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,810 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 72,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 66,700 रुपये है।

आईबीजेए के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 7,928 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 71,280 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 81,038 रुपए पर पहुंच गए हैं।

फार्मा-एफएमसीजी स्टॉक्स में खरीदारी से निचले लेवल से बाजार हुआ रिकवर, सेंसेक्स 202 और निफ्टी 81 अंक गिरकर हुआ बंद

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। ग्लोबल संकेतों के चलते भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ है. अमेरिकी और एशियाई बाजारों में गिरावट के चलते भारतीय बाजारों में मुनाफावसूली देखी गई. हालांकि निचले लेवल से बाजार ने भारी रिकवरी की है. सुबह सेंसेक्स एक समय 700 अंक, तो निफ्टी करीब 200 अंक नीचे जा फिसला था. लेकिन फार्मा और एफएमसीजी शेयरों में लौटती खरीदारी के चलते बाजार रिकवर करने में सफल रहा. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 203 अंकों की गिरावट के साथ 82,352 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 81 अंकों की गिरावट के साथ 25,198 अंकों पर बंद हुआ है।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 स्टॉक्स तेजी के साथ और 19 गिरकर बंद हुए. निफ्टी क 50 शेयरों में 19 शेयर तेजी के साथ और 31 गिरकर बंद हुए. बीएसई पर कुल 4047 शेयर्स की ट्रेडिंग हुई जिसमें 1925 शेयर्स तेजी के साथ तो 2028 शेयर्स गिरकर बंद हुए. 94 शेयर के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है. तेजी वाले शेयरों में एशियन पेंट्स 2.39 फीसदी, एचयूएल 1.74 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.31 फीसदी, सन फार्मा 1.18 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.43 फीसदी, रिलायंस 0.34 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.25 फीसदी, भारती एयरटेल 0.18 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि गिरने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 1 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.20 फीसदी, एसबीआई 1.06 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.11 फीसदी, इंफोसिस 0.95 फीसदी, टाटा स्टील 0.72 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

मार्केट कैप में गिरावट

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट के चलते मार्केट कैप में कमी आई है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 465.276 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 465.54 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि आज के सेशन में मार्केट कैप में 28000 करोड़ रुपये की कमी देखने को मिली है।

सेक्टोरल अपडेट

आज के कारोबार में फार्मा, एफएमसीजी, रियल एस्टेट, मीडिया, हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है. जबकि बैंकिंग, आईटी, ऑटो, मेटल्स, एनर्जी, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में गिरावट रही है.

आज के कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स भी गिरकर बंद हुए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-04
सूर्यास्त. -18-25
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	सिंह	मे	सिंह-	04-50	बजे
चंद्र-	कन्या	मे	कन्या-	06-56	बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला-	09-00	बजे
बुध-	कर्क	मे	वृश्चिक-	11-10	बजे
गुरु-	वृष	मे	धनु-	13-24	बजे
शुक्र-	कन्या	मे	मकर...	15-32	बजे
शनि-	कुंभ.	मे	कुंभ-	17-20	बजे
राहु-	मीन	मे	मीन-	19-00	बजे
केतु-	कन्या	मे	मेष--	20-35	बजे
			वृष..	22-29	बजे
			मिथुन..	00-20	बजे
			कर्क..	03-20	बजे

दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया 12-21 तक उपरान्त तृतीया
मास - भाद्रपद शुक्ल, गुरुवार 05 September
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 06-14 तक उपरान्त हस्त
योग - शुभ 20-02 तक उप शुक्ल
करण- कौलव 12-21 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - बाबा रामदेव बीज दूज

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:47 से 15:20 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:06 - 07:37 शुभ	अमृत	18:25 - 19:53 शुभ
रोग	07:37 - 09:09 अशुभ	चंचल	19:53 - 21:20 शुभ
उत्पात	09:09 - 10:42 अशुभ	रोग	21:20 - 22:47 अशुभ
चंचल	10:42 - 12:15 शुभ	काल	22:47 - 00:15 अशुभ
लाभ.	12:15 - 13:47 शुभ	लाभ	00:15 - 01:42 शुभ
अमृत.	13:47 - 15:20 शुभ	उत्पात	01:42 - 03:09 अशुभ
काल.	15:20 - 16:52 अशुभ	शुभ	03:09 - 04:37 शुभ
शुभ..	16:52 - 18:25 शुभ	अमृत	04:37 - 06:05 शुभ

पहले टाटा की फेवरेट कंपनी ने बनाया रिकॉर्ड

फिर गंवाए 53,000 करोड़

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़ उद्योगपति रतन टाटा की फेवरेट कंपनियों में से एक टाटा कंसलटेंसी सर्विस के शेयर में बुधवार को गिरावट देखने को मिल रही है. खास बात तो ये है सोमवार यानी 2 सितंबर को कंपनी का शेयर 52 हफ्तों के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया था. उसके बाद यानी बीते दो दिनों से इसमें गिरावट देखी जा रही है. बुधवार को कंपनी का शेयर 52 हफ्तों के हाई से 3 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है. इस गिरावट से टाटा कंसलटेंसी सर्विस के मार्केट कैप को 53 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है. जानकारों की मानें तो अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट की वजह से भारतीय शेयर बाजार में आईटी कंपनियों के शेयर में गिरावट देखने को मिल रही है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर टीसीएस के शेयर को लेकर किस तरह के आंकड़ें देखने को मिल रहे हैं? अगर बात बुधवार की करें तो कारोबारी सत्र के दौरान टीसीएस के शेयर 1.63 फीसदी टूटकर 4438.35 रुपए के दिन के लोअर लेवल पर आ गए. वैसे टीसीएस के शेयर सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर गिरावट के साथ 4,479 रुपए पर ओपन हुए. जबकि एक दिन पहले कंपनी के शेयर 4512.20 रुपए के साथ बंद हुए थे. 3 सितंबर को भी टीसीएस के शेयर में काफी उतार चढ़ाव देखने को मिला था. उसके बाद भी कंपनी 4500 रुपए के रेंज में रखने में कामयाब हुई थी.खास बात तो ये है कि टाटा कंसलटेंसी सर्विस के शेयर रिकॉर्ड हाई से 3 फीसदी से ज्यादा टूट चुके हैं. इसका मतलब है कि दो दिनों में कंपनी के शेयर काफी गिर चुके हैं. आंकड़ों को देखें तो बीएसई पर कंपनी का शेयर 2 सितंबर को 4,585.90 रुपए के साथ दिन रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया था. जबकि बुधवार को कंपनी का शेयर 4,438.35 रुपए पर पहुंच गया. इसका मतलब है कि दो दिनों में कंपनी का शेयर 147.55 रुपए यानी 3.22 फीसदी टूट चुका है.

53,385 करोड़ का नुकसान

खास बात तो ये है कि बीते दो दिनों या यूं कहें कि कंपनी का शेयर रिकॉर्ड हाई से नीचे गिरा है, तब से कंपनी के मार्केट कैप को 53 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है. जब कंपनी का शेयर 52 हफ्तों के हाई पर पहुंचा था, तब कंपनी का मार्केट कैप 16,59,218.75 करोड़ रुपए था.

बुधवार को जब कंपनी का शेयर दिन के लोअर लेवल पर आया तो कंपनी का मार्केट कैप 16,05,833.87 करोड़ रुपए पर पहुंच चुका है. इसका मतलब है कि कंपनी के मार्केट कैप में 53,384.88 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

भारत की इकोनॉमी को लेकर आई गुड न्यूज

मार्च के बाद सर्विस सेक्टर में सबसे ज्यादा उछाल

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बीते कुछ दिनों से भारत को इकोनॉमी को लेकर ज्यादा अच्छी खबर नहीं आई है. खासकर पहली तिमाही में जीडीपी के आंकड़ों ने काफी निराश किया है. वैसे आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक ने मौजूदा वित्त वर्ष के जीडीपी के आंकड़ों को लेकर आशावादिता दिखाई है. अब भारत के सर्विस सेक्टर से देश की इकोनॉमी को लेकर अच्छी खबर सुनने को मिली है. अगस्त के महीने में देश के सर्विस सेक्टर में मामूली ही सही इजाफा देखने को मिला है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सर्विस सेक्टर को लेकर किस तरह के आंकड़ें सामने आए हैं.

सर्विस सेक्टर में ग्रोथ

भारत के सर्विस सेक्टर की ग्रोथ अगस्त में जुलाई की तुलना में बढ़ी है. इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज विस्तार देखा गया. मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सर्विस पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 से बढ़कर अगस्त में 60.9 हो गया. यह मार्च के बाद सबसे तेज विस्तार है. इसे काफी हद तक उत्पादकता लाभ और सकारात्मक मांग के रुझान से समर्थन मिला. खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है.

मार्च के बाद सबसे तेज ग्रोथ

एचएसबीसी के चीफ इकोनॉमिस्ट (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत के लिए ओवरऑल पीएमआई में अगस्त में मजबूत वृद्धि रही जो सर्विस सेक्टर में त्वरित व्यावसायिक गतिविधि से प्रेरित है. इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज विस्तार हुआ. यह वृद्धि मुख्य रूप से नए ठेकों खासकर घरेलू ठेकों में वृद्धि से प्रेरित रही. कीमतों की बात करें तो कच्चे माल की लागत में छह महीने में सबसे कम वृद्धि हुई, विनिर्माण तथा सेवा दोनों क्षेत्रों में भी यही रुख देखने को मिला. इससे अगस्त में आउटपुट मूल्य मुद्रास्फीति में कमी आई.सर्वे में कहा गया कि भारत की सर्विस इकोनॉमी में शुल्क मुद्रास्फीति की समग्र दर मध्यम रही।

कच्चा तेल 70 डॉलर/बैरल के नीचे फिसला

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के लिए राहत की खबर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम घटकर 70 डॉलर प्रति बैरल के नीचे जा फिसला है। दिसंबर 2023 के बाद से पिछले नौ महीने में कच्चे तेल के दामों का ये सबसे निचला स्तर है। डब्ल्युटीआई क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल के नीचे 69.68 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है जबकि ब्रेंट क्रूड ऑयल 73 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेड कर रहा है। भारत अपने खपत का 80 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है।

क्यों गिरे कच्चे तेल के दाम?

कच्चे तेल की डिमांड में कमी की आशंका के चलते कच्चे तेल के दामों में ये गिरावट देखने को मिली है। खासतौर से चीन के आर्थिक सुस्ती के चलते डिमांड घटने की आशंका है। वहीं लीबिया से कच्चे तेल के एक्सपोर्ट शुरू होने की उम्मीदों के चलते भी कच्चे तेल के दामों में ये गिरावट आई है। लीबिया की विरोधी सरकारों के बीच विवाद के बाद वहां ऑयल फील्ड को बंद कर दिया गया था और एक्सपोर्टल टर्मिनल्स भी बंद हो गए थे। लेकिन लीबिया सेंट्रल बैंक के गवर्नर की नियुक्ति की डील के बाद ये विवाद ुलझने के आसार के बाद सप्लाई शुरू होने की संभावना है। वहीं ये माना जा रहा है कि ओपेक देश कच्चे तेल के प्रोडक्शन में कटौती के फैसले पर फिर से विचार कर सकती है। इन सभी कारणों के चलते कच्चे तेल की सप्लाई बढ़ने के संभावना के चलते इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें घटी है। कच्चे तेल के दामों में आई बड़ी गिरावट से सरकारी तेल कंपनियों को जोरदार फायदा होगा। उन्हें सस्ते में क्रूड ऑयल मिलेगा। लेकिन उपभोक्ताओं को इसका फायदा मिलेगा या नहीं ये बड़ा सवाल है।

पंजाब नैशनल बैंक की गृह पत्रिका का विमोचन

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, हैदराबाद अंचल की छमाही हिन्दी पत्रिका पीएनबी गोदावरी का विमोचन दीपक कुमार श्रीवास्तव, अंचल प्रबंधक द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीवास्तव ने कहा कि पंजाब नैशनल बैंक भारत सरकार की राजभाषा नीतियों को पूरी प्रतिबद्धता से क्रियान्वित करती है। गोदावरी का प्रकाशन उसी दिशा में एक पहल है। पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उदेश्य स्टाफ सदस्यों में हिन्दी में रचनाशीलता को बढ़ावा देना है। यह पत्रिका हैदराबाद अंचल के अधीनस्थ सभी 06 मंडलों (हैदराबाद, सिकंदराबाद, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, बेंगलुरू तथा हुबली मंडल) के स्टाफ सदस्यों की रचनाओं एवं गतिविधियों को समाहित करती है। प्रस्तुत अंक बैंकिंग एवं भाषा के विविध पहलुओं को रेखांकित करता है इस हेतु सम्पूर्ण सम्पादन मण्डल को बधाई देता हूँ। उन्होंने पत्रिका के आगामी अंकों में राजभाषा में सूचनाप्रद एवं रोचक सामग्री प्रकाशित करने हेतु सुझाव भी दिए।

इस अवसर पर उप अंचल प्रबंधक संजय माने ने कहा कि यह पत्रिका भाषा एवं बैंकिंग के विविध पहलुओं पर केंद्रित है। सहायक महाप्रबंधक राजकुमार सिन्हा ने कहा कि बैंक के हरित संकल्प अभियान "पीएनबी पलाश" के तहत पत्रिका ऑनलाइन मोड में भी प्रकाशित की जाती है। सभा के संयोजक मुख्य प्रबन्धक (राजभाषा) सह पत्रिका के संपादक डॉ साकेत सहाय ने कहा कि अंचल प्रबंधक के मार्गदर्शन में प्रकाशित पत्रिका 'पीएनबी गोदावरी' राजभाषा हिंदी में बैंकिंग सामग्री के प्रसार हेतु महत्वपूर्ण पहल है। प्रस्तुत पत्रिका में स्थानीय भाषा तेलुगु पर भी समर्पित पृष्ठ है। साथ ही, इस अंक को पर्यावरण, केंद्रीय बजट, भारतीय सृजनशीलता की सशक्त आवाज : तेलुगु भाषा, वित्तीय शब्दावली, कर्म का क्षेत्र और तनाव जैसे आलेख और बेहतर बनाते हैं। इस अवसर पर सुजीत कुमार झा, मण्डल प्रमुख, सिकंदराबाद, अरविंद कालरा, मण्डल प्रमुख, हैदराबाद तथा अंचल के सहायक महाप्रबंधक गण एस वेंकट कृष्णन, वासुदेव राय, श्यामा कुमार, पीएलपी, आरएएम प्रमुख, हैदराबाद विशेष रूप से उपस्थित रहे।

एनएमडीसी में हिंदी सुलेख प्रतियोगिता

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी मुख्यालय में 'राजभाषा माह' के अंतर्गत गैर लिपिकीय वर्ग के कर्मचारियों के लिए 'हिंदी सुलेख प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के प्रारंभ में रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी प्रतिभागियों को हिंदी सुलेख प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी दी। उद्घाटन मुख्य अतिथि एच. सुन्दरम प्रभु, महाप्रबंधक (कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी) ने किया। प्रतियोगिता का समन्वयन करते हुए डॉ. रजिन्दर कौर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने हिंदी माह के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन देबाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने दिया गया।

राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) एवं सुश्री फौजिया, अप्रेंटिस प्रशिक्षु का सक्रिय सहयोग रहा।

आपका राशिफल

मेष — चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यदि आपने नौकरी के लिए आवेदन किया है, तो कंपनी से इसकी जाँच करें। आपको नौकरी से संबध में एक अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। पदोन्नति या वेतन वृद्धि भी आपको आज मिल सकती है । यह निवेश के किसी भी प्रकार के लिए एक शुभ दिन है। अगर आप संपत्ति खरीदने के लिए योजना बना रहे है, तो आज का दिन सौदे के लिए अनुकूल है।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने ।

कर्क — ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
आज आतिथ्य / परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है , तो आज आप भाग्यशाली हो सकते है ।

सिंह — मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो । आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढ़ंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है ।

तुला — रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
आप इस समय परिस्थितियों के गहन अर्थ को समझने की कोशिश में रहेंगे ! आप हाल ही में अपने पुरे किये गए कार्यो की समीक्षा करेंगे और अपने काम को और बेहतर बनाने के तरीके पर गौर करेंगे । हालांकि वित्तीय प्रबंधन आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता है । आपके लिए धन संचित करना मुश्किल होगा !

वृश्चिक — तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
हालाँकि आपको अपने कार्य स्थल पर हास्य और आनंद लेने की कला आती है परन्तु अब आप पूरी तरह से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आप आज एक गैर जरुरी कार्य में भी गंभीर मुद्रा में रहेंगे । एक सहयोगी की सुस्ती और लापरवाही के कारण आप उसका काम अपने लिए कर सकते है । इसलिए आप पर कुछ अनुचित कार्य का दबाव आज बन सकता है ।

धनु — ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
पिछले कुछ दिनों से अलग अलग दिशाओं में आपका मन भाग रहा है और निर्णायक निर्णय लेने में आप असमर्थ रहे है। बहरहाल, आज आपको दृष्टि की एक दुर्लभ स्पष्टता का अनुभव होगा और आप अपने कार्यस्थल पर मुद्दों के बारे में स्पष्ट और उचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे । आपको किसी से अच्छी करियर सलाह मिलने की भी संभावना है।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

कुंभ — गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

मीन — दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं। यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा । एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशो का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे बल्कि आप कार्य प्रणाली को भी बेहतर तरीके से समझ पाओगे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

देवेंद्र सेठिया के नाम पर धोबीगुड़ा का प्रायमरी स्कूल

नक्सलियों के आईडी ब्लास्ट में हुए थे बलिदान

जगदलपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बस्तर जिले के धोबीगुड़ा में जन्म लेने वाले देवेन्द्र सेठिया का अप्रैल माह में नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईडी ब्लास्ट में शहीद हो गए थे, जिसके 5 माह बाद गृहग्राम में बने प्रायमरी स्कूल का नामकरण शहीद देवेंद्र कुमार सेठिया के नाम से किया गया। इस दौरान सीआरपीएफ के आला अधिकारियों के साथ ही परिवार के लोग भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र के ग्राम गलगम में एक सीआरपीएफ की पार्टी 19 अप्रैल 2024 एरिया डोमिनेशन के लिए निकली थी, इसी दौरान यूबीजीएल ब्लास्ट होने से कॉस्टेबल देवेंद्र के पैर, कमर और हाथ मे गंभीर चोट आई, जिसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। गंभीर हालत को देखते हुए मेकाज हेलीकॉफ्टर की मदद से भेजा गया। मेकाज पहुँचने से पहले देवेंद्र सेठिया शहीद हो गए थे। शहीद देवेंद्र सेठिया के गृहग्राम धोबीगुड़ा में 4 सितंबर की सुबह सीआरपीएफ के आला अधिकारियों के मौजूदगी में पहले प्रायमरी स्कूल ग्राम धोबीगुड़ा में शहीद जवान के छायाचित्र पर पूरे सम्मान के साथ पहले पुष्पगुच्छ अर्पित करने के बाद भारत माता के जयकारे के नारे लगाए गए, उसके बाद स्कूल का नाम शहीद के नाम पर रखा गया।

गिरिडीह एफसीआई अनाज घोटाला

सीबीआई ने ठेकेदारों के ठिकानों पर मारा छापा, मंगवाई नोट गिनने वाली मशीन

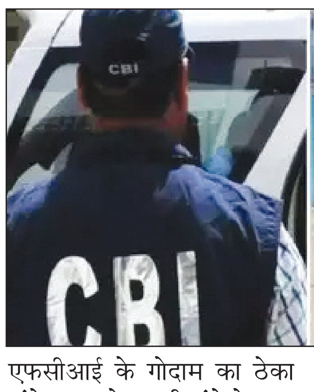

गिरिडीह, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सीबीआई ने बुधवार को झारखंड के गिरिडीह में एफसीआई अनाज घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने ठेकेदार रामजी पांडे और गोदाम संचालक संजय शर्मा के घरों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई 16 हजार टन से ज्यादा अनाज की हेराफेरी के मामले में हुई है। आरोप है कि रामजी पांडे ने फर्जी कागजात बनाकर गोदाम से अनाज निकाला और उसे ब्लैक में बेच दिया। इससे एफसीआई को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है।

सीबीआई को छापेमारी में भारी नकदी और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले हैं। नोट गिनने वाली मशीन भी मंगवाई गई है। सूत्रों के मुताबिक, अभी कितना कैश मिला है, इसकी जानकारी नहीं है। छापेमारी अभी चल रही है।

लंबे समय से रामजी पांडे था एफसीआई के गोदाम का ठेका

गिरिडीह के सरिया में एफसीआई के गोदाम का ठेका लंबे समय से रामजी पांडे के पास था। एफसीआई की टीम को निरीक्षण के दौरान घोटाले का पता चला था।

जांच में सामने आया कि पांडे ने जन वितरण प्रणाली का अनाज भी गायब कर दिया था। सीबीआई को शक है कि पांडे अकेले नहीं थे। उन्हें जेएसएफसी (झारखंड स्टेट फूड कॉरपोरेशन) के कुछ अधिकारियों का भी सहयोग मिला था। जांच एजेंसी को शक है कि गायब अनाज को पश्चिम बंगाल के चावल मिलों में बेचा गया होगा। सीबीआई ने पांडे के शास्त्रीनगर स्थित घर पर छापेमारी की। दूसरी छापेमारी एक अन्य गोदाम संचालक संजय शर्मा के घर पर हुई। शर्मा पर भी अनाज की हेराफेरी का आरोप है। शुरुआती जांच में पता चला था कि एफसीआई के गोदामों से निकाला गया अनाज बंगाल के राइस मिलों में भेजा गया। वहां उसे पॉलिश करके बाजार में बेचा जाता था। एफसीआई ने सरिया में दस हजार टन क्षमता का गोदाम रामजी पांडे से किराये पर लिया था। गोदाम के संचालन की जिम्मेदारी भी पांडे की ही थी।

छत्तीसगढ़-कांग्रेस में 50 से कम उम्र वालों की होगी एंट्री

युवा-चर्चित चेहरे को प्राथमिकता, बदले जा सकते हैं 20-25 जिलाध्यक्ष उपाध्यक्ष, महामंत्री भी हटेंगे

रायपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बड़े बदलाव करने जा रही है। करीब 20-25 जिला अध्यक्ष बदले जा सकते हैं। बताया जा रहा है कि निष्क्रिय पदाधिकारियों की कुर्सी जा सकती है। पीसीसी चीफ दीपक बैज की टीम ने शॉर्ट लिस्टेड कर लिया है। बैज की नई टीम में 50 साल से कम उम्र के लोगों को ज्यादा तवज्जो दिया जाएगा। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट से मुलाकात के बाद पीसीसी चीफ दीपक बैज ने तैयारियां तेज कर दी है। बैज की टीम में 100 से ज्यादा लोग होंगे। युवा और चर्चित चेहरे पहली प्राथमिकता में हैं। निष्क्रिय लोगों की जगह एक्टिव सदस्यों के नाम जोड़े जा रहे हैं। कांग्रेस उपाध्यक्ष और महामंत्री भी हटाए जा सकते हैं। कांग्रेस में ऐसे लोगों की संख्या ज्यादा है, जिनके खिलाफ चुनाव के दौरान काम नहीं करने की शिकायत मिली है।

मनोज महतो हत्याकांड में नक्सली जेठा कच्छप और सनातन को एचसी से राहत

उम्रकैद की सजा रद्द

रांची, 4 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड हाई कोर्ट ने दो बड़े मामलों में फैसला सुनाया है। एक खूंटी के मनोज महतो हत्याकांड से जुड़ा है और दूसरा जमशेदपुर के श्रीलेदर्स के मालिक आशीष डे की हत्या से। पहले मामले में हाई कोर्ट ने पीएलएफआई के जेठा कच्छप और सनातन स्वांसी को निचली अदालत से मिली उम्रकैद की सजा रद्द कर दी। दूसरे मामले में श्रीलेदर्स के मालिक की हत्या के तीन दोषियों - जितेंद्र कुमार सिंह, विनोद सिंह और अमलेश कुमार सिंह को भी उम्रकैद की सजा से राहत मिली है। खूंटी के मनोज महतो हत्याकांड में जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय और जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने जेठा कच्छप और सनातन स्वांसी की अपील मंजूर कर ली। निचली अदालत ने 7 मई 2022 को दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। मनोज महतो की हत्या 8 अक्टूबर 2011 को खूंटी बाजार में हुई थी। इस मामले में केस संख्या-64/2011 के तहत केस दर्ज किया गया था।

सरकार ने जेठा कच्छप को खतरनाक अपराधी बताया था। कहा गया था कि वह कई संगीन मामलों में आरोपी है और प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई का सक्रिय सदस्य है। इसलिए निचली अदालत द्वारा दी गई सजा उचित है। लेकिन, कच्छप और स्वांसी ने खुद को निर्दोष बताया। उनका कहना था कि उनके खिलाफ कोई पुख्ता सबूत नहीं है और उन्हें पुलिस ने फंसाया है।

जमशेदपुर के श्रीलेदर्स के मालिक आशीष डे हत्याकांड में जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की खंडपीठ ने जितेंद्र, विनोद और अमलेश को राहत दी। निचली अदालत ने 17 सितंबर 2011 को इन तीनों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। तीनों ने हाईकोर्ट में इस सजा को चुनौती दी थी। दोनों ही मामलों में हाईकोर्ट ने पहले ही सुनवाई पूरी कर ली थी और फैसला सुरक्षित रख लिया था।

एक रुपए सैलरी लेने वाले आईएएस की छत्तीसगढ़ वापसी

रायपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सेंट्रल डेपुटेशन से आईएएस अमित कटारिया लौट आए हैं। करीब 7 सालों से छत्तीसगढ़ से बाहर रहे कटारिया ने मंत्रालय में अपनी जॉइनिंग दे दी है। कटारिया जितने दिन छत्तीसगढ़ में रहे चर्चा में ही रहे। जब प्रदेश में थे तब शुरू-शुरू में सैलरी के रूप में सिर्फ 1 रुपए लिया करते थे। तब अपनी जॉब को सेवा मानकर किया करते थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई अमित कटारिया की कंट्रोवर्सी इस आईएएस के करियर में सबसे टॉप विवाद है। प्रधानमंत्री से काला चश्मा लगाकर मिलने पर उन्हें नोटिस थमाया गया था। 2004 बैच के कटारिया रायपुर, बस्तर में अहम पदों पर थे। 2017 से वो केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे। गुड़गांव के रहने वाले अमित कारोबारी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। साल 2015 के मई माह में बस्तर दौरे पर पीएम नरेंद्र मोदी आए। तब डॉ रमन सिंह सीएम थे। बस्तर के कलेक्टर अमित कटारिया थे। एयरपोर्ट पर पीएम का स्वागत किया गया। पीएम मोदी विशेष विमान से जगदलपुर पहुंचे तो मुख्यमंत्री के साथ कटारिया ने उनका स्वागत किया और हाथ मिलाया। कलेक्टर ने उस वक्त नीली शर्ट पहनी थी और एक खास ब्रांड का महंगा काला चश्मा लगाए हुए थे, जिसमें ज्यादातर अफसर आमतौर से नजर आते हैं। यहां से पीएम हेलीकॉप्टर से दंतेवाड़ा गए। वहां कलेक्टर देवसेनापति ने उनकी अगवानी की, तब वे भी ऐसी ही शर्ट और चश्मे में थे। ऐसे पहनावे को राज्य शासन ने सर्विस रूल्स और प्रोटोकॉल के खिलाफ माना। सामान्य प्रशासन विभाग ने दोनों कलेक्टरों को नोटिस जारी करते हुए चेतावनी भी दी कि भविष्य में ऐसा नहीं होना चाहिए। तब सीएम रहे डॉ रमन सिंह ने कहा था- प्रधानमंत्री के दौरों में अफसरों को निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। नए कलेक्टर हैं, इसलिए समझाना जरूरी था। कटारिया का चश्मा लगाकर पीएम से मिलना, पीएम के बस्तर दौरे से बड़ा राष्ट्रीय समाचार बन चुका था।

रायगढ़ में साल 2011 के जुलाई महीने की घटना है। उस समय कटारिया वहां के कलेक्टर थे। वरिष्ठ भाजपा नेता रोशनलाल अग्रवाल को उन्होंने अपने ऑफिस से डांटते हुए 'गेट आउट' कहकर भगा दिया था। भाजपा नेता रायगढ़ के जूटमिल क्षेत्र में गौरवपथ के निर्माण के दौरान अतिक्रमण हटाने में गरीब पीड़ितों का पक्ष रखने के लिए कलेक्टर के चैंबर में गए थे। इसी तरह 2009 में नगर निगम कमिश्नर रहते हुए अमित कटारिया शहर के मेयर और भाजपा नेता सुनील सोनी से भिड़ गए थे। निगम की ही एक बैठक में दोनों के बीच बहस हो गई थी। कटारिया जब रायपुर नगर निगम के कमिश्नर थे तब रातोंरात अवैध निर्माण तुड़वा देते थे। नेताओं का प्रेशर होता था तो उनसे भिड़ जाया करते थे। वो पैदल चलते हुए शहर का निरीक्षण करते थे।

हवलदार की हत्या के बाद भी नहीं चेती पुलिस

अस्पताल में लोगों से मिल रहे कैदी, परिवार संग रह रहे

रांची, 4 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड का सबसे बड़ा अस्पताल रिम्स कैदियों का आरामगाह बन गया है। हत्या-लूट जैसे संगीन मामलों में जेल में बंद कैदी यहां मौज कर रहे हैं। जेल मैनुअल के विपरीत किसी के पैर में हथकड़ी लगी है तो कोई बिना हथकड़ी के ही है। परिजनों के साथ रहते हैं। घर का खाना खाते हैं। घूमते-फिरते हैं। मोबाइल पर बात भी करते हैं। 22 दिन पहले हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में इलाजरत उम्रकैद की सजा काट रहा कैदी शाहिद अंसारी सुरक्षा में तैनात हवलदार की हत्या कर फरार हो गया था। इसके बाद जब रिम्स की पड़ताल की तो चौंकाने वाला नजारा सामने आया। यहां कोई कैदी परिवार के साथ बैठकर बच्चे खेला रहा था, तो कोई बिना हथकड़ी के ही आराम से बेड पर बैठकर परिजनों से बात कर रहा था। दरअसल यह सबकुछ पैसे के बल पर होता है। मरीज के परिजन सुरक्षाकर्मियों को पैसे से मैनेज करते हैं और रिम्स में आराम से दिन बिताते हैं। यही नहीं, जेल मैनुअल के अनुसार कैदी के पैर में हथकड़ी लगाना मना है, पर यहां खुलेआम पैरों में हथकड़ी लगाई जा रही है। ऐसे में कैदी का हाथ खुला रहता है। वह हथकड़ी काटकर भाग सकता है।

साइंस-कॉलेज में एबीवीपी-एनएसयूआई में मारपीट

एक दूसरे के फाड़े कपड़े, जबरन सदस्यता दिलाने और वसूली के आरोप में भिड़े

रायपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर के साइंस कॉलेज में एबीवीपी और एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं में जमकर मारपीट हुई। एक दूसरे के शर्ट भी फाड़े। बताया जा रहा है कि मारपीट एबीवीपी के सदस्यता अभियान के दौरान हुई। एबीवीपी की शिकायत पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर एफआईआर हुई है। मामला सरस्वती नगर थाना क्षेत्र का है।

मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे एबीवीपी के कार्यकर्ता साइंस कॉलेज पहुंचे थे। वे स्टूडेंट्स से बातचीत कर सदस्यता अभियान चला रहे थे। अभियान का एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विरोध किया। उनका आरोप था कि सदस्यता अभियान के बहाने में छात्र-छात्राओं से जबरन वसूली की जा रही है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में बहस हुई।

इस दौरान देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में बहसबाजी धक्का-मुक्की में बदल गई। दोनों पक्ष एक दूसरे को लात-घूंसे मारने लगे। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें करीब 12-13 लड़के एक दूसरे को घेरकर पीट रहे हैं। मारपीट में दो-तीन लड़कों की शर्ट भी बुरी तरह फट गई। वहीं कुछ लड़कों के हाथ-पैर में भी चोटें आई हैं।

मामले को लेकर एबीवीपी रायपुर महानगर सहमंत्री सुजल गुप्ता ने कहा कि हमारे कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से सदस्यता अभियान के लिए स्टूडेंट से बातचीत कर रहे थे। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने बदसलूकी की। हमने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने। उनके गुंडई का हमने भी कड़ा जवाब दिया है। मारपीट को लेकर एनएसयूआई जिला अध्यक्ष शांतनु झा ने कहा कि एबीवीपी के कार्यकर्ता कॉलेज में जबरन स्टूडेंट्स को संगठन का मेंबर बना रहे थे। मेंबरशिप के बहाने पैसे वसूल रहे थे। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विरोध किया। इसके बाद उन्होंने मारपीट की और थाने में फर्जी एफआईआर दर्ज कराई। इसका विरोध करते हैं। प्रशासन आरोपियों का साथ दे रही है। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर एफआईआर की खबर मिलते ही एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ थाने पहुंच गए। थाने के बाहर रात 1 बजे तक हंगामा होता रहा। इस दौरान एएसपी, सीएसपी और करीब 4 थानों के टीआई मौजूद थे। इस दौरान जमकर नारेबाजी होती रही। नीरज पांडेय ने कहा कि पुलिस ने एबीवीपी की शिकायत पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। हमारे घायल कार्यकर्ताओं ने शिकायत दी तो केवल जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। ये सरकार के दबाव में एकतरफा कार्रवाई है।

मूक-बधिर युवती से पड़ोसी ने किया रेप

रायगढ़, 4 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में रविवार शाम को पड़ोसी युवक ने मूक-बधिर युवती से रेप किया है। बताया जा रहा है कि घर पर कोई नहीं था। सूनेपन का फायदा उठाकर आरोपी ने रविवार शाम को वारदात को अंजाम दिया। 14 दिन के अंदर ये दूसरी वारदात है। इससे पहले 19 अगस्त को 8 लोगों ने आदिवासी महिला से गैंगरेप किया था। मामला कोतरा थाना क्षेत्र का है।

पीड़िता अपने भाई और भाभी के साथ घर पर रहती है, लेकिन रविवार शाम को भाई और भाभी किराना सामान लेने के लिए बाजार गए हुए थे। इसी दौरान पड़ोसी युवक मूक-बधिर के घर पहुंचा। उस वक्त वह घर के पास बाड़ी में काम कर रही थी, तभी आरोपी ने रेप किया।

बताया जा रहा है कि युवती के भाई-भाभी घर पहुंचे तो पीड़िता रो रही थी, पूछने पर रोती हुई उन्हें आरोपी के घर ले गई। वहां वह चीखने लगी। इस दौरान गंदी हरकत करने की जानकारी दी। इसके बाद भाई और भाभी पीड़िता को कोतरा थाने लेकर पहुंचे, जहां आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के मुताबिक शिकायत के बाद आरोपी के ठिकाने पर छापेमारी की गई। आरोपी को उसके घर से पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी से वारदात के बारे में पूछताछ की। पूछताछ में गुनाह स्वीकार कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि इससे पहले 19 अगस्त को 27 साल की महिला मेला देखने अपने दोस्त के साथ मीना बाजार जा रही थी। रात करीब 8 बजे सुनसान जगह पर उसके दोस्त ने महिला से रेप किया। इसके बाद आरोपी के अन्य साथी भी पहुंचे और दुष्कर्म किया।

भिलाई स्कूल में छात्रा से लैंगिक छेड़छाड़ पर एफआईआर

2 महीने बाद अपराध दर्ज, परिजन बोले- बच्ची के साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ

भिलाई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई शहर में संचालित एक बड़े इंग्लिश मीडियम स्कूल में 5 साल की बच्ची से लैंगिक छेड़छाड़ मामले में पुलिस ने 2 महीने बाद पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किया है। वहीं परिजनों का कहना है कि हमारी बच्ची के साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ है। एफआईआर करने पर नाराजगी जताई है।

दुर्ग पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने टीसी के लिए दिए आवेदन के आधार पर मामला दर्ज होने की पुष्टि की है। पुलिस का कहना है कि बच्ची के परिजन स्कूल में टीसी के लिए आवेदन किए थे, जिसमें एब्यूज शब्द का प्रयोग किया था। स्कूल के प्रिंसिपल उन्हें टीसी नहीं दे रहे थे। जब यह खबर मीडिया में आई तो पुलिस ने मामले की जांच की।

पुलिस ने बताया कि टीसी के लिए स्कूल को दिए आवेदन को पढ़कर यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि परिजनों ने बच्ची से लैंगिक एब्यूज की बात लिखी है या अन्य व्यवहार होने की, ये स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने इसी को आधार मानकर अपराध दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि एफआईआर के बाद परिजनों को महिला थाने बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था। परिजनों ने अपने बयान में बच्ची के साथ किसी भी प्रकार के गलत व्यवहार को लेकर साफ मना किया है।

वहीं मामले में एफआईआर दर्ज करने के बाद परिजनों ने इस पर नाराजगी जताई थी। पुलिस ने उनके पत्र में लिखे शब्द का हवाला देते हुए मामला दर्ज करने की बात कही। इसके बाद परिजनों को महिला थाने बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था। परिजनों ने अपने बयान में बच्ची के साथ किसी भी प्रकार के गलत व्यवहार को लेकर साफ मना किया है।

बताया जा रहा है कि 2 महीने पहले बच्ची की तबीयत बिगड़ी थी। परिजनों ने एक निजी अस्पताल के डॉक्टर से जांच कराई थी।जांच में लैंगिक छेड़छाड़ की पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट में यूटीआई (यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन) की पुष्टि हुई थी। डॉक्टर का कहना है कि छोटी बच्चियों में इस तरह के इन्फेक्शन कई बार होते हैं।

इसके पहले पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार और दुर्ग एसपी पर हमला बोला था। भूपेश बघेल ने दुर्ग एसपी को गुंडा बताया था। साथ ही पुलिस पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया था।

सितंबर के आखिरी हफ्ते में मानसून की होगी वापसी

31 अगस्त तक राज्य में 12% कम तो 6 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई

रांची, 4 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में मानसून अब पूरी तरह से कमजोर पड़ गया है। संभावना है कि सितंबर के आखिरी हफ्ते तक मानसून के वापसी होगी। इस सीजन की बात करें तो राज्य में 31 अगस्त तक 12% कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, 18 जिलों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई। जबकि रांची समेत अन्य जिलों में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई। सबसे कम बारिश पाकुड़ में जहां सामान्य से 57% कम बारिश हुई। वहीं, लोहरदगा में 37% सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई। देवघर, चतरा जैसे कई इलाके हैं जहां सामान्य से कम बारिश हुई है। जबकि राज्य के छह ऐसे जिले हैं जहां सामान्य से अधिक बारिश हुई है।

मंच पर ढेबर-सीएम आमने-सामने, बजी सीटियां

महापौर बोले- आप विष्णु अवतार, समाज की मांगें पूरी करें साय ने कहा- अफसोस आपकी सरकार ने कुछ नहीं किया

रायपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर के एक कार्यक्रम में महापौर एजाज ढेबर और सीएम साय आमने-सामने हुए। सभा के मंच से मेयर ने मुख्यमंत्री को विष्णु का अवतार बताकर उत्कल समाज के लिए कुछ मांग करने लगे। जब बारी मुख्यमंत्री के बोलने की आई तो साय ने कहा बड़ा अफसोस होता है कि आपकी सरकार 5 साल थी और अपने समाज के लिए कुछ नहीं किया। यह सुनते ही भीड़ तालियां और सीटियां बजाने लगी। मौका था रायपुर के गॉस मेमोरियल मैदान में आयोजित नुआखाई के अवसर पर भव्य शोभा यात्रा के समापन कार्यक्रम का। यहां अपने संबोधन में महापौर ने तीन से चार बार मुख्यमंत्री को विष्णु का अवतार कहा।

ढेबर ने आगे कहा- आप जब से आए हैं तब से देखा जा रहा है कि आप सायं-सायं काम कर रहे हैं, तो आज इस मंच से भी आप सांय-सांय एक काम करके दिखा दीजिए। समाज के लोगों को जाति प्रमाण पत्र बनाने में समस्या आती है। आज ऐलान कर दीजिए ताकि लोगों की समस्या दूर हो। इसके बाद ढेबर ने समाज के लिए सामुदायिक भवन बनाने, छुट्टी घोषित करने, समाज के लिए अलग मंडल आयोग बनाने की मांग कर डाली। जब बारी मुख्यमंत्री के सम्बोधन की आई तो उन्होंने मंच से कहा कि महापौर ने बड़ी दमदारी से यहां एक के बाद बहुत सारी मांगे रखी हैं।

हमारे स्कूल में तो टीचर नहीं हैं, छात्रा पर बरस पड़े डीईओ

लड़की ने रोते हुए बताई चैंबर की कहानी

राजनांदगांव, 4 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में एक स्कूल की छात्राओं ने शिक्षकों की कमी के खिलाफ आवाज उठाई है। मंगलवार को कलेक्टर के जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचकर छात्राओं ने अपनी परेशानी बताई। कलेक्टर ने उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी के पास भेजा। छात्राओं का आरोप है कि डीईओ ने उनकी बात सुनने के बजाए उन्हें धमकाया और जेल भेजने की बात कही। बच्चों ने रोते हुए मीडिया को अपनी आपबीती बताई। इसके बाद सोशल मीडिया पर डीईओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठ रही है। दरअसल, राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ विकासखंड के आलिवारा स्कूल में 11वीं और 12वीं कक्षा के विज्ञान और कला संकाय में शिक्षकों की कमी है। मंगलवार को कलेक्टर के जनदर्शन कार्यक्रम में स्कूली बच्चे और उनके अभिभावक इस समस्या को लेकर पहुंचे थे। बच्चों ने कलेक्टर से शिक्षकों की नियुक्ति की मांग की। कलेक्टर ने उन्हें डीईओ के पास भेज दिया। बच्चों का आरोप है कि डीईओ ने उनकी बात सुनने के बजाए उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

वहीं, डीईओ के व्यवहार से छात्राएं दुखी हो गईं। उसने फूट-फूटकर चैंबर के अंदर की कहानी बताई है। कैसे उसके साथ डीईओ ने व्यवहार किया है। डीईओ ने लड़कियों को ऑफिस से यह कहकर भगा दिया कि जाओ यहां से बहस मत करो। साथ ही कहा कि ऐसा आवेदन किसने लिखवाया है? तुम लोग जेल के अंदर हो जाओगे। बच्चों के साथ मौजूद उनके अभिभावकों ने भी डीईओ पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। स्कूल की छात्रा आरती साहू ने बताया कि डीईओ ने उनके साथ बदतमीजी की। वहीं, एक अभिभावक ने बताया कि पिछले दो साल से स्कूल में कई विषयों के शिक्षक नहीं हैं। उन्होंने बताया कि कलेक्टर ने दो दिन के अंदर शिक्षक की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया था, लेकिन जब बच्चे डीईओ से मिलने गए तो उनके साथ बदसलूकी की गई।

इस घटना से आक्रोशित बच्चों ने चेतावनी दी है कि अगर तीन दिन के अंदर शिक्षकों की व्यवस्था नहीं की गई तो वे स्कूल में धरना प्रदर्शन करेंगे और तालाबंदी करेंगे।

आलाकमान के बुलावे पर दिल्ली पहुंचे कांग्रेस के चारों मंत्री

वेणुगोपाल बोले-उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया तेज करें

रांची, 4 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस रेस हो गई है। आलाकमान के बुलावे पर रविवार को कांग्रेस कोटे के चारों मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता, दीपिका पांडेय सिंह और डॉ. इरफान अंसारी दिल्ली पहुंचे। उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी थे। ये सभी नेता रविवार सुबह ही दिल्ली पहुंच गए थे।

लेकिन पार्टी के सांगठनिक मामलों के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल दिल्ली से बाहर थे। वे रात करीब 8:30 बजे दिल्ली पहुंचे। फिर उनकी झारखंड के मंत्रियों और प्रदेश अध्यक्ष के साथ बैठक हुई। इसमें विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की गई। वेणुगोपाल ने कांग्रेस नेताओं को कहा कि वे चुनावी मोड में आ जाएं। उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया जल्द पूरा करने में सहयोग करें। इसके लिए स्क्रीनिंग कमेटी का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया टीम को एक्टिव करें और हर तरह के प्रचार माध्यम का सहारा लें। धुआंधार प्रचार करें। बैठक में गठबंधन और सीट शेयरिंग के फॉर्मूले पर भी चर्चा की गई। इन नेताओं को सहयोगी दलों से तालमेल बढ़ाने के साथ ही सीट शेयरिंग को लेकर होमवर्क पूरा करने को भी कहा गया।

अध्यक्ष का कार्यकाल 22 अगस्त को हो चुका है पूरा

जेपीएससी चेयरमैन का पद 13 दिन से खाली, सिविल सर्विस परीक्षा सहित कई रिजल्ट अटके

रांची, 4 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) का अध्यक्ष पद 13 दिन से खाली है। 62 वर्ष की तय उम्र सीमा पूरी होने के कारण निवर्तमान अध्यक्ष डॉ नीलिमा केरकेट्टा का कार्यकाल 22 अगस्त को पूरा हो चुका है। राज्य सरकार ने अबतक नए चेयरमैन की नियुक्ति नहीं की है। जेपीएससी के सदस्यों में से किसी को प्रभार भी नहीं दिया है। इस कारण जेपीएससी द्वारा ली जानेवाली कई प्रतियोगिता परीक्षाएं अटक गई हैं।

11 वीं से 13 वीं सिविल सर्विस की मुख्य परीक्षा का परीक्षाफल भी प्रकाशित नहीं हो पा रहा है। क्योंकि, रिजल्ट प्रकाशन से पहले बोर्ड की सहमति जरूरी है। साथ ही, नई नियुक्ति के लिए इंटरव्यू लेने और नई प्रतियोगिता परीक्षा की तिथि घोषित करने जैसे मुद्दों पर भी बोर्ड की स्वीकृति आवश्यक है। मालूम हो कि जेपीएससी की 11 वीं से 13 वीं की मुख्य परीक्षा 22 से 24 जून तक आयोजित की गई थी। ढाई महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन रिजल्ट नहीं आया है।

11 वीं से 13 वीं सिविल सर्विस की मुख्य परीक्षा का परीक्षाफल भी प्रकाशित नहीं हो पा रहा है।

राज्य के विश्वविद्यालयों में लेक्चरर के पद पर नियुक्ति के लिए होने वाले इंटरव्यू को रोक दिया गया है। लगभग एक दर्जन विषयों के लेक्चररों की नियुक्ति होनी है। वन विभाग में रेंज अफसरों की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किया जा चुका है। पर, जेपीएससी बोर्ड की स्वीकृति नहीं मिलने से परीक्षा की तिथि घोषित नहीं हुई है। सीडीपीओ, विवि अधिकारियों की नियुक्ति संबंधी प्रतियोगी परीक्षाएं संपन्न हो चुकी है। लेकिन रिजल्ट अटका हुआ है।

सरकार अध्यक्ष पद का प्रभार भी दे सकती है

जेपीएससी में फिलहाल तीन सदस्य हैं। प्रो अजिता भट्टाचार्य, प्रो अनिमा हांसदा और प्रो जमाल अहमद। अगर नई नियुक्ति करने में सरकार को परेशानी है, तो इनमें से किसी को वरीयता के आधार पर जेपीएससी अध्यक्ष का प्रभार दे सकती है। पहले में भी ऐसा किया जा चुका है। अध्यक्ष का प्रभार मिलने से रिजल्ट प्रकाशन, इंटरव्यू और परीक्षाएं ली जा सकेंगी। हालांकि, कैबिनेट की अगली बैठक में नए अध्यक्ष की नियुक्ति पर मुहर लगने की संभावना है। इसके बाद प्रस्ताव राज्यपाल के पास भेजा जाएगा।

सोने का गुबंद, 44 सीढ़ियां, 1788 कमरे

दुनिया के सबसे बड़े महल में ब्रुनेई के सुल्तान से मिले पीएम मोदी

बंदर सेरी बेगवान, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय ब्रुनेई की दो दिन की यात्रा पर हैं। अपनी यात्रा के दौरान नरेंद्र मोदी ब्रुनेई के शासक सुल्तान हसनल बोल्कैया से उनके आधिकारिक निवास, इस्ताना नुरुल ईमान पैलेस में मुलाकात की है। ब्रुनेई की राजधानी बंदर सेरी बेगवान में बना इस्ताना नुरुल ईमान पैलेस दुनिया का सबसे शानदार महल कहा जाता है। अपनी भव्यता के लिए इसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है। इस महल की भव्यता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इसमें 1,788 कमरे, 257 बाथरूम और 38 अलग-अलग तरह के संगमरमर से बनी 44 सीढ़ियां हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्ताना नुरुल इमान (पैलेस ऑफ द लाइट ऑफ फेथ) को सुल्तान हसनल ने 80 के दशक के शुरू में बनवाया था। करीब 1.4 अरब

डॉलर की लागत से बना ये महल 1984 में ब्रिटिश शासन से ब्रुनेई की आजादी से ठीक पहले बनकर तैयार हुआ था। इस महल का डिजाइन फिलीपींस के वास्तुकार लियोनार्डो लोक्सिन ने बनाया, जिसका उद्देश्य आजादी के बाद देश के एक नए युग को दिखाना था।

ब्रुनेई सुल्तान का ये महल करीब 2,00,000 वर्ग मीटर में बना हुआ है, ये आकार इसे दुनिया का सबसे बड़ी आवासीय इमारत बनाती है। 257 बाथरूम और 1,788 कमरों के अलावा इसमें इतना बड़ा बैंक्वेट हॉल है कि वहां एक समय में 5,000 मेहमानों की मेजबानी की जा सकती है। इस महल की पार्किंग में 110 कारों को खड़ा किया जा सकता है। 200 घोड़ों लिए एक वातानुकूलित अस्तबल, पांच स्विमिंग पूल और एक शानदार मस्जिद भी महल के अंदर है। इस मस्जिद में 1,500 लोग एक साथ नमाज पढ़ सकते हैं। महल का वास्तुशिल्प डिजाइन ब्रुनेई की इस्लामी संस्कृति और मलय परंपराओं का मिश्रण है। महल के बाहरी हिस्से में सुनहरे गुंबद बनाए गए हैं। गुबंदों में 22 कैरेट सोने से जड़ा एक केंद्रीय गुंबद भी शामिल है। इसे खुआन च्यू ने डिजाइन किया है, जिन्होंने दुबई के बुर्ज अल अरब को डिजाइन करने में भी मदद की थी। इस महल में कई बड़े कार्यक्रम हो चपके हैं। 28वीं एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) आर्थिक नेताओं की बैठक इसी महल में हुई थी।

इस्ताना नुरुल ईमान दुनिया का सबसे बड़ा आवासीय महल है, लेकिन यह सबसे महंगा नहीं है। यानी कीमत के हिसाब से इससे भी ज्यादा हंगा लंदन के शाही परिवार का घर बकिंघम पैलेस है। बकिंघम पैलेस की कीमत करीब 2.9 बिलियन डॉलर है।

रूस ने यूक्रेन पर 2 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

दावा- 51 की मौत, 271 लोग घायल, अस्पताल समेत कई इमारतों पर हमला, मलबे में दबे लोग

मास्को, 4 सितंबर (एजेंसियां)। रूस ने मंगलवार को यूक्रेन के पोल्तावा शहर में 2 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि इस हमले में 51 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 271 लोग घायल हुए हैं।

वीडियो मैसेज जारी कर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने उनके एक एजुकेशनल इंस्टिट्यूट और अस्पताल को निशाना बनाया। इस दौरान एक इमारत को काफी नुकसान पहुंचा। कई नागरिक इमारत के मलबे के नीचे दब गए। हमले के बाद पोल्तावा में तीन दिन के शोक की घोषणा की है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अलर्ट सायरन बजने और मिसाइल अटैक होने में बेहद कम समय का अंतर था। लोग बॉम्ब शेल्टर की तरफ जा ही रहे थे कि उन पर हमला हो गया। रेस्क्यू टीम ने 25 लोगों को बचा लिया जिनमें से 11 मलबे के नीचे दबे थे। वहीं रूस के एक टेलीग्राम चैनल ने दावा किया है कि बैलिस्टिक मिसाइल के जरिए यूक्रेन के मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर को निशाना बनाया गया। हमले में जिन लोगों की मौत हुई है वे यूक्रेन के ट्रेनी सैनिक हैं। बीबीसी के मुताबिक, जिस मिसाइल से हमला किया गया वह इस्कंदर-एम मिसाइल थी, जिसकीं रेंज 500 किमी है।

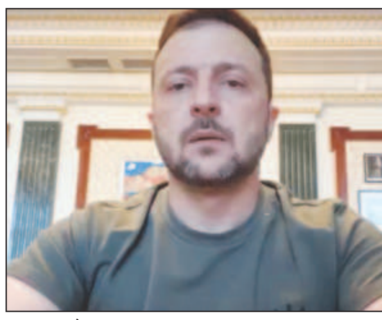

अगस्त में रूस पर यूक्रेन के लगातार हमलों के बाद यह पहली बार है जब रूस ने यूक्रेनी शहर पर इतना बड़ा हमला किया है। यह हमला तब हुआ है जब 31 अगस्त को जेलेंस्की ने कहा था कि वे रूस में और अंदर घुसकर हमले करना चाहते हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन पर हमलों को तभी रोका जा सकता है, जब यूक्रेन रूस की एयरफील्ड्स और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाएगा।

रूस में और अंदर घुसकर हमले करना चाहता है यूक्रेन

जेलेंस्की ने कहा था, "यूक्रेन के आसमान से रूस के बमों को तभी हटाया जा सकता है, जब हम उन पर हमले तेज कर देंगे। इसके बाद ही रूस जंग खत्म करने और शांति की तरफ कदम बढ़ाएगा।

यूक्रेन की रक्षा करने के लिए हमें लंबी दूरी तक हमले में सक्षम मिसाइलों और रूस के खिलाफ इनके इस्तेमाल की इजाजत की जरूरत है।" ढाई साल से जारी रूस-यूक्रेन जंग में 6 अगस्त 2024 को पहली बार ऐसा हुआ जब यूक्रेन ने रूस में घुसकर उसके कुर्स्क इलाके पर कब्जा कर लिया। तभी से यूक्रेन लगातार रूस पर हमलावर है। आरटी की रिपोर्ट के मुताबिक 20 दिनों में यूक्रेन के हमलों में रूस के 31 नागरिकों की जान जा चुकी है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद ऐसा पहली बार है, जब रूस की धरती पर किसी विदेशी ताकत ने कब्जा किया हो।

यूक्रेन ने दो हफ्ते में रूस के 1263 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया था। यूक्रेन का दावा है कि रूस ने 2024 के 8 महीने में जितने इलाके पर कब्जा किया है, उससे ज्यादा जमीन पर यूक्रेन ने 2 हफ्तों में कब्जा कर लिया है।

तालिबान चुरा रहा भारतीय गीतों की धुन

मशहूर गीतों की तर्ज पर इस्लामिक धार्मिक गीत बनाकर किए जारी, फजीहत

काबुल, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने हाल ही में नए नशीद (धार्मिक गीत) जारी किए हैं। तालिबान अपने नए नशीदों में अफगान और भारतीय संगीत की धुनों का इस्तेमाल किया है। यानी तालिबान अपनी नशीदों के लिए उन गानों की ही धुन चुरा रहा है, जिनको वह हराम कहता है। अमू टीवी ने तालिबान-नियंत्रित मीडिया की ओर से हाल ही में जारी नशीदों की जांच के बाद ये दावा किया है। अमू टीवी की रिपोर्ट कहती है कि ये नशीद लोकप्रिय अफगान और भारतीय संगीत की धुनों का इस्तेमाल करते हुए बनाए गए हैं। अमू ने अफगानिस्तान के एक संगीत विशेषज्ञ की मदद भी इसमें ली, जिन्होंने माना कि भारतीय संगीत की मदद इन नशीदों में ली गई है। सुरक्षा चिंताओं की वजह से अफगानिस्तान के संगीत विशेषज्ञ की पहचान नहीं बताई गई है।

अमेरिका ने कसी नकेल तो अफ्रीकी देशों को फंसाने में जुटा चीन

जिनपिंग ने बुलाई महाबैठक, ड्रैगन का प्लान

बीजिंग, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका समेत पश्चिमी देशों से बढ़ते दबाव के बीच चीन ने अफ्रीका के दर्जनों देशों की एक अहम बैठक आयोजित की है। इसमें अफ्रीकी देशों का एक विशाल प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेने के लिए बीजिंग पहुंचा है। चीन अफ्रीका सम्मेलन अगले 3 दिन तक चलेगा। चीन इस बैठक के जरिए यह दखिाने की कोशिश कर रहा है कि वह भले ही सुस्त होती अर्थव्यवस्था और पश्चिमी देशों के साथ चल रहे तनाव की वजह से परेशान है लेकिन अफ्रीका महाद्वीप का बड़ा पार्टनर बना रहेगा। चीन पहुंचने इन अफ्रीकी नेताओं का जोरदार स्वागत किया गया। चीनी अधिकारियों का दावा है कि यह बैठक हाल के दिनों में हुआ सबसे बड़ा राजनयिक जुटान है। साल 2018 के बाद यह चीन और अफ्रीकी देशों के नेताओं के बीच पहली ऐसी बड़ी बैठक है। अफ्रीका

महाद्वीप वही इलाका है जहां पर चीन ने अपना एकमात्र घोषित सैन्य अड्डा बना रखा है। यह चीनी सैन्य अड्डा जिबूती में है। हाल के दशकों में चीन की ओर से पूरे अफ्रीका में बहुत बड़े पैमाने पर हाइवे, रेलवे लाइन और पावर प्लांट बनाए गए हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने जहां अपनी बीआरआई नीति के तहत इन प्रॉजेक्ट के लिए पैसा दिया और अपना राजनीतिक प्रभाव बढ़ाया है लेकिन इसकी कड़ी आलोचना भी हो रही है। इसकी वजह से अफ्रीका के कई देश करोड़ों डॉलर के कर्ज में डूब गए हैं। बीआरआई कर्ज को लेकर हो रही आलोचनाओं और अपनी आर्थिक सुस्ती के बीच चीनी राष्ट्रपति शी और उनके मंत्री अब नया सुर अलाप रहे हैं। चीन अब 'छोटा लेकिन खूबसूरत' निवेश का नारा देने जा रहा है। साथ चीन हरित तकनीक जैसे सोलर ऊर्जा पर जोर दे रहा है जिसे बनाने में दुनिया में चीन को महारत हासिल है। चीन अब इस तकनीक को अफ्रीकी देशों को बेचकर कमाई करना चाहता है। चीन चाहता है कि वह दुनिया में गरीब और विकासशील देशों का अगुवा बनकर उभरे। साथ ही ग्लोबल साउथ के देशों के लिए अमेरिका का विकल्प बन जाए। चीन की यह नई चाल कितना प्रभावी होगी, यह बड़ा सवाल है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सरिलि रामफोसा ने शी जिनपिंग के साथ सोमवार को मुलाकात के दौरान खुलकर कहा है कि चीन व्यापार घाटे को कम करे। साथ ही व्यापार के ढांचे की चुनौतियों को दूर करे। इस सम्मेलन में हिस्सा ले रहे कई देश चीन के कर्ज के तले दबे हुए हैं। साल 2021 में चीन के राष्ट्रपति ने वादा किया था कि 300 अरब डॉलर का आयात अफ्रीकी देशों से किया जाएगा। ताजा सम्मेलन में इसकी भी जांच होगी।

अफ्रीकी देश चीन पर यह दबाव बना सकते हैं कि वह केवल कच्चा माल के बदले तैयार माल अफ्रीका को आदान प्रदान किया जाए। चीन सोने से लेकर रणनीतिक रूप से अहम कई खनिज जैसे कोबाल्ट, कॉपर आदि को अफ्रीका से जमकर निकाल रहा है।

हमास की धमकी- इजराइली बंधकों को ताबूतों में भेजेंगे

कहा- सेना भेजी तो खामियाजा भुगतना होगा, परिजन तय करें बंधक जिंदा चाहिए या नहीं

इजरायल, 4 सितंबर (एजेंसियां)। गाजा में इजराइली बंधकों के शव मिलने के बाद हमास ने इजराइल के लिए चेतावनी जारी की है। हमास ने कहा है कि अगर इजराइल की सेना ने उनपर दबाव बनाना बंद नहीं किया तो वे बंधकों को ताबूतों में रखकर इजराइल भेजेंगे। हमास ने धमकी देते हुए कहा कि वह इसके लिए अपने लड़ाकों में आदेश भी दे चुका है।

अलजजीरा के मुताबिक, कासिम ब्रिगेड के प्रवक्ता अबु उबैदा ने कहा कि अगर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू बिना समझौते के सैन्य दबाव बनाकर बंधकों को छुड़ाने की कोशिश करेंगे, तो हम उन्हें ताबूत में रखकर लौटाएंगे। अब फैसला परिजनों के हाथ में है कि वे बंधकों की जिंदा वापस चाहते हैं या उनके शव। हमास ने कहा कि बंधकों की मौत के लिए नेतन्याहू और उनकी सेना जिम्मेदार है। वहीं नेतन्याहू ने कहा है कि हमास की सुरंगों में जिन 6 बंधकों के शव मिले थे, उन्हें पीछे से सिर पर गोली मारी गई थी।

इजराइली पीएम ने बंधकों को जीवित वापस लाने में सफल न होने पर देश से माफी मांगी। उन्होंने कहा, "हम बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन विफल हो गए। हमास को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी।" वहीं हमास के एक सीनियर अधिकारी ने कहा है कि उन बंधकों की मौत इजराइल की एयरस्ट्राइक में हुई थी। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि नेतन्याहू बंधकों को छुड़वाने के लिए पर्याप्त कोशिश नहीं कर रहे हैं।

दरअसल, 31 अगस्त को इजराइल को गाजा में हमास की सुरंगों में 6 बंधकों के शव मिले थे। इजराइली सेना आईडीएफ ने बताया था कि सैनिकों के वहां पहुंचने से कुछ देर पहले ही हमास ने इन बंधकों को बर्बरता के साथ मार डाला। आईडीएफ ने बताया था कि उन्हें इलाके में 6 बंधकों के मौजूद होने की खबर मिली थी। इस वजह से सेना बहुत ही सतर्कता के साथ आगे बढ़ रही थी। इस बीच उन्हें हमास की एक सुरंग का पता चला। यहां छानबीन के दौरान बंधकों के शव बरामद हुए। हमास ने इजराइल के कुल 251 नागरिकों को बंधक बनाया था। इनमें से 97 अब भी हमास की कैद में हैं। 105 बंधकों को पिछले साल नवंबर में हुए सीजफायर में रिहा कर दिया गया था। वहीं करीब 33 लोगों की मौत हो चुकी है।

कतर में पाकिस्तानी और अमेरिकी अफसरों से मिले थे बांग्लादेशी छात्र आंदोलन के नेता

आईएसआई पर थी बड़ी जिम्मेदारी, खुलासा

ढाका, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में बीते कुछ समय में बड़े सियासी उलटफेर देखने को मिले हैं। इस साल जून-जुलाई में देश की राजधानी ढाका और कई शहरों में आरक्षण के मुद्दे पर छात्रों के आंदोलन शुरू हुए। इन आंदोलनों के बहुत तेजी से फैलने और हिंसक होने के बाद 5 अगस्त को शेख हसीना को पीएम पद और देश छोड़ना पड़ा। बांग्लादेश में अचानक हुई उथलपुथल के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ होने का अंदेशा कई बार जाहिर किया जा चुका है। अब एक और रिपोर्ट सामने आई है, जो कहती है कि बांग्लादेश में बीते साल से ही शेख हसीना को अस्थिर करने की कोशिश हो रही थी और इसमें पाकिस्तान और अमेरिका के लोग शामिल थे। नॉर्थ ईस्ट न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन नेशनल सिक्योरिटी नेटवर्क ने बांग्लादेश के भीतर और बाहर से मिली सूचनाओं के विभिन्न पहलुओं

को जोड़कर पाया है कि बांग्लादेशी छात्र सगंठनों के 'कॉर्डिनेटर' बने कुछ छात्रों ने एक साल में कई दफा लगातार पाकिस्तान, दुबई और कतर का दौरा किया। रिपोर्ट दावा करती है कि यहां इन छात्र नेताओं की मुलाकातें पाकिस्तान और अमेरिका के खुफिया और सुरक्षा अधिकारियों से हुईं। इन्हीं छात्रों के नेतृत्व में इस साल बांग्लादेश में आंदोलन भड़का और ये लोग सरकार को बदल देने में कामयाब रहे। बांग्लादेश में छात्र आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले मोहम्मद महफूज आलम को अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस का विशेष सहायक नियुक्त किया गया है। आलम उन छात्रों में शामिल था, जो बीते साल विदेश जाकर पाक और अमेरिकी अफसरों से मिले। रिपोर्ट में बताया गया है कि छात्रों को अलग-अलग तारीखों में विदेश यात्रा कराई गई ताकि बांग्लादेशी खुफिया एजेंसियों को शक ना हो। एक सेवानिवृत्त आईएसआई लेफ्टिनेंट जनरल को बांग्लादेशी छात्रों के साथ संपर्क करने का काम सौंपा गया था।

जलवायु परिवर्तन का मतदान पर पड़ सकता है असर

नेपाली पीएम ने जताई चिंता, कहा- प्राकृतिक आपदाएं लोगों पर असर डाल रही है

काठमांडू, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने जलवायु परिवर्तन के कारण हो रही प्राकृतिक घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहीं प्राकृतिक आपदाएं नागरिकों के मतदान करने के अधिकार के इस्तेमाल में एक बड़ा रोड़ा पैदा कर सकती हैं। उन्होंने चुनाव अधिकारियों के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अखंडता को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। फोरम ऑफ इलेक्शन मैनेजमेंट बॉडीज ऑफ साउथ एशिया के 12वें सम्मेलन के उद्घाटन में ओली शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, प्रवासन और सोशल मीडिया का उदय तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका जैसे मुद्दे हमारे लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आगे कहा जलवायु परिवर्तन के कारण अचानक मौसम में बदलाव आना और प्राकृतिक आपदाएं यह सुनिश्चित करने की हमारी क्षमता को खतरा पैदा करती हैं कि प्रत्येक नागरिक मतदान के अपने अधिकार का उपयोग कर सके। जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण से जुड़ा मुद्दा नहीं है, यह हमारे समाज के हर पहलू को छूता है। पीएम ओली ने 'चुनावों में उभरती प्रवृत्तिः जलवायु परिवर्तन, सोशल मीडिया और पलायन' विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन में बात की। उन्होंने कहा कि सीमाओं के पार और हमारे देशों के भीतर लोगों की आवाजाही का मतदाता सूची, मतदाता पहचान और मतदान के अधिकार पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, नेपाल के प्रधानमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस नेताओं के मतदाताओं से जुड़ने और चुनाव कराने के तरीके में क्रांति ला रहे हैं।

धरती में कैसे बनती हैं सोने की डलियां?

नई स्टडी में बड़ा खुलासा, दशकों से अनसुलझे सवाल का आखिरकार मिला जवाब

कैनबरा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों ने एक बड़ी खोज की है। उन्होंने पता लगा लिया है कि कैसे भूकंप के कारण क्वाट्र्ज से बड़े सोने के टुकड़े बनते हैं। यह एक ऐसा रहस्य रहा है जो दशकों से शोधकर्ताओं को परेशान करता रहा है। सोना प्राकृतिक रूप से क्वाट्र्ज चट्टानों में बनता है। फेल्डस्पार के बाद पृथ्वी की परत में दूसरा सबसे प्रमुख खनिज है। लेकिन अन्य प्रकार के सोने के भंडारों के विपरीत क्वाट्र्ज में पाए जाने वाले भंडार अक्सर विशाल सोने के टुकड़े होते हैं। ये टुकड़े के क्वाट्र्ज की दरारों में तैरते हैं जिसे भूविज्ञानी क्वाट्र्ज नसें कहते हैं। क्वाट्र्स समृद्ध चट्टानें समय-समय पर क्रस्ट के भीतर गहराई में हाइड्रोथर्मल तरल पदार्थ से भरी होती हैं।

नेचर जियोसाइंस जर्नल में सोमवार को इससे जुड़ा अध्ययन प्रकाशित हुआ। स्टडी के प्रमुख

लेखक और ऑस्ट्रेलिया में मोनाश विश्वविद्यालय के भूविज्ञानी क्रिस वोइसी ने कहा, 'क्वाट्र्ज में सोना हर समय बनता है। जो चीज अजीब है कि इनमें सोने की बड़ी डली का निर्माण होता है। हमें नहीं पता था कि यह कैसे काम करता है। एक छोटी सी जगह में इतनी बड़े टुकड़े कैसे बनते हैं?'वोइसी ने कहा कि हाइड्रोथर्मल तरल पदार्थ सोने के परमाणुओं को गहराई से ऊपर ले जाते हैं और उन्हें क्वाट्र्ज नसों के जरिए प्रवाहित करते हैं। इसका मतलब है कि सोने को सैद्धांतिक रूप से एक जगह केंद्रित होने की जगह दरारों में समान रूप से फैलना चाहिए। स्टडी के मुताबिक सोने की ये डलिया बेहद मूल्यवान हैं और अब तक खनन किए गए कुल सोने का 75 फीसदी तक हैं। उन्होंने कहा कि दो अलग-अलग सुरागों ने उनके सहयोगियों को रहस्य सुलझाने में मदद की। स्टडी से पता चला है कि सोने की डलियां अक्सर उन क्षेत्रों में बनती हैं जहां भूकंप आते हैं। भूकंप इन चट्टानों को तोड़ सकता है और हाइड्रोथर्मल तरल पदार्थ को क्वाट्र्ज दरारों में धकेल सकता है। लेकिन क्वाट्र्स एक विशेष प्रकार का खनिज है जिसे पीजोइलेक्ट्रिक कहा जाता है। इसका मतलब हुआ कि जब इस पर तनाव पड़ेगा जैसे भूकंप के दौरान तब यह एक इलेक्ट्रिक चार्ज पैदा करता है।

जब हाइड्रोथर्मल पदार्थ ऊपर चढ़ने लगते हैं, तभी इलेक्ट्रिक चार्ज तरल पदार्थ को ठोस सोने में बदलने लगता है और किसी एक जगह पर इकट्ठा हो जाता है।

समुद्र में डूब रहा मालदीव, क्या धरती के नक्शे से गायब हो जाएगा मुइज्जू का देश?

माले, 4 सितंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में समुद्र के बढ़ते जलस्तर और भयानक तूफानों की वजह से तटीय इलाके गंभीर खतरे का सामना कर रहे हैं। इसकी वजह से द्वीपीय देश और तटीय शहर खुद को बचाने के लिए कदम उठा रहे हैं। ये देश खुद को डूबने से बचाने के लिए समुद्री 'दीवाल' बना रहे हैं। इसके लिए वे समुद्र के तलछट से बालू निकाल रहे हैं और इसे समुद्री बीच पर फेंक रहे हैं। इन्हीं में से एक देश है मालदीव जिसे धरती पर स्वर्ग कहा जाता है।

मालदीव में 1200 द्वीप हैं और 900 किमी लंबी चेन है। मालदीव को बचाने के लिए अमेरिका का चर्चित संस्थान एमआईटी, सेल्फ असेंबली लैब और मालदीव का संगठन इन्वेना एक ज्यादा प्राकृतिक समाधान पर काम कर रही है। वे पानी के अंदर डूब जाने वाले ढांचे का इस्तेमाल करके द्वीपों की रक्षा के लिए सावधानी से चुने गए स्थानों पर रेत जमा करने के लिए समुद्र की शक्तियों का उपयोग कर रहे हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक इसके जरिए ये संगठन संभावित रूप से नए द्वीप भी विकसित कर रहे हैं। साल 2019 में इन संगठनों ने फील्ड टेस्ट किया था जहां पर लगभग सभी द्वीपों का क्षरण हो रहा था। मालदीव की राजधानी माले के दक्षिण में उथले पानी के अंदर कई प्रयोग किए गए थे। इसमें रेत को इकट्ठा करने के लिए रस्सी के एक जाल को कसकर बांधकर पानी में डुबोना, एक ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाना जो पानी के साथ छड़िके जाने पर कपड़े से कठोर कंक्रीट में बदल जाता है।

ब्राजील के बॉडीबिल्डर का 19 साल की उम्र में निधन

घर में मिला शव, हार्ट अटैक की आशंका

ब्रासिलिया, 4 सितंबर (एजेंसियां)। ब्राजील से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां 19 साल के बॉडीबिल्डर का निधन हो गया। उनका शव रविवार दोपहर उनके घर में मिला। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा कि दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई है। मोटापे से उबरने के लिए खेल शुरू करने के बाद मैथ्यूस पावलक ने सिर्फ पांच साल में ही अपने शरीर को बदल लिया था। वह नियमित रूप से प्रतिस्पर्धा करते थे और बॉडीबिल्डिंग समुदाय में एक उभरते हुए सितारे थे, खासकर दक्षिणी ब्राजील के सांता कैटरीना राज्य में, जहां वे रहते थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने हाल ही में क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में चौथा और छठा स्थान हासिल किया था। इसके अलावा, उन्होंने पिछले साल यू23 प्रतियोगिता जीती थी, जिससे अपने गृहनगर में मिस्टर

ब्लूमेनौ के नाम से फेमस हो गए।

पावलक की अचानक मौत से एनाबॉलिक एस्टेरॉयड पर सवाल उठने लगे हैं। सोशल मीडिया पर आलोचकों का कहना है कि स्टेरॉयड्स के इस्तेमाल की वजह से कम उम्र में दिल का दौरा पड़ने की खबरे आना आम हो गया है। इसी की वजह से हो सकता है कि पावलक की मौत हुई हो। वहीं कुछ लोग बचाव में उतर आए हैं। एक यूजर ने कहा, 'ऐसे इंसान कैसे मौजूद हो सकते हैं जो एक लड़के पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि वह खुद का बचाव करने के लिए नहीं आ सकता है। पावलक ने अपने बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच पर साझा की थीं। उन्होंने कहा था, 'कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका सपना कितना मुश्किल है। अगर आप वास्तव में इसे चाहते हैं, तो आप वहां पहुंचेंगे। मैंने किया।'

पावलक के पूर्व ट्रेनर लूकस चेगट्टी ने बॉडीबिल्डर के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर कहा कि आज का दिन बहुत ही दुख भरा है। एक अच्छा मित्र और शानदार शख्स के खोने के साथ ही यह दिन समाप्त हो रहा है।

उत्तर कोरिया का तानाशाह बाढ़ से 4000 लोगों की मौत पर भड़का

30 अधिकारियों को फांसी पर लटकाया

प्योंगयांग, 4 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया का तानाशाह किसी भी गलती या लापरवाही को सहन नहीं कर सकता है। इसका एक ताजा उदाहरण सामने आया है। दरअसल, हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ से देश बुरी तरह हिल गया। इस बाढ़ को रोक पाने में नाकाम रहने के कारण सुप्रीम नेता किम जोंग उन भड़क गए और 30 अधिकारियों को फांसी की सजा दे दी। हालांकि, इन लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले भी दर्ज थे। विनाशकारी बाढ़ ने चागांग प्रांत के कुछ हिस्सों को तबाह कर दिया। इसमें 4,000 से ज्यादा उत्तर कोरियाई लोग मारे गए थे। तानाशाह किम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। इस दौरान बाढ़ की भयावहता को देखकर वह क्रोधित हो गए। उन्होंने आव न देखा ताव,

तुरंत उबाढ़ में लापरवाही बरतने के आरोप में 30 अधिकारियों को फांसी की सजा दे दी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पार्टी के 20-30 प्रमुख व्यक्तियों को पिछले महीने के अंत में एक ही समय में फांसी दे दी गई थी।। इसके अलावा चागांग प्रांत के बर्खास्त पार्टी सचिव कांग बोंग-हून को भी इस परिस्थिति के लिए गिरफ्तार किया गया। वहीं, किम जोंग उन ने अधिकारियों से उन लोगों को सख्ती से दंडित करने को कहा, जो आपदा को रोकने की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया की सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने पहले खबर दी थी कि जुलाई में चागांग प्रांत में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद किम जोंग उन ने अधिकारियों को सख्त सजा देने का आदेश दिया था। इस बाढ़ में लगभग 4,000 लोगों की जान चली गई थी और 15,000 से अधिक लोग बेघर हो गए थे।

नॉर्थ कोरिया में किन अधिकारियों को फांसी दी गई, अब तक उनकी पहचान उजागर नहीं की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ आपदा के दौरान एक आपातकालीन बैठक में किम जोंग उन ने जिन नेताओं को बर्खास्त किया था, उनमें 2019 से चागांग प्रांत की प्रांतीय पार्टी समिति के सचिव कांग बोंग-हून भी शामिल थे।

'वन स्टेट वन इलेक्शन' के लिए कमेटियां बनाएगी सरकार

टल सकते हैं नवंबर में होने वाले चुनाव

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में वन स्टेट-वन इलेक्शन को लागू करने के लिए भजनलाल सरकार एक्शन मोड़ में आ गई है. इसके लिए सरकार कमेटियों का गठन करने जा रही है. ये कमेटियां जल्द से जल्द प्रदेश में वन स्टेट-वन इलेक्शन की संभावनाओं को तलाश कर सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी. माना जा रहा है कि इसके लिए कैबिनेट सब कमेटियां बनाई जाएगी, जो अलग-अलग मुद्दों पर सरकार को रिपोर्ट देगी.

विधानसभा का विशेष सत्र बुला सकती सरकार

यह भी माना जा रहा है कि इस दौरान सरकार एक्ट में बदलाव के लिए जरूरी कदम उठा सकती है. सरकार इस बदलाव के लिए ऑर्डिनेंस भी ला सकती है या फिर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर बिल पारित कर सकती है. हालांकि इस संबंध में अभी निर्णय लिया जाना बाकी है. राजस्थान सरकार की मंशा प्रदेश में 291 निकाय, 7 हजार पंचायतों में एक साथ चुनाव करवाने की है. सब कमेटी एक साथ चुनाव में आने वाली बाधाओं का अध्ययन करेगी, कानूनी बाधाओं को दूर करने के लिए कानूनविदों से रायशुमारी कर इसके अपनी अनुशंसा करेगी.

अभी टाले जा सकते हैं निकाय-पंचायत चुनाव

ऐसे में माना जा रहा है कि फिलहाल नवंबर में होने वाले नगरीय निकाय और पंचायतों के चुनाव टाले जा सकते हैं.

खासतौर पर ब्यावर, पुष्कर, नसीराबाद, टोंक, डीडवाना, मकराना, बीकानेर, चूरू, राजगढ़, श्रीगंगानगर, सूरतगढ़, हनुमानगढ़, अलवर, भिवाड़ी, थानागाजी, महुआ, सीकर, नीमकाथाना, खाटूश्यामजी, झुंझुनूं, बिसाऊ, पिलानी, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर नगरपरिषद, बालोतरा, सिरोही, माउंटआबू, पिण्डवाड़ा, शिवगंज, पाली, सुमेरपुर, जालोर, भीनमाल, कैथून, सांगोद, छबड़ा, मांगरोल, भरतपुर, रूपवास, उदयपुर, कानोड़, बांसवाड़ा, प्रतापपुरी गढ़ी, चितौड़गढ़, निम्बाहेड़ा, रावतभाटा, राजसमंद और आमेट में सहित 49 निकायों में इस नवंबर में बोर्ड कार्यकाल खत्म हो जाएगा. ऐसे में सरकार यहां की जिम्मेदारी प्रशासन को सौंप का कार्यकाल को आगे बढ़ा सकती है.

नहीं होगा बेनीवाल और बीएपी से गठबंधन!

डोटासरा बोले- 'उपचुनाव में सभी 6 सीटों पर कांग्रेस उतारेगी उम्मीदवार

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने डूंगरपुर दौरे के दौरान सागवाड़ा में पत्रकार वार्ता की. इस दौरान डोटासरा ने कहा कि उपचुनाव में कांग्रेस प्रदेश की सभी 6 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी. ऐसे में यह साफ़ दिख रहा है कि कांग्रेस हनुमान बेनीवाल और भारत आदिवासी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी. हालांकि गठबंधन के फैसले पर उन्होंने टालमटोल करते हुए कहा कि इसका फैसला कांग्रेस हाईकमान करेगा.

गोविंद सिंह डोटासरा डूंगरपुर जिले के दो दिवसीय दौरे पर रहे. दौरे के दूसरे दिन पीसीसी चीफ गोविंद सिंह ने सागवाड़ा में पत्रकार वार्ता करते हुए उपचुनाव को लेकर कांग्रेस की तैयारियों की जानकारी देने के साथ भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला. डोटासरा ने कहा कि उपचुनाव को लेकर संबंधित जिलों में जाकर कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि उपचुनाव में कांग्रेस सभी 6 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी.

हालांकि उन्होंने ये भी कहा की गठबंधन का फैसला आलाकमान करेगा. इस मौके पर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार के 9 माह के कार्यकाल को फ्लॉप बताया. उन्होंने कहा कि प्रदेश में ब्यूरोक्रेसी काम नहीं कर रही है. जनता के काम नहीं हो रहे हैं. विधायकों से को कोई पूछ नहीं रहा है. उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध और महंगाई कम नहीं हो रही है और अतिवृष्टि से फसलें खराब हो रही हैं. लेकिन पूछने वाला कोई नहीं है.

डोटासरा ने पेपर लीक प्रकरण पर कहा कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए. ऐसे लोगों पर सख्ती से कार्रवाई होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि पेपर लीक माफियाओं को जड़ से ख़त्म करने के लिए भाजपा सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए, कांग्रेस पार्टी ऐसे कदम के साथ रहेगी. इस मौके पर डोटासरा ने पेपर लीक का गढ़ बन चुके आरपीएससी के पुनर्गठन की भी बात कही है.

शिक्षा महकमे पर भी साधा निशाना

पत्रकार वार्ता में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रदेश में शिक्षा महकमे को लेकर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा मंत्री को शिक्षा से कोई लेना देना नहीं है. भाजपा सरकार में सरकारी स्कूलों में ढाई लाख नामांकन कम हुआ है. किसी वर्ग में डीपीसी नहीं हो रही है. नई शिक्षक भर्ती को लेकर बात कोई बात नहीं कर रहा.

एसआई भर्ती रद्द होगी या नहीं, दिल्ली दरबार तक पहुंचे सांसद

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा का भविष्य क्या होगा यह तो सीएम भजन लाल शर्मा ही तय करेंगे, लेकिन इस बीच राजस्थान के एक सांसद ने इस लोकल मामले को नेशनल बना दिया है। सांसद हनुमान बेनीवाल इस मामले को दिल्ली होम मिनिस्टर अमित शाह तक ले गए हैं और इस परीक्षा को जल्द से जल्द रद्द करने के बारे में पत्र दिया है। एक पत्र सीएम भजन लाल शर्मा को भी सौंपा गया है। सीएम भी इस बारे में फिलहाल अधिकारियों से वार्ता कर फैसला लेने की बात कर रहे हैं।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने लिखा है कि इस पूरे मामले में मुख्य कड़ी Rpsc के अध्यक्ष हैं। उनको जल्द से जल्द अरेस्ट करने की जरूरत है और साथ ही तुरंत प्रभाव से इस भर्ती परीक्षा को रद्द कर इसे दुबारा से कराने की आवश्यकता है। सांसद ने लिखा है कि इस परीक्षा में हुई धांधली के कारण लाखों बच्चों का भविष्य अंधकार में चला गया है। तुरंत प्रभाव से इस परीक्षा को रद्द करने की जरूरत है। इसी तरह का पत्र सीएम भजन लाल को भी सौंपा गया है।

उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा को लेकर सरकार पहले ही बैकफुट पर आ चुकी है। अभी आरपीए में ट्रेनी एसआई की ट्रेनिंग चल रही है और उधर एसओजी धड़ाधड़ गिरफ्तारी किए जा रही है। अब तक इस मामले में 42 एसआई पकड़े जा चुके हैं। अभी भी करीब बीस से ज्यादा एसओजी की रडार पर हैं और उनकी भूमिका संदिग्ध मिलते ही उनको अरेस्ट कर लिया जाएगा।

इस पूरे मामले में अब नए राज खुलने की उम्मीद है। दरअसल एसआई पेपर लीक के मास्टर माइंड रामू राम रायका को अरेस्ट करने के साथ ही शिक्षक भर्ती पेपर लीक के मास्टर माइंड बाबूलाल कटारा को भी इस केस में जोड़ा गया है। रामू राम ने कहा था कि उसे पेपर कटारा ने ही दिया था।

अब दोनो को आमने – सामने बिठाकर पूछताछ की तैयारी की जा रही है। दोनो ही लगातार रिमांड पर चल रहे हैं। रामूराम साल 2018 से 2022 तक आरपीएस सदस्य रहे हैं और कटारा साल 2020 से आरपीएससी सदस्य रहा है, लेकिन पेपर लीक में नाम आने के बाद साल 2022 के अंत में राज्यपाल ने उसे निलंबित कर दिया था।

आमरस के बहाने वसुंधरा राजे-घनश्याम तिवाड़ी ने एक-दूसरे पर किए कटाक्ष

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सिक्किम का राज्यपाल बनाए जाने के बाद ओम प्रकाश माथुर पहली बार जयपुर आए। इस दौरान बिड़ला सभागार में उनका अभिनंदन किया गया। इस मौके पर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने एक-दूसरे पर आमरस के बहाने कटाक्ष किए। समारोह में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने आमरस के बहाने वसुंधरा राजे पर कटाक्ष किया। उन्होंने वसुंधरा राजे का नाम लेते हुए कहा कि इनसे मेरा रिश्ता आमरस जैसा रहा है। कभी खट्टा तो कभी मीठा। तिवाड़ी ने इस दौरान पार्टी छोड़कर जाने की घटना का भी जिक्र किया।

वसुंधरा राजे जब भाषण देने आईं तो उन्होंने कहा कि घनश्याम तिवाड़ी के साथ बहुत काम किया। इसलिए समझ आता है कि ये क्या बोलना चाहते हैं। आमरस की बात मत कीजिए, ऐसा विवरण कभी नहीं सुना। उन्होंने कहा कि ओम माथुर चाहे कितनी ही बुलंदियों पर पहुंचे, इनके पैर सदा जमीन पर रहे हैं। कई लोगों को पीतल की लौंग क्या मिल जाती है, वह अपने आप को सराफ समझ बैठते हैं। ओम प्रकाश माथुर से ऐसे लोगों को सीख लेनी चाहिए कि 'चाहत बेशक आसमां छूने की रखो, पर पांव हमेशा ज़मीन पर रखो।

पंचायतों में घुमंतू आवासहीन परिवारों को आवासीय पट्टा जल्द होगा जारी

दो अक्टूबर से शुरू होगा अभियान

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में 2 से 10 रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर से सरकार पंचायतों में घुमंतू आवासहीन परिवारों को आवासीय पट्टे जारी करेगी। इसमें 300 वर्ग गज तक की जमीनें दी जाएंगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन गांवों में यह जमीनें दी जाएंगी, उनमें जनसंख्या का आधार 1991 की जनगणना को माना गया है। दो अक्टूबर से इस अभियान तहत पूरे प्रदेश में पट्टे वितरित किए जाएंगे।

हालांकि राज्य सरकार ने विमुक्त, घुमंतु और अर्धघुमंतु श्रेणी के आवासहीन परिवारों को पट्टे देने के अभियान की घोषणा तो पहले ही कर दी थी और सभी जिलों को निर्देश दिए थे कि 26 सितम्बर तक इन लाभार्थियों को चिन्हित कर पट्टा देने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। इसके बाद दो अक्टूबर को पूरे प्रदेश में इन परिवारों को एक साथ जमीनों के पट्टे दिए जाएंगे। यह जमीन रियायती दरों पर दिए जाने का निर्णय किया गया था। अब इन दरों का निर्धारण भी कर दिया गया है।

ग्रामीव विकास सचिव रवि जैन की ओर से जारी आदेश के अनुसार 1991 कर जनगणना के अनुसार जिन गांवों की आबादी एक हजार से कम है, वहां दो रूपए प्रति वर्ग मीटर, 1001 से दो हजार तक की आबादी वाले गांवों में पांच रूपए प्रतिवर्ग मीटर की दर से और इससे ज्यादा आबादी वाले गांवों को दस रूपए प्रति वर्ग मीटर की दर से भूमि आवंटित की जाएगी।

नागौर में बड़ा हादसा, करंट लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

नागौर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में बुधवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। कुचेरा थाना क्षेत्र के इग्यार गांव में करंट लगने से मां, बेटे व बहू की मौत हो गई। इस घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया है। वहीं, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जानकारी के अनुसार इग्यार निवासी हरेन्द्र 32 पुत्र हनुमान राम मेघवाल, उसकी पत्नी सीमा 25 और मां कंवराई उम्र 50 साल बाइक से खेत पर पशुओं का चारा लेने जा रहे थे।

तभी खेत में प्रवेश करने से ठीक पहले बिजली लाइन की चपेट में आ गए। करंट लगने से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीणों व परिजनों में आक्रोश

सूचना पर कुचेरा थानाधिकारी मुकेश चौधरी मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को कुचेरा राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की मोर्चरी में रखवाया। कुछ ही देर में अस्पताल की मोर्चरी के बाहर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

ग्रामीण व परिजन ने विद्युत लाइन को अवैध बताते हुए बिजली निगम के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। पुलिस ग्रामीणों से समझाइश में जुटी हुई है। हालांकि, अभी तक डिस्कॉम का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा।

कुछ नए जिलों पर संकट के बीच राजस्थान के कस्बे को जिला बनाने की मांग

दौसा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महुवा विधायक राजेंद्र मीना ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर महुवा को जिला बनाने की मांग की है।

विधायक ने पत्र में बताया कि महुवा जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21 पर स्थित दौसा जिले का प्रमुख शहर है। यह पूर्वी राजस्थान का सड़क यातायात का प्रमुख जंक्शन है।

कारोबार एवं व्यापार के दृष्टिकोण से यह कस्बा आस-पास के लगभग 70-80 किमी तक के क्षेत्र की जनसंख्या के रोजमर्रा की खरीददारी एवं लोगों आवागमन का प्रमुख केंद्र है। महुवा कस्बा दौसा जिला मुख्यालय से लगभग 70 किमी दूरी पर है एवं तहसील के दूरदराज के गांवों के लिए जिला मुख्यालय की दूरी 100-120 किमी तक है। अधिकतर सरकारी कार्यालय भी संचालित हैं।

ऐसे में महुवा को जिला मुख्यालय के रूप में क्रमोन्नत कर दिया जाए तो आस-पास की लगभग 8-9 लाख की आबादी की जनसंख्या की अपने जिला मुख्यालय की दूरी कम हो जाएगी। उन्होंने बताया कि महुवा मुख्यालय को जिले में क्रमोन्नत करने पर भुसावर, वल्लभगढ़, हलैना, खेरली, मेहन्दीपुर बालाजी, टोडाभीम, मानपुर, सिकराय आदि क्षेत्रों को इस जिले में शामिल करते हुए जो नवसृजित जिले का गठन होगा वह भौगोलिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक, प्रशासनिक दृष्टिकोण से बेहद रणनीती पूर्ण एवं क्षेत्र की लगभग 10 लाख की जनसंख्या के लिए हितकारी सिद्ध होगा।

हनुमानगढ़ की घटना पर क्यों आग बबूला हुई मायावती?

बेनीवाल- डोटासरा भी सरकार पर बरसे

हनुमानगढ़, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के हनुमानगढ़ के संगरिया थाना क्षेत्र के एक गांव से बहलाकर दो नाबालिग बहनों को ले जाने एवं सामूहिक बलात्कार के मामले में पुलिस ने दोनों पीड़िताओं व उनके माता-पिता के 161 में बयान दर्ज किए। साथ ही प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई। अब बुधवार को पीड़िताओं के न्यायालय में बयान होंगे। इस घटना ने अब तूल पकड़ लिया है।

बसपा प्रमुख बहन मायावती ने सरकार से दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी करने की मांग की है। वहीं, आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर ने इस मामले को लेकर बच्ची के बेहतर ईलाज के साथ मामले की सीबीआई जांच और लापरवाह पुलिसकर्मियों पर सख़्त कार्यवाही करने की मांग रखी।

बहन मायावती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि 'राजस्थान में भी महिला सुरक्षा का हाल बेहाल है। हनुमानगढ़ जिले की नायक समाज की दो नाबालिग बहनों के साथ 40 दिनों तक दुष्कर्म की हुई घटना अति-दुःखद व निंदनीय। सरकार दोषियों के विरूद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करें और साथ ही ऐसे उपाय भी जरूर करें । जिससे ऐसी वारदातें आगे न हो पाएं।' नाबालिग बहनों से सामूहिक दुष्कर्म के इस प्रकरण को नागौर से लोकसभा सांसद हनुमान बेनीवाल ने राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर उठाया है। पुलिस के महानिदेशक व हनुमानगढ़ के जिला पुलिस अधीक्षण से दूरभाष पर वार्ता कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने को कहा। उधर, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस घटना को बेहद शर्मनाक बताया है और सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

उधर, चंदशेखर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'राजस्थान के हनुमानगढ़ में संगरिया तहसील के गांव नुकेरा में नायक समाज की दो सगी नाबालिग बहिनों को घर से उठाकर ले जाने और 40 दिनों तक बारी-बारी से अलग-अलग जगह ले जाकर तकरीबन 25-30 लोगो ने सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना, बहशीपन की भयावहता को बता रही हैं, मैं निशब्द हूं।

उन्होंने आगे लिखा कि 'एक बच्ची की हालात गंभीर है उपचार के लिए राजकीय चिकित्सालय में भर्ती है। मैं सरकार से बच्ची के बेहतर ईलाज के साथ मामले की सीबीआई जांच और लापरवाह पुलिसकर्मियों पर सख़्त कार्यवाही की मांग करता हूं।' हनुमानगढ़ जिले में दो सगी नाबालिग बहनों को 40 दिन तक अगवा करके उनके साथ दुष्कर्म किया गया। 20 जुलाई को अपने गांव से लापता हुई इन बहनों को संगरिया पुलिस ने हरियाणा के आदमपुर से बरामद किया है।

एएसपी नीलम चौधरी ने बताया कि दोनों पीड़िताओं व उनके माता-पिता के 161 में बयान दर्ज कर लिए गए हैं। जल्दी ही पुलिस जांच दल मामले की पड़ताल को हरियाणा जाएगा।

सोशल मीडिया से सीखा एटीएम काटने का तरीका

8 मिनट में 5 लाख की लूट की वारदात में हुआ चौंकाने वाला खुलास

अजमेर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर के किशनगढ़ में गैस कटर से एचडीएफसी बैंक के एटीएम बूथ से मशीन काटकर पौने 5 लाख की लूट की वारदात करने वाले मेव गिरोह को गांधीनगर थाना पुलिस ने एसपी स्पेशल टीम के सहयोग से दबोचने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने गिरोह के तीन गुर्गों को दबोचकर वारदात में इस्तेमाल कार बरामद की। गिरोह ने गैस कटर से एटीएम काटने का तरीका सोशल मीडिया पर वीडियो देखकर सीखा था। गैंग ने वारदात में केवल 8 मिनट लगाए थे। पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार विश्नोई ने बताया कि गांधीनगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गैस कटर से एटीएम मशीन काटकर लूट की वारदात अंजाम देने वाले मेव गिरोह के हरियाणा नूह पीनगवा औथा निवासी जान मोहम्मद उर्फ फिराजे मेव (46), भरतपुर डीग कामां उदाका निवासी साजिद मेव (23) व अलवर तिजारा सिरोली कला निवासी राशीद उर्फ युसूफ (31) को किशनगढ़ रोडवेज बस स्टैंड से गिरफ्तार किया।

विश्नोई ने बताया कि 14 अगस्त को गांधीनगर थाना क्षेत्र में मार्बल सिटी हॉस्पिटल में एचडीएफसी के एटीएम बूथ की मशीन काटकर केश-ट्रे समेत 4 लाख 73 हजार की नकदी लूटी गई थी। शाखा प्रबंधक मितुल कुमार जानी ने लूट का मुकदमा दर्ज करवाया था। अपराधियों को पकड़ने के लिए एएसपी(ग्रामीण) दीपक कुमार के सुपरविजन में सीओ किशनगढ़ महिपाल चौधरी, गांधीनगर थाना प्रभारी सुरेश कुमार सोनी की संयुक्त टीम गठित की गई।

एसपी विश्नोई ने बताया कि विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्य, वारदात का तरीका, चालानशुदा अपराधियों से पूछताछ कर घटनास्थल पर मिले साक्ष्य का तकनीकी विश्लेषण कर संदिग्धों की पहचान कर आने-जाने के रूट की आसूचना जुटाई। आरोपियों को चिह्नित कर उनके ठिकानों पर दबिश दी लेकिन हाथ नहीं लगे। सोमवार रात गिरोह के फिर से किशनगढ़ के पास होने की सूचना पर रोडवेज बस स्टैण्ड के पास घेराबंदी कर तीनों को दबोचा। पुलिस को गिरोह के बाकी साथियों की तलाश है। आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी एटीएम चोरी के कई प्रकरण दर्ज हैं।

भारी बारिश, रेलवे ट्रैक बहा, नेशनल हाईवे बंद

ट्रेनें कैंसिल, जोधपुर-उदयपुर में हालात बिगड़े

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में लगातार हो रही बारिश के कारण एक बार फिर से हालात बिगड़े गए हैं. बीते 2 दिनों से लगातार बारिश के चलते कई गांवों का संपर्क टूट गया तो कई स्टेट हाईवे को भी बंद करना पड़ा है.

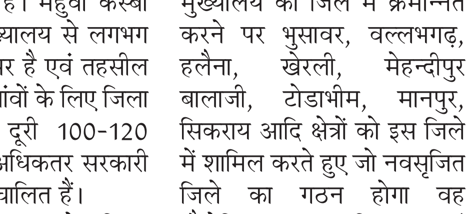

राजस्थान में एक बार फिर से मानसून सक्रिय हो गया है. बीते 2 दिनों से राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी है. मूसलाधार बारिश के कारण तालाब सड़कें जलमग्न हो गईं हैं. यहीं नहीं कई गांवों का संपर्क कट गया है. जोधपुर में तो भारी बारिश के चलते रेलवे ट्रैक बह गया, जिससे गई ट्रेनें प्रभावित हो गईं. उधर लगातार पानी की आवक के चलते राज्य के सबसे बड़े डैम के 4 गेट खोलने पड़ गए. मौसम विभाग ने राजस्थान के कई हिस्सों में अगले 4-5 दिन मानसून सक्रिय रहने की संभावना जताई है.

अगले 4-5 दिन भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में मेघगर्जन के साथ मूसलाधार बारिश दर्ज की गई. राज्य में बीते 24 घंटे के दौरान उदयपुर के ऋषभदेव में सबसे ज्यादा 167 मिमी बारिश हुई है. आज (04 सितंबर) जोधपुर, उदयपुर, कोटा, जयपुर और बीकानेर समेत कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है. मौसम विभाग ने बताया कि पूर्वी राजस्थान के अधिकांश भागों में अगले 4-5 दिन मानसून सक्रिय रहने और कहीं-कहीं भारी बारिश की गतिविधियां रहने की संभावना है.

बारिश के कारण रेलवे ट्रैक बहा

जोधपुर में सुबह 3 घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश के बाद में चलते रेलवे पटरी के नीचे से गिट्टी निकल कर बह गई. जैसलमेर काठगोदाम रेल सेवा को परिवर्तित मार्ग से चलाया जा रहा है. इसके अलावा जोधपुर आशापुरा गोमट जोधपुर रामदेवरा मेला स्पेशल अप एंड डाउन और जोधपुर जैसलमेर डेमो ट्रेन भी बारिश के चलते रद्द कर दी गई है. वहीं, उदयपुर में पानी की तेज आवक के चलते मोरवानिया के नजदीक पुलिया टूट गई, जबकि लगातार हो रही बारिश के कारण नेशनल हाईवे 48 पर पानी भर जाने से जाम लग गया. पानी में फंसी गाड़ियों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया.

बूंदी में स्टेट हाईवे बंद

बूंदी में बारिश के चलते हालत खराब हो गए. जिले में पिछले 24 घंटे के भीतर 9 इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई है. गुढ़ा बांध के गेट खोले जाने से मेज नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है. जयपुर नैनवां मार्ग पर खटकड़ पुलिया पर 2 फीट पानी आ जाने के चलते मार्ग को बंद करना पड़ा. इसी तरह नैनवा इलाके में कनक सागर बांध ओवरफ्लो होने के कारण गांव में कनक सागर का पानी गावों में घुस गया और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए. नमांना क्षेत्र के श्यामू गांव में भारी बारिश के चलते नदी की पुलिया पर 4 फीट पानी आ गया. रास्ता बाधित हो जाने से 12 से अधिक गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क कर गया.

हटाए जाएंगे एलएमडी गेट

करीमनगर, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने लोअर मनैर बांध (एलएमडी) से पानी छोड़ने का फैसला किया है, क्योंकि पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश के कारण परियोजना में भारी मात्रा में पानी आ रहा है। अधिकारियों ने एलएमडी के निचले हिस्से में स्थित मनैर नदी के जलग्रहण क्षेत्र के गांवों में रहने वाले लोगों को सतर्क कर दिया है तथा उनसे नदी के पास न जाने को कहा है।

कार्यकारी अभियंता (ईई) पी नागभूषण राव ने कहा कि बाढ़ के द्वारों को उठाकर एलएमडी से पानी छोड़ने का मौका था, क्योंकि पिछले कुछ दिनों के दौरान जलाशय के जलग्रहण क्षेत्र के साथ-साथ उत्तरी तेलंगाना में भारी बारिश के बाद परियोजना में भारी प्रवाह हो रहा था। उन्होंने राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों से एहतियाती कदम उठाने तथा गांवों में सार्वजनिक घोषणाएं करने को कहा। ई.ई. ने मछुआरों, चरवाहों और किसानों को नदी के पास न जाने की सलाह दी।

तेलंगाना का शीर्ष माओवादी माचेरला एसोबू छत्तीसगढ़ में मारा गया

कोत्तागुडेम, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। छत्तीसगढ़ में पुलिस बलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी नेता मचेरला एसोबू उर्फ जगन उर्फ दादा रणदेव उर्फ रणधीर मारा गया, जिस पर 25 लाख रुपये का नकद इनाम था। रणदेव सीपीआई (माओवादी) पार्टी की केंद्रीय सेना और महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा के प्रभारी थे। वह दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) के सदस्य थे और हनमकोंडा जिले के काजीपेट मंडल के टेकुलागुडेम गांव के रहने वाले थे। वह 1980 में माओवादी आंदोलन में शामिल हुए और माओवादी केंद्रीय समिति में एक महत्वपूर्ण पद पर पहुँचकर प्रमुखता से उभरे।

दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मंगलवार को मुठभेड़ में रणधीर की मौत हो गई। रणधीर ने पिछले साल अपनी

पत्नी मचरला लक्ष्मक्का की बीमारी से मृत्यु पर एक खुला शोक संदेश लिखा था और उनके तीन बच्चे हैं। रणदेव की मौत से टेकुलागुडेम में मातम पसर गया। परिवार के सदस्यों ने मीडिया को बताया कि अंतिम संस्कार के लिए उनका शव छत्तीसगढ़ से टेकुलागुडेम लाया जाएगा। दंतेवाड़ा एसपी राय ने बताया कि रणधीर उन 9 वर्दीधारी माओवादियों में शामिल है, जो दंतेवाड़ा जिले के लोहेगांव, पुरंगेल और अंद्री सीमावर्ती क्षेत्रों तथा किरंदुल थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीजापुर के जंगलों में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में मारे गए।

दंतेवाड़ा जिला रिजर्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स और सीआरपीएफ 111 बटालियन और 230 बटालियन यंग प्लाटून के संयुक्त अभियान में पीएलजीए कंपनी नंबर 2, पश्चिम-बस्तर डिवीजन और दरभा डिवीजन के माओवादियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति की सूचना के आधार पर अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिला पुलिस बल, डीआरजी और केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों के समन्वित प्रयास से वर्ष 2024 तक अब तक 153 नक्सलियों का सफाया किया गया है, 669 को गिरफ्तार किया गया है तथा 656 ने आत्मसमर्पण किया है।

केबीआर पार्क में गणेश भगवान की पूजा

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केबीआर पार्क बंजारा हिल्स में गणेश भगवान की पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, विट्ठल दास अग्रवाल, अशोक लखोटिया, प्रमोद सरायवाला, गोपाल बलदेव, प्रवीण अग्रवाल, राम गोयल, डॉक्टर राधा कृष्ण, राहुल सिंहल, विजय तुंबी, पी.सी. जैन, डॉ. बालाजी, अशोक रुंगटा, सुरेंद्र मोहन, विनोद टिकमानी, मोहन मित्तल, संध्या अग्रवाल, संतोष अग्रवाल आदि।

सिरसिला में 13 भेड़ों की करंट से मौत

राजन्ना-सिरसिल्ला, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुस्ताबाद मंडल के अवनूर में बुधवार को शॉर्ट-सर्किट के कारण 13 भेड़ों की मौत हो गई। मंगलवार की रात को चरवाहे बथुला मल्लेश यादव ने अपनी भेड़ों को मवेशीखाने में छोड़ दिया था। अगली सुबह 13 भेड़ें मृत पाई गईं। ग्रामीणों ने बताया कि शॉर्ट-सर्किट के कारण जानवरों की मौत हो गई। ग्रामीण चाहते थे कि सरकार मल्लेश यादव को सहायता प्रदान करे, जो अपनी बीमार मां के ऑक्सीजन सपोर्ट पर होने के कारण आर्थिक संकट में था।

बाढ़ से हुई मौतों की संख्या कम बताने पर भड़की बीआरएस

केटीआर ने की कांग्रेस सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने हाल ही में आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या कम बताने के लिए राज्य सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को आगाह किया कि वे झूठ बोलना बंद करें और जनता को सही जानकारी दें। उन्होंने बाढ़ में केवल 16 लोगों की मृत्यु की पुष्टि करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की, जबकि विभिन्न घटनाओं में कम से कम 31 लोगों की मृत्यु हुई, जिनमें डूबना, बह जाना, दीवार, छत गिरना आदि शामिल हैं।

रामा राव ने प्रत्येक मृतक के नाम, पते और मृत्यु के कारणों को सूचीबद्ध करते हुए कहा कि मैं तेलंगाना सरकार से झूठ बोलना बंद करने का अनुरोध करता हूं। आपने कल घोषणा की थी कि केवल 16 लोग मारे गए हैं, लेकिन कृपया अपनी टीम से इस सूची की जांच करने और सभी परिवारों की मदद करने के लिए कहें।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कई जिलों में मौतें हुईं: खम्मम में छह, भद्राद्री कोत्तागुडेम में पांच, और सूर्यापेट, महबूबाबाद, मुलुगु, नारायणपेट, सिद्दीपेट और रंगा रेड्डी जिलों में दो-दो मौतें हुईं। इसके अलावा, वारंगल, हनमकोंडा, निर्मल, नागरकुर्नूल, वानापर्थी, पेद्दापल्ली, करीमनगर और कामारेड्डी जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई।

रामा राव ने आपदा से निपटने के सरकार के तरीके की आलोचना की और आरोप लगाया कि सरकार ने या तो अज्ञानता दिखाई या फिर जानबूझकर मामले को छुपाया। उन्होंने कहा कि अगर आपने गलत डेटा जारी किया है क्योंकि आपको जानकारी नहीं है - तो मुझे आप पर दया आती है! और अगर आपने गलत डेटा जारी किया है क्योंकि आप अपनी कमियों को छुपाना चाहते हैं - तो मुझे आपसे घृणा है! आपको शर्म आनी चाहिए।

उन्होंने मांग की कि सरकार प्रभावित परिवारों से माफ़ी मांगे और अपने प्रियजन को खोने वाले प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये का मुआवज़ा दे, जैसा कि कांग्रेस ने विपक्ष में रहते हुए वादा किया था। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इन मौतों के बारे में झूठ बोलने के लिए भी कोई आपको माफ़ नहीं करेगा। उन्होंने सरकार से 'शर्मनाक राजनीति' बंद करने और जानमाल के नुकसान की ज़िम्मेदारी लेने का आग्रह किया।

तेलंगाना सरकार ने अभी तक नहीं सौंपी बाढ़ की स्थिति की रिपोर्ट : केंद्र

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाढ़ प्रभावितों को शीघ्र राहत सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा सक्रिय रूप से आगे बढ़ने के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के दावों के विपरीत, गृह मंत्रालय ने कहा है कि राज्य सरकार ने अभी तक बाढ़ पर स्थिति रिपोर्ट भी प्रस्तुत नहीं की है, इसके अलावा राज्य आपदा प्रतिक्रिया निधि में केंद्र का हिस्सा जारी करने के लिए आवश्यक दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए हैं।

मंगलवार को मुख्य सचिव ए शांति कुमारी को लिखे पत्र में गृह मंत्रालय के आपदा प्रबंधन प्रभाग के निदेशक आशीष वी गवई ने राज्य सरकार से स्थापित प्रक्रिया के तहत ब्यौरा प्रस्तुत करने को कहा। 31 अगस्त से कुछ जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है और भारी बारिश के कारण इन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सूचना है। हालांकि, स्थापित प्रक्रिया के अनुसार गृह मंत्रालय के नियंत्रण कक्ष में अभी तक कोई औपचारिक स्थिति रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

राज्य महालेखाकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, 2024-25 के दौरान प्रभावित क्षेत्रों में राहत प्रबंधन के लिए 1 अप्रैल, 2024 तक राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) खाते में 1,345.15 करोड़ रुपये उपलब्ध थे। उन्होंने कहा कि हमारे रिकॉर्ड से यह देखा गया है कि राज्य सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए एसडीआरएफ के तहत केंद्रीय हिस्सा जारी करने के लिए अपेक्षित जानकारी प्रस्तुत नहीं की है। उन्होंने कहा कि 2022-23 के लिए एसडीआरएफ के केंद्रीय हिस्से की 188.80 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त राज्य सरकार को 10 जुलाई, 2023 को जारी की गई थी। इसके अलावा, 2023-24 के लिए एसडीआरएफ के केंद्रीय हिस्से की 198 करोड़ रुपये की दोनों किस्तें भी राज्य सरकार को क्रमशः 13 मार्च, 2024 और 28 मार्च, 2024 को जारी की गईं।

2024-25 के लिए एसडीआरएफ के केंद्रीय हिस्से की पहली किस्त 208.40 करोड़ रुपये 1 जून से जारी होने वाली थी।

हालांकि, राज्य सरकार ने रिलीज के लिए कोई अनुरोध नहीं किया था और न ही पहले जारी की गई धनराशि, अर्जित ब्याज, उपयोग प्रमाण पत्र आदि के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की थी। गृह मंत्रालय के आपदा प्रबंधन निदेशक यह भी चाहते थे कि राज्य सरकार राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) में संबंधित अधिकारियों को नियमित आधार पर प्राकृतिक आपदाओं पर दैनिक स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दे। गृह मंत्रालय के अधिकारी ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने राज्य में बचाव और राहत कार्यों के लिए एनडीआरएफ की सात टीमों को नावों और जीवन रक्षक उपकरणों के साथ तैनात किया है।

पटरियों पर भरा पानी, सिकंदराबाद-गुंटूर मार्ग पर ट्रेन सेवाएं रद्द

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारी बारिश और पटरियों पर जलभराव के कारण दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने 5 सितंबर को चलने वाली कुछ ट्रेन सेवाओं को रद्द कर दिया है। तदनुसार, सिकंदराबाद-गुंटूर (12706) और गुंटूर-सिकंदराबाद (12705) सेवाएं रद्द कर दी गई हैं।

एकतरफा विशेष रेलगाड़ियां

एससीआर 4 सितंबर को सिकंदराबाद-दानापुर (07649) के बीच एकतरफा विशेष ट्रेन भी चलाएगा।

इस ट्रेन में प्रथम एसी सह द्वितीय एसी, एसी II टियर, एसी III टियर, स्लीपर श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे।

वेमुलावाड़ा मंदिर को 'श्रवण मास' में 6.87 करोड़ का प्राप्त हुआ राजस्व

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर, वेमुलावाड़ा ने श्रावण मास के दौरान कुल 6.87 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। भगवान शिव के मंदिर में दर्शन के लिए इस महीने को शुभ माना जाता है, इसलिए राज्य के विभिन्न भागों के साथ-साथ पड़ोसी आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए आए। रविवार, सोमवार और शुक्रवार को खास तौर पर भीड़ अधिक रही। मंदिर में 4.5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन

किए, जिससे विभिन्न रूपों में 6,87,22,090 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

मंदिर में होने वाले प्रसिद्ध अनुष्ठान कोडमोक्कु से सर्वाधिक 1,74,76,600 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि इसके बाद लड्डू प्रसाद से 1,35,81,500 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। गेस्ट हाउस से मंदिर को 43,80,497 रुपए की आय हुई, जबकि कल्याण टिकट से 34,44,000 रुपए की आय हुई। अभिषेकम से 21,16,500 रुपए की आय हुई, जबकि केशकांदना से 15,22,700 रुपए की आय हुई। हाल ही में शुरू किए गए ब्रेक दर्शन टिकट से 12,33,000 रुपये, गुड़ लाइसेंस से 10,47,458 रुपये और बद्दीपोचम्मा टिकट से 9,92,195 रुपये की आय हुई। भीमेश्वर मंदिर को 3,06,720 रुपये का राजस्व मिला, जबकि सत्यनारायण व्रतम टिकट से 1,86,000 रुपये की आय हुई।

भालू के हमले में चरवाहा घायल

मंचेरियल, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को हाजीपुर मंडल के गुडीपेट गांव के बाहरी इलाके में एक सिंचाई परियोजना के पास लापता हुई अपनी भेड़ की तलाश कर रहे एक चरवाहे पर एक भालू ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। गुडीपेट के नागराजू के चेहरे पर चोटें आईं जब एक सुस्त भालू ने उन पर सिंचाई परियोजना के दौरान हमला कर दिया। यह परियोजना जंगल से सटी हुई है। हालांकि, जब किसान मौके पर पहुंचे और भालू को डराने के लिए शोर मचाया तो वह बच गया। शोर के कारण जंगली जानवर नागराजू को छोड़कर जंगल में वापस चला गया। नागराजू को मंचेरियल के एक अस्पताल में ले जाया गया और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

सरकारी यूनानी डिस्पेंसरी से चोर सामान लेकर हो गए फरार

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात चोरों ने चंचलगुडा स्थित सरकारी यूनानी डिस्पेंसरी में सेंध लगाई और इमारत से सामान चुराकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, चोरों ने इमारत के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ दिया और परिसर से लैपटॉप और अन्य सामान चुरा ले गए। चोरी का पता बुधवार को तब चला जब कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर आए और उन्होंने मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ पाया। परिसर में प्रवेश करने के बाद उन्होंने देखा कि अलमारी क्षतिग्रस्त थी और लैपटॉप तथा अन्य सामान गायब था। सूचना पर पुलिस और सुराग टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। सुराग टीम ने दरवाजे और अलमारी से फिंगरप्रिंट एकत्र किए। मामला दर्ज कर लिया गया है।

टैंक बंड पर गणेश प्रतिमा सड़क पर गिरने से यातायात बाधित

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को टैंक बंड में एक गणेश प्रतिमा ट्रॉली से सड़क पर गिर जाने के कारण यातायात धीमा हो गया। विशाल मूर्ति को धूलपेट से अलवाल ले जाया जा रहा था, तभी टैंक बंड में यह सड़क पर गिर गई। स्थानीय यातायात पुलिस और लोगों ने मूर्ति को सड़क से हटाकर सड़क किनारे रख दिया। यातायात पुलिस ने दुर्घटना पर काबू पाकर कुछ ही मिनटों में यातायात सुचारू कर दिया।

ब्लैकमेलर ने बिल्डरों से मांगे 20 लाख, अरेस्ट

खुद को हाइड्रा कमिश्नर का बता रहा था करीबी

संगारेड्डी, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के डर का फायदा उठाते हुए एक फिजियोथेरेपिस्ट ने एक निर्माण कंपनी को ब्लैकमेल किया और उसके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए विध्वंस एजेंसी को बुलाने की धमकी देकर 20 लाख रुपये की मांग की। हालांकि, कंपनी के मालिक ने ब्लैकमेलर के बारे में पुलिस को सूचित कर दिया और उसे शिकायतकर्ता से 2 लाख रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

आरोपी डॉ. बंदला विप्लव सिन्हा (42) अमीनपुर नगरपालिका के सेल विला कॉलोनी में रहता था। हाइड्रा ने नालों और झीलों के पास अवैध निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया, इसलिए विप्लव ने इसे बिल्डरों को धमकाने के अवसर के रूप में देखा। चूंकि एमसीओआर बिल्डरों ने अमीनपुर क्षेत्र में विला का निर्माण किया था, इसलिए विप्लव ने इस अवसर का फायदा उठाने का फैसला किया। हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ 14 अगस्त को अमीनपुर के विभिन्न हिस्सों में अतिक्रमण देखने के लिए अमीनपुर गए थे। उसी रात विप्लव ने एमसीओआर प्रतिनिधि राजेंद्र को फोन किया और अतिक्रमण का आरोप लगाते हुए रंगनाथ को जानकारी लीक करने की धमकी दी।

उसने राजेंद्र को 18 अगस्त को मिलने के लिए बुलाया और रंगनाथ की एक तस्वीर दिखाते हुए दावा किया कि वह वरिष्ठ अधिकारी का बहुत करीबी है। उसने निर्माण कंपनी के बारे में नकारात्मक खबरें अखबारों में छपवाने की धमकी भी दी। रंगनाथ के साथ सब कुछ 'मैनेज' करने का आश्वासन देते हुए उसने 20 लाख रुपये की मांग की। इसके बाद 25 अगस्त को विप्लव ने बिल्डर के साथ 16 लाख रुपए में डील की। हालांकि, बिल्डर ने अमीनपुर पुलिस को इसकी जानकारी दे दी। पुलिस अधीक्षक चेन्नुरी रूपेश के निर्देश पर अमीनपुर पुलिस और टास्क फोर्स ने मंगलवार को राजेंद्र और उसके बिजनेस पार्टनर मंजूनाथ रेड्डी से 2 लाख रुपए लेते हुए विप्लव को पकड़ लिया। पुलिस ने विप्लव के खिलाफ भादंस की धारा 308 (5) के तहत जबरन वसूली का मामला दर्ज कर लिया है। उसे बुधवार को अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हैदराबाद-विजयवाड़ा मार्ग पर 10 प्रतिशत की छूट

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर दो तेलुगु राज्यों के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के वित्तीय बोझ को कम करने के लिए, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने सभी राजधानी एसी और सुपर लक्जरी बसों में हैदराबाद-विजयवाड़ा मार्ग पर 10 प्रतिशत की छूट देने का फैसला किया है। आरटीसी अधिकारियों ने बताया कि हैदराबाद-विजयवाड़ा मार्ग पर यात्रियों की भारी आवाजाही होती है, खासकर सप्ताहांत के दौरान, इसलिए उनके वित्तीय बोझ को कम करने के इरादे से कुछ उच्च-स्तरीय सेवाओं पर छूट देने का फैसला किया गया। यह रियायत हैदराबाद से विजयवाड़ा तक और इसके विपरीत लागू है।

उदाहरण के लिए, अगर कोई यात्री हैदराबाद से विजयवाड़ा तक राजधानी एसी सेवा से यात्रा करना चाहता है, तो उसे विजयवाड़ा तक के टिकट पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इस छूट से प्रति यात्री कम से कम 50 से 100 रुपये की बचत होने की उम्मीद है। टीजीएसआरटीसी के अधिकारियों ने बताया कि निगम पहले से ही अग्रिम आरक्षण कराने वाले यात्रियों को रियायतें दे रहा है। अधिक जानकारी के लिए यात्री टीजीएसआरटीसी के कॉल सेंटर नंबर - 040-69440000 या 040 - 23450033 पर संपर्क कर सकते हैं या टिकट आरक्षण के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.tsrtconline.com पर क्लिक कर सकते हैं।

वेमुला वीरेशम और अन्य विधायकों ने स्पीकर से दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नकरेकल विधायक वेमुला वीरेशम के नेतृत्व में विधायकों के एक दल ने बुधवार को यहां मंत्री आवास में विधानसभा अध्यक्ष जी प्रसाद कुमार से मुलाकात की और प्रोटोकॉल मुद्दे पर शिकायत दर्ज कराई।

उनके साथ माणकोंदुर विधायक कव्वमपल्ली सत्यनारायण और मिर्यालगुडा विधायक बी लक्ष्मा रेड्डी भी थे।

30 अगस्त को सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने भुवनगिरी विधानसभा क्षेत्र में समीक्षा बैठक की। जब नकरेकल विधायक मंत्रियों को रिसीव करने के लिए हेलीपैड पर पहुंचने की कोशिश कर रहे थे, तो पुलिस अधिकारियों ने उन्हें रोक दिया और अनुमति देने से मना कर दिया। पुलिस अधिकारियों की मनमानी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए नकरेकल विधायक कार्यक्रम स्थल से चले गए।

घटना की निंदा करते हुए तीनों विधायकों ने अध्यक्ष से मुलाकात की और विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए वेमुला वीरेशम ने पूछा कि अगर पुलिस अधिकारी हमें पहचान नहीं सकते, तो वे हमें सुरक्षा कैसे देंगे? ऐसा किसी भी विधायक के साथ नहीं होना चाहिए। स्पीकर प्रसाद कुमार ने प्रोटोकॉल उल्लंघन की जांच कराने का आश्वासन दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने आरोप लगाया कि डीसीपी और एसीपी सहित वरिष्ठ रैंक के अधिकारियों ने प्रोटोकॉल नियमों का उल्लंघन किया और कांस्टेबलों को बलि का बकरा बनाया जा रहा है।

मिर्यालगुडा विधायक बी लक्ष्मी रेड्डी ने कहा कि वेमुला वीरेशम को अपमानित किया गया।

लोगों को दोस्ताना पुलिसिंग पर भरोसा होना चाहिए और अधिकारियों को प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्पीकर से अपील की गई है कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। कव्वमपल्ली सत्यनारायण ने कहा कि दलित विधायकों को पुलिस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा परेशान किया जा रहा है।

ग्रामीण विकास के लिए मीडिया की भूमिका महत्वपूर्णः रेड्डी

हैदराबाद , 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रामीण विकास के लिए मीडिया विषय पर मास्टर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ आज राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान हैदराबाद में हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सुधाकर रेड्डी उडूमुला ने कहा कि नई तकनीक, सोशल मीडिया पर उपलब्ध विभिन्न साफ्टवेयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके ग्रामीण विकास संबंधी समाचार को बेहतर बनाया जा सकता है। गूगल पर उपलब्ध अनेक पोर्टल से समाचार की सच्चाई का पता लगा सकते हैं क्योंकि इस समय सोशल मीडिया पर इतनी सूचनाएं आ रही है कि उनमें से सच्ची और अच्छी खबरों की पहचान करना बहुत जरूरी है।

4 सितंबर से 6 सितंबर तक चलने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम में विकास पत्रकारिता में रुचि रखने वाले 12 राज्यों के 40 से अधिक पत्रकारों के साथ ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से जुड़े अधिकारी भी शामिल रहे हैं।

मास्टर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान तीन दिन तक अलग अलग सत्रों में विषय विशेषज्ञ डॉक्टर एन एस आर प्रसाद , डॉक्टर राधिका रानी , डॉक्टर सी कार्थिरसन , डॉक्टर भांजा , डॉक्टर संध्या गोपकुमारन , प्रोफेसर रविंद्र गवली , डॉक्टर सी धीरज , डॉक्टर सत्यरंजन महाकुल , डॉक्टर रवि बाबू , डॉक्टर पी पी साहू , डॉक्टर ज्योति प्रकाश मोहंती , डॉक्टर वानीश्री जोसेफ , प्रोफेसर ज्योतिस सत्यपालन , डॉक्टर ए रमेश , अपने विचार प्रकट करेंगे।

इस बारे में संस्थान की प्राध्यापक आकांक्षा शुक्ला ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान , केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाला एक स्वायत्त संगठन है। यह ग्रामीण विकास और पंचायती राज में उत्कृष्टता का प्रमुख राष्ट्रीय केंद्र है ।

यूं एन उत्कृष्टता केंद्र के रूप में अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला यह संस्थान ग्रामीण विकास कार्यकारियों, पी आर आई , बैंकरों , गैर सरकारी संगठनों और अन्य हितधारकों का प्रशिक्षण , अनुसंधान और परामर्श के अंतर संबंधित क्रियाकलापों के माध्यम से क्षमता निर्माण का कार्य करता है। इस संस्थान का मुख्यालय हैदराबाद के राजेंद्र नगर इलाके में है। देश के उत्तर पूर्वी क्षेत्र की जरूरत को पूरा करने के लिए इंडिया हेबीटेट सेंटर नई दिल्ली, गुवाहाटी (असम) और बिहार में भी इस संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किए गए हैं।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज तेलंगाना के तत्वावधान में भादवा सुदी एकम के पावन अवसर पर महिला मंडल द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित नवनिर्वाचित महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सचिव निर्मला देवड़ा, कोषाध्यक्षा नीलु लचेटा, अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, सचिव किशनसिंह राठौड़, कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पंवार, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

तेलगाना कुमावत समाज ने राजस्थान के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत व केबिनेट मंत्री अविनाश गेहलोत को सौपा ज्ञापन

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमावत समाज तेलंगाना के अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत द्वारा राजस्थान सरकार के केबिनेट मंत्री जोराराम एवं केबिनेट मंत्री अविनाश गेहलोत को तेलंगाना राज्य में कुमावत जाति को ओबीसी अधिकृत व अधिसूचित सूची में सम्मिलित कराने के लिए उन्हें ज्ञापन सौंपा।

उनके साथ होतवाल बुधाराम, एकलिया शिवराम, हड़ीवाल सुरेश कुमार, मनावत नोरतमल आदि मौजूद थे।

ईशान किशन को लगा बड़ा झटका

टीम में वापसी की उम्मीदें हुई कम

बेंगलुरु, 4 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन लंबे समय से नेशनल टीम से बाहर चल रहे हैं। टीम वापसी करने के लिए सेलेक्टर्स ने ईशान को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी थी। जिसके बाद ईशान किशन को बुची बाबू टूर्नामेंट में खेलते हुए देखा गया। लेकिन अब ईशान की टीम इंडिया में वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका लगता हुआ दिखाई दे रहा है। जिसकी बड़ी वजह भी सामने आई है।

क्या चोटिल हो गए हैं ईशान?

ईशान किशन का दलीप ट्रॉफी 2024 के शुरुआती मैचों में खेलना मुश्किल माना जा रहा है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार ईशान किशन चोटिल हो सकते हैं। बुची बाबू टूर्नामेंट में ईशान किशन झारखंड के कप्तान थी, उनकी टीम लीग चरण में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। अब ये तय नहीं माना जा रहा है कि क्या किशन दलीप ट्रॉफी में खेल पाएंगे? इसके अलावा रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि ईशान किशन की जगह दलीप ट्रॉफी में संजू सैमसन को शामिल किया जा सकता है। बता दें, जब दलीप ट्रॉफी को लेकर टीमों का ऐलान हुआ था तो संजू सैमसन किसी टीम में भी नहीं थे।

दरअसल ईशान किशन ने मानसिक तनाव होने के चलते इंटरनेशनल क्रिकेट से ब्रेक ले लिया था। इसके बाद से सेलेक्टर्स ने ईशान को टीम इंडिया में वापसी करने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी थी लेकिन ईशान ने इसको नजरअंदाज कर दिया था। ईशान ने पिछला रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट भी नहीं खेला था। जिसके बाद उनको बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से भी बाहर कर दिया गया था। अब घरेलू क्रिकेट खेलने के साथ ईशान की टीम इंडिया में वापसी की उम्मीदें जगी थी लेकिन फिर से उनको झटका लगता हुआ दिखाई दे रहा है।

दलीप ट्रॉफी 2024 में अच्छा प्रदर्शन करके ईशान के पास टीम इंडिया में वापसी करने का सुनहरा मौका है, लेकिन अब देखने वाली बात होगी कि क्या ईशान इस टूर्नामेंट में खेलते हैं या नहीं? इस टूर्नामेंट के बाद भारतीय टीम को बांग्लादेश के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों के लिए दलीप ट्रॉफी काफी अहम हो जाती है।

रोहित शर्मा ने फैसला कर लिया

आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस टीम से खेलेंगे 'हिटमैन'!

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले एक खिलाड़ी जो सबसे ज्यादा चर्चा में है. ये कोई और नहीं टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा हैं. इसके पीछे सबसे बड़ी वजह है पिछले सीजन में हुआ कप्तानी विवाद. हार्दिक पंड्या और रोहित शर्मा के बीच जो कुछ हुआ, उसके बाद फैंस ये जानने के लिए उत्सुक हैं कि रोहित शर्मा इस बार मुंबई इंडियंस में ही रहेंगे या किसी और टीम की ओर रुख करेंगे. पिछले सीजन से ही ऐसी कई रिपोर्ट्स सामने आ चुकी हैं कि रोहित मुंबई को छोड़कर दूसरी टीम का दामन थाम लेंगे. हालांकि, अब उन्हें लेकर एक नया दावा किया गया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रेंचाइजी के साथ उनका सारा विवाद सुलझ गया है. नीता अंबानी की फ्रेंचाइजी ने अपने पूर्व कप्तान को रिटेन करने पर मुहर लगा दी है. वहीं रोहित ने भी तय कर लिया है कि वो मुंबई में ही रहेंगे. हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टी नहीं हुई है.

मुंबई इंडियंस ने रोहित को लेकर क्या कहा?

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2024 से ठीक पहले उस वक्त गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल कर लिया था. इसके लिए फ्रेंचाइजी ने एक बड़ी रकम चुकाई थी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई ने 100 करोड़ रुपए ट्रांसफर फीस दिए थे. हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टी नहीं हो सकी थी.

इसके बाद जब फ्रेंचाइजी ने अचानक पंड्या को टीम का कप्तान बना दिया तो फैंस काफी नाराज हुए थे. यहीं से रोहित से भी खटास शुरू हुई थी. हालांकि, ताजा रिपोर्ट में ये कहा गया है कि सभी विवादों को सुलझा लिया गया है. मुंबई ने कहा है कि रोहित शर्मा इस परिवार के अहम सदस्य हैं और वो उन्हें रिटेन करने के लिए तैयार हैं.

रोहित शर्मा फिर बनेंगे कप्तान?

रोहित शर्मा को 2013 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी मिली थी. कप्तान बनते ही उन्होंने टीम ट्रॉफी जीता दी थी. इसके बाद 2015, 2017, 2019 और 2020 में भी उन्होंने मुंबई को आईपीएल का चैंपियन बनाया. हालांकि, अगले 3 साल तक फिर आईपीएल ट्रॉफी जीतने में असफल रहे, जिसके बाद उनकी कप्तानी चली गई.

2022 में उन्हें टीम इंडिया की कप्तानी मिली थी, जिसके बाद टीम इंडिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और 2023 वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल खेला. वहीं टी20 वर्ल्ड कप 2024 पर कब्जा किया. अब ऐसा दावा किया जा रहा है कि इस बड़ी कामयाबी के बाद मुंबई भले ही उन्हें रिटेन करेगी लेकिन अगले सीजन में कप्तान नहीं बनाएगी. हार्दिक पंड्या ही टीम को लीड करेंगे.

दीप्ति जीवांजी ने महिला 400 मीटर में जीता कांस्य

विश्व पैरा एथलेटिक्स में जीता था स्वर्ण पदक

पेरिस, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला पैरा एथलीट दीप्ति जीवांजी ने महिला 400 मीटर टी20 वर्ग में कांस्य पदक जीता। दीप्ति ने फाइनल में 55.82 सेकेंड का समय लिया और उनका रिएक्शन टाइम 0.164 सेकेंड रहा। इस तरह दीप्ति तीसरे स्थान पर रहीं। भारत ने इस तरह पेरिस पैरालंपिक में 16वां पदक जीता। यह भारत का पहला पदक रहा। इससे पहले भारत ने सोमवार को कुल आठ पदक अपने नाम किए थे।

इसी महीने 21 बरस की होने वाली दीप्ति यूक्रेन की यूलिया शुलियार (55.16 सेकेंड) और विश्व रिकॉर्ड धारक तुर्किये की आयसेल ओंडर (55.23 सेकेंड) के बाद तीसरे स्थान पर रहीं। टी20 श्रेणी बौद्धिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों के लिए है।

विश्व पैरा एथलेटिक्स में जीता था स्वर्ण पदक

दीप्ति ने पैरा एशियन गेम्स और विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। वह फाइनल में स्वर्ण पदक विजेता एथलीट से 0.66 सेकेंड पीछे रहीं। दीप्ति से पहले भारत के लिए प्रीति पाल ने महिला 100 मीटर और 200 मीटर टी35 स्पर्धा में कांस्य पदक जीते थे। दीप्ति ने इसी साल मई में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर टी20 स्प्रिंट में 55.07 सेकेंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया था और स्वर्ण अपने नाम करने में सफल रही थीं। इसी के साथ उन्होंने पेरिस पैरालंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया था। हालांकि, उनका रिकॉर्ड रजत पदक विजेता एसेल ने तोड़ा जिन्होंने 54.96 सेकेंड का समय लिया था।

गरीबी में बिताया बचपन, माता-पिता के समर्थन से बढ़ीं आगे

तेलंगाना के वारंगल जिले के कलेडा गांव में जन्मीं दीप्ति ने पैरा स्पोर्ट्स की दुनिया में उल्लेखनीय प्रभाव डाला है। बौद्धिक दुर्बलता और गरीबी सहित कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, दीप्ति एक विश्व रिकॉर्ड धारक और कई लोगों के लिए प्रेरणा की किरण बन गई हैं। दीप्ति का प्रारंभिक जीवन वित्तीय संघर्षों और सामाजिक पूर्वाग्रहों से भरा था। उनके माता-पिता दिहाड़ी मजदूर थे, जिन्हें गुजारा चलाने के लिए अपनी जमीन भी बेचनी पड़ी थी। दीप्ति की बौद्धिक दुर्बलता के कारण शुरू में उनका उपहास उड़ाया गया। हालांकि, दीप्ति माता-पिता उसके साथ खड़े रहे और उनके समर्थन ने दीप्ति की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नवारो, सबालेंका और फ्रिट्ज सेमीफाइनल में

बोपन्ना-सुत्जियादी की जोड़ी अंतिम-4 के मैच में हारी

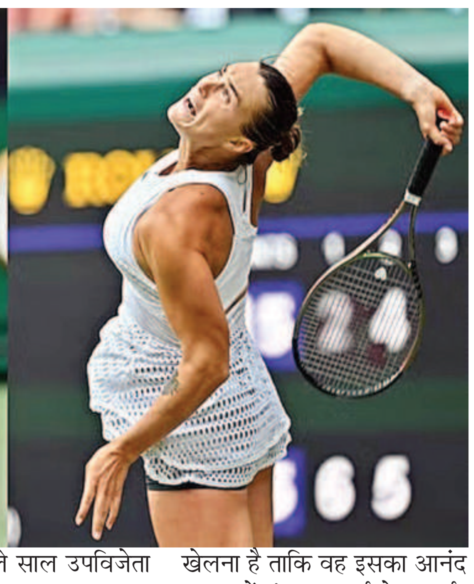

न्यूयॉर्क, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की एम्मा नवारो ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना आर्यना सबालेंका से होगा। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाली 13वीं वरीयता प्राप्त नवारो ने फ्लशिंग मीडोज में हमवतन पाउला बडोसा को 6-2, 7-5 से हराया।

नवारो क्वार्टर फाइनल के इस मैच के दूसरे सेट में एक समय पीछे चल रही थी लेकिन उन्होंने आखिरी छह गेम जीत कर पासा पलट दिया।

उन्होंने पिछले मैच में गत चैंपियन कोको गॉफ के खिलाफ भी इसी तरह का प्रदर्शन किया था। दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका को पिछले महीने पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक जीतने वाली सातवीं वरीयता प्राप्त झेंग क्विनवेन को 6-1, 6-2 से पराजित करने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर भी इस मैच के गवाह बने। संन्यास लेने के बाद पहली बार वह दर्शक के रूप में अमेरिकी ओपन में पहुंचे थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सबालेंका साल का दूसरा और कुल मिलाकर तीसरा ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने की कवायद में हैं। वह अमेरिकी ओपन में लगातार चौथी बार सेमीफाइनल में पहुंची हैं। सबालेंका पिछले साल उपविजेता रही थी।

बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने मैच के बाद कहा, 'जब मैंने दर्शकों के बीच फेडरर को देखा तो मुझे लगा कि वह फ्रांसिस टियाफो और ग्रिगोर दिमित्रोव का मैच देखने के लिए पहुंचे हैं।

लेकिन फिर भी मैंने तय किया कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलना है ताकि वह इसका आनंद उठा सकें।' पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल मैच में अमेरिका के 12वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने अमेरिकी ओपन में 2020 के उपविजेता अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 7-6 (2), 3-6, 6-4, 7-6 (3) से हराकर पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाई।

बोपन्ना और सुत्जियादी की जोड़ी सेमीफाइनल में हारी

भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और उनकी इंडोनेशियाई जोड़ीदार अल्डिला सुत्जियादी मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में डोनाल्ड यंग और टेलर टाउनसेंड की अमेरिकी जोड़ी से 3-6, 4-6 से हारकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। भारत और इंडोनेशिया की जोड़ी ने इससे पहले एक घंटे 30 मिनट से अधिक समय तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में मैथ्यू एबडेन और चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिसिकोवा को हराया था।

44 वर्षीय बोपन्ना पहले ही पुरुष युगल से बाहर हो गए थे। उनकी और एबडेन की जोड़ी तीसरे दौर में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्टेनी की अर्जेंटीना की 16वीं वरीय जोड़ी से 1-6, 5-7 से हार गई थी।

इससे पहले टूर्नामेंट में, सुमित नागल पुरुष एकल के पहले दौर में हार गए थे, जबकि युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी भी पुरुष युगल के अलग-अलग चरणों में हारकर बाहर हो गए थे।

बांग्लादेश से क्यों हारे? पाक कप्तान ने गिनाई 3 गलतियां

करिअर पर लगा सबसे बड़ा दाग

इस्लामाबाद, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दो टेस्ट मैचों की क्रिकेट सीरीज में क्लीन स्विप कर इतिहास रच दिया है। ये पाकिस्तान के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ है जब बांग्लादेश की टीम ने उसे टेस्ट मैच में हराया है। बांग्लादेश ने सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को 10 विकेट से और दूसरे मैच में 6 विकेट से रौंदा है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के फैंस इस हार से गुस्से में हैं। वह खिलाड़ियों को सोशल मीडिया पर लताड़ लगा रहे हैं। इस बीच हम आपको बताते हैं कि बांग्लादेश के खिलाफ क्लीन स्विप खाने वाली पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान ने हार के क्या कारण गिनाए हैं।

क्या बोले पाकिस्तान टीम के कप्तान

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज गंवाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान शान मसूद ने कहा कि ये बहुत निराश करने वाला है। हम घरेलू मैदान पर खेले जाने वाले इस सीरीज के लिए उत्साहित थे। लेकिन वैसा ही हुआ जैसा ऑस्ट्रेलिया में हुआ था। हमने वहां पर मिली हार से कोई सबक नहीं सीखा। हम ऑस्ट्रेलिया में अच्छा क्रिकेट खेल रहे थे लेकिन अपने प्रदर्शन पर काम नहीं कर रहे थे। मेरे कार्यकाल में चार बार ऐसा हो चुका है, जब हमने विरोधी टीम को वापसी का मौका दिया, जबकि मैच में हम हावी थे।

टीम के खिलाफ गया फैसला

शान मसूद ने कहा कि पहले मैच में तेज गेंदबाजों पर भरोसा किया गया था, लेकिन वो फैसला टीम के खिलाफ गया। इसके बाद उन्होंने रणनीति बदली लेकिन रिजल्ट वही रहा। उन्हें लगता है कि टेस्ट क्रिकेट में फिटनेस के अलावा भी काफी कुछ जरूरी होता है। पहली पारी में 274 रन का स्कोर अच्छा था। हम वहां और भी रन बना सकते थे। उन्हें लगता है कि उन्हें तेजी से काम करने की जरूरत है। ये सब विनाश और उदासी नहीं है, सीख हमेशा ही मिलती रहती है।

शान मसूद के नाम दर्ज हुआ ये शर्मनाक रिकॉर्ड

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान शान मसूद ने अपनी कप्तानी में अब तक 5 टेस्ट मैच खेले हैं। शान मसूद की अगुआई में पाकिस्तान की टीम ये पांचों टेस्ट मैच हार गई है। उन्होंने पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट मैच और फिर बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट मैच गंवाए हैं। शान मसूद पाकिस्तान के पहले कप्तान बन चुके हैं जिन्होंने अपनी कप्तानी की शुरुआत के सभी 5 मैच हारे हैं। ये शान मसूद के करिअर पर एक दाग की तरह है, जिससे मुक्त हो पाना शान मसूद के लिए आसान नहीं होगा।

भाग्यश्री जाधव महिला गोला फेंक स्पर्धा के फाइनल में पदक से चूकीं

पांचवें स्थान पर रहीं

पेरिस, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की भाग्यश्री जाधव पेरिस पैरालंपिक की महिला गोला फेंक (एफ34) स्पर्धा के फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं। पैरालंपिक में दूसरी बार हिस्सा ले रही भाग्यश्री ने गोले को 7.28 मीटर की दूरी तक फेंका लेकिन यह पोडियम पर जगह दिलाने के लिए नाकाफी था।

चीन की लिजुआन झोउ ने 9.41 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि पोलैंड की लुसीना कोर्नोबीस ने 8.33 मीटर के प्रयास से रजत पदक अपने नाम किया। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले की रहने वाली 39 साल की भाग्यश्री 2006 में दुर्घटना के बाद अपने पैरों का इस्तेमाल नहीं कर पाती। इस घटना के बाद वह अवसाद में चली गईं थी और परिवार तथा मित्रों के उत्साहवर्धन के बाद पैरा खेलों से जुड़ी।

एफ34 वर्ग के खिलाड़ियों को हाइपरटोनिया (कठोर मांसपेशियां), एटैक्सिया (खराब मांसपेशी नियंत्रण) और एथेटोसिस (अंगों या धड़ की धीमी गति) सहित समन्वय संबंधी कमियों से निपटना पड़ता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई पाकिस्तान की फजीहत

पहलवान पर लगा चार साल का प्रतिबंध, सीडब्ल्यूजी पदक भी छीना गया

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने अली असद पर शक्ति वर्धक दवाओं के सेवन के लिए चार साल का प्रतिबंध लगाया है। इसकी पुष्टि करते हुए पाकिस्तान कुश्ती महासंघ ने बताया कि असद पर न केवल चार साल के लिए प्रतिबंध लगाया गया है, बल्कि उनका कांस्य पदक भी छीन लिया गया है।

पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर फजीहत का सामना करना पड़ा है। पहलवान अली असद पर चार साल का प्रतिबंध लगाया है। इसके अलावा राष्ट्रमंडल खेलों में उनके द्वारा जीता गया कांस्य पदक भी छीन लिया गया है।

पाकिस्तान ने अली असद पर शक्ति वर्धक दवाओं के सेवन के लिए चार साल का प्रतिबंध लगाया है। इसकी पुष्टि करते हुए पाकिस्तान कुश्ती महासंघ ने बताया कि असद पर न केवल चार साल के लिए प्रतिबंध लगाया गया है, बल्कि उनका कांस्य पदक भी छीन लिया गया है, जो उन्होंने 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में जीता था।

इस विषय में बात करते हुए महासंघ के एक अधिकारी ने कहा- अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) की जांच से पता चला है कि उन्होंने इस प्रतियोगिता के दौरान शक्ति वर्धक दवाइयां ली थी। इस मामले मे आईटीए की जांच के बाद इस सप्ताह असद पर चार साल का प्रतिबंध लगाने और राष्ट्रमंडल खेलों में जीता गया उनका पदक छीनने का फैसला लिया गया।

सनीथ दयानंद और तरुण का ताइपे ओपन में निराशाजनक प्रदर्शन

मुख्य ड्रॉ में नहीं बना सके जगह

ताइपे, 4 सितंबर (एजेंसियां)। लेशिया के जिया जी टैन ने क्वालिफिकेशन के क्वार्टर फाइनल में सनीथ को 21-16, 20-22, 21-4 से हराया, जबकि मेजबान देश के शटलर येन-चेन टिंग ने क्वालिफिकेशन के अंतिम 16 दौर में तरुण को 23-21, 21-16 से शिकस्त दी।

भारत के सनीथ दयानंद और तरुण रेड्डी ताइपे ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता के पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने में असफल रहे।

मलेशिया के जिया जी टैन ने क्वालिफिकेशन के क्वार्टर फाइनल में सनीथ को 21-16, 20-22, 21-4 से हराया, जबकि मेजबान देश के शटलर येन-चेन टिंग ने क्वालिफिकेशन के अंतिम 16 दौर में तरुण को 23-21, 21-16 से शिकस्त दी।

सनीथ ने इससे पहले क्वालिफिकेशन के अंतिम 16 दौर में पुसरी नाचकोर्न को 22-20, 21-15 से हराया था। पुरुष एकल के अन्य मुकाबलों में ताइपे के काई चेंग ने आर्यमान टंडन को 21-18, 22-20 से हराया।

मिश्रित युगल में थाईलैंड की तेरारत्साकुल पक्कापोन और मुएनवोंग फातिमास की जोड़ी ने क्वालिफिकेशन के अंतिम 32 दौर में भारत के अशिथ सूर्या और अमृता परमुथेश को 21-13, 21-19 से हराया, जबकि ताइपे के मिन हाओ त्सेंग और शान पेई हसिह की जोड़ी ने आयुष राज गुप्ता और श्रुति स्वेन की जोड़ी को क्वालिफिकेशन के अंतिम 16 दौर में 21-8, 21-14 से हराया।

|| श्री गणेशाय नमः || || श्री रामदेवाय नमः || || श्री राणी सती दादी प्रसन्नः ||

श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट

श्री रामदेवरा दरबार मंदिर शिवरामपल्ली, हैदराबाद

Endowment Department, Govt. of Telangana - A. RAMA DEVI (Executive Officer)

भादवा सुदी दूज-श्री रामदेव बाबा अवतार दिवस के उपलक्ष्य में

आज गुरुवार दि.5 सितम्बर 2024

श्री रामदेव बाबा अवतारोत्सव

- अलौकिक दरबार
- लंगर प्रसाद
- छप्पन भोग
- पूर्ण दिवस एवं पूर्ण रात्रि दर्शन

ध्वजा लेकर पैदल मंदिर पधारे सभी भक्तों का स्वागत

SCAN FOR YOUTUBE LIVE

गहनों एवं फलों से अनुपम श्रंगार

गुरुवार दि.5-9-2024

श्रृंगारिक आरती
प्रातः 5:00 बजे

लंगर प्रसाद
प्रातः 5 से रात्रि 3 बजे तक

बाबा का श्रृंगार
सायं 4 से 5 बजे

अवतारोत्सव
रात्रि ठीक 12 बजे
विशेष ज्योति, जगमग रोशनी
एवं आतीशबाजी के साथ झूले में

सभी भक्तगण सपरिवार सादर आमंत्रित है ।

मुख्य अतिथि — विशेष यजमान — विशेष अतिथि

श्री टी. प्रकाश गौड़ (विधायक, राजेन्द्रनगर), श्री नरेन्द्र कुमार गोयल, श्री भंवरलाल पंवार, श्री जगदीश पंवार, श्री मीठालाल बाफणा, श्री अमृत कुमार जैन, श्री भंवरलाल कोठारी, श्री राजेश कुमार अग्रवाल, श्री जितेंद्र अग्रवाल, श्रीमती अर्चना जयप्रकाश (पार्षद, राजेन्द्रनगर डिवीजन), श्री गोपाल बल्दवा, श्री भंवरलाल गेहलोत, श्री जगदीशचन्द्र जाट, श्री हीरालाल चौधरी, श्री बाबूलाल कुलकर्णीया, श्री बल्देवराम भाटी (मामाजी), श्री चिकोटी प्रवीण कुमार, श्री सत्यनारायण भांगड़िया

विशेष अतिथि

श्री महेन्द्र बोहरा, श्री श्रवणकुमार दधीच, श्री कमल काबरा, श्री दिलीप भंसाली, श्री मदनलाल कुमावत, श्री दौलाराम कड़वा, श्री मेघराज जैन

छप्पन भोग
- दादू'स मिठाई वाटिका
- कमलेश ऐजंसीज
- बालाजी मारवाड़ी स्वीट्स सेवरीस फुड्स

लंगर व्यवस्था
मारवाड़ी युवा संगठन, काटेदान
बाबा रामदेव भक्त मण्डल

डेकोरेटर : बालाजी जाजू इवेन्ट्स
कमल आकाश जाजू

लंगर प्रसाद
शुक्रवार दि. 6-9-2024 से मंगलवार दि.17-9-2024 तक
सभी भक्तों के लिए लंगर प्रसाद -
प्रातः 8 से 12 बजे
तथा सायं 5 से 9 बजे तक

बाबा के चरणों में समर्पित

श्यामसुन्दर गिलडा (बाबा के चरणों में समर्पित) … श्रीमती ए. रमा देवी (एक्जीक्यूटिव आफिसर, इंडोमेंट डिपार्टमेन्ट)

मंदिर पुजारीगण

सुरेश महाराज, पं. बनवारी, पं. राकेश, पं. निरंजन, पं. कौशलेन्द्र, पं. अनिल, पं. जनार्दनजी, जगन्नाथ, चिरंजीलाल शर्मा, अरविन्द शर्मा, पंकज शर्मा

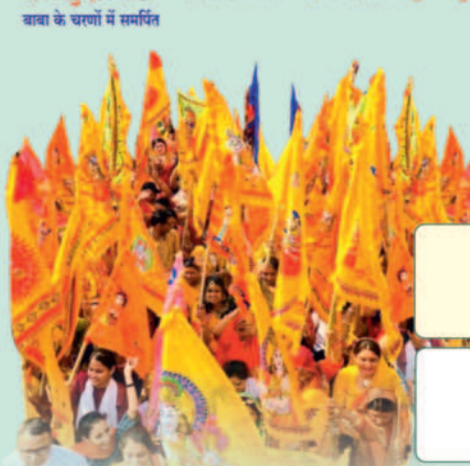

जय बाबा की	एम. शेरमल जैन पॉट मार्केट	चौथमल दिनेशकुमार अरिहंत बडाला गोशामहल	अम्बिका आयरन एण्ड स्टील्स प्रा. लि. बहादुरपुरा
आर.जे. स्टील्स (जोग सिंह) फीलखाना	के.एम. मार्केटिंग उस्मानगंज	रविन्द्र अग्रवाल गगन पहाड	केदारनाथ सूर्यप्रकाश लोया (मुकेश लोया) बेगम बाजार

रिद्धि सिद्धि एजेंसीज मौजमजाही मार्केट	बाबुलाल जितेन्द्रकुमार विशाल गौतम शर्मा लालापेट	शिवराज सुरेश कुमार आशीष कोठारी सोमाजीगुडा	ललित कुमार माली बेगम बाजार	श्री साई ज्वेलर्स वनस्थलीपुरम्	श्रीनिवास लक्ष्मीनिवास काबरा मलकपेट – सैदाबाद	लक्ष्मीनारायण घनश्यामदास मनोहरलाल तापड़िया मीर आलम मण्डी	रंगोली मेहंदी सेन्टर (वानेसिंघीजी राठौड़) निम्बोली अड्डा
अमृतसर एग्रो फुड्स महाराजगंज	आई. जयहिंद यादव भवानी नगर	दुर्गाप्रसाद विजयकुमार तुलस्यान उप्पल	राजदीप हौजरी कोठी	भंवरलाल ताराचन्द शर्मा (महालक्ष्मी ज्वेलर्स) लालापेट	डी.बी.आर. एक्सटेंशन सीताफल मण्डी	रांका ज्वेलर्स पॉट मार्केट	स्काई डेकोर (विमल राठी) सिकन्दराबाद
लक्ष्मीचन्द अशोककुमार राहुलकुमार खिंवसरा मालाकुंटा	शिवराज निर्मलकुमार कोठारी बंजारा हिल्स	मनोकामना गोल्ड एण्ड ज्वेलर्स आबिड्स	विनायका स्टील हाऊस फीलखाना	शिवम् मेटल्स फीलखाना	आर.जे. नॉवेल्टीज फीलखाना	जगदम्बा सेल्स कारपोरेशन बेगम बाजार	डीके ट्रेडिंक कम्पनी रिकाब गंज
बुधराम द्वारकाप्रसाद जगनप्रसाद (नरसिंग लॉज) मौजमजाही मार्केट, तुरुप बाजार	सुराणा इण्डस्ट्रीज नाचारम	तुलसीराम हनुमानदास गिलडा बंजारा हिल्स	श्री साई प्लास्टिक ट्रेडर्स बेगम बाजार	रोहित कॉस्मेटिक्स बेगम बाजार	बालाजी पुरुषोत्तम बेगम बाजार	शिवराज प्रकाशचन्द कोठारी बंजारा हिल्स	केवलराम नवरंगलाल सिंघानिया मीर आलम मण्डी

जुगराज अशोककुमार मुथा काचीगुडा	श्रीवल्लभ नवल भट्टड़ नारायणगुडा	राजकुमार विक्रम काबरा सिकन्दराबाद	परमेश्वरी गिफ्ट्स एण्ड नॉवेल्टी फीलखाना	किशनगोपाल महेश कुमार इन्नाणी भाग्यनगर कॉलोनी	प्रोदाटूरी रविन्दर शमशाबाद	श्री नर्मदा आईल कैरियर मुरली नगर	भंवरलाल बद्रीनारायण सीताफल मण्डी	गौतम ट्रेडर्स सिकन्दराबाद	धवल स्टील हाऊस फीलखाना	श्री बालाजी इंटरप्राइजेस फीलखाना
कृष्णा मार्केटिंग फीलखाना	हिमालया क्रॉकरी एण्ड गिफ्ट्स फीलखाना	हनुमान नॉवेल्टी फीलखाना	चामुण्डा प्लास्टिक फीलखाना	बालकिशन घनश्यामदास राठी बेगम बाजार	शिवराज भंवरीलाल कोठारी अमीरपेट	राधामाधव क्रिएशंस हैदरगुडा	श्री रामा स्पोर्ट्स रिसाला अब्दुल्ला	रमेश अभिषेक पारीक कबूतरखाना	जालान ट्रेडिंग कम्पनी काचीगुडा	अमर जरी स्टोर लाड़ बाजार
राजकमल एजेन्सीज रिसाला अब्दुल्ला	बालाजी ऑटोमोबाइल्स रामकोट	रतनदीप इलेक्ट्रीकल्स तुरुप बाजार	आकाश एजेन्सीज तुरुप बाजार	नवकार टैक्स तुरुप बाजार	राज अलंकार इलेक्ट्रीकल्स जामबाग	पवन कलेक्शन फीलखाना	श्रीकिशन भगवानदास जालान शिवरामपल्ली	रामलाल मोटाराम कासनिया गोशामहल	थनिष्का सिंह, सूर्या सिंह बरकतपुरा	श्री इलेक्ट्रिकल्स जामबाग रोड

परमेश्वरी फैंसी स्टोर फीलखाना	दीपिका एनएक्स फीलखाना	सोनाली ट्रेडिंग फीलखाना	भारत ट्रेडिंग कम्पनी मलकपेट	सत्यनारायण मुरलीमनोहर सारडा निम्बोली अड्डा	न्यू बद्रीनारायण रामानुज सारडा उस्मान शाही	कन्हैयालाल सुशील कुमार लड्डा शमशेरगंज	पारसमल सतीशचन्द सिसोदिया दारुशफा	सुरेखा इंटरप्राइजेस गोशामहल	किशोरकुमार मुथा मलकपेट	गौतमचन्द जैन ज्वेलर्स मलकपेट	श्री राजकृपा स्टेश्नरी उस्मान गंज
राजकमल एजेन्सी उस्मान गंज	राजकमल इंटरप्राइजेस उस्मान गंज	महादेव स्टेश्नर्स उस्मान गंज	महावीर ऑटो इंवेस्टमेन्ट्स उस्मान गंज	परमार एक्जाम पैड इण्डस्ट्रीज उस्मान गंज	बालाजी इंटरप्राइजेस उस्मान गंज	मुरली स्टेश्नरी मार्ट उस्मान गंज	प्रियंका इंटरप्राइजेस उस्मान गंज	रंगोली क्रिएटिव्स उस्मान गंज	रतन स्टेश्नरी मार्ट उस्मान गंज	राजकमल किचन वियर फीलखाना	रेनबो स्टील फीलखाना
जगदम्बा मेटल फीलखाना	पूनम स्टील हाऊस फीलखाना	आर.के. किचन एसेनशियल्स फीलखाना	राहुल एजेंसीज फीलखाना	प्रतीक स्टील सेन्टर फीलखाना	सिखवाल स्टील हाऊस फीलखाना	बॉम्बे स्टील हाऊस फीलखाना	राजकुमार स्टील पैलेस फीलखाना	जैन किचन वियर फीलखाना	राज नॉवेल्टी फीलखाना	भरत नॉवेल्टी फीलखाना	राजधानी बैग हाऊस फीलखाना
गीता नॉवेल्टी फीलखाना	विजय बेल्ट एण्ड नॉवेल्टी फीलखाना	गीता स्टेश्नरी मार्ट फीलखाना	परमेश्वरी बैंगल्स फीलखाना	के. गीता बैंगल्स फीलखाना	श्री बालाजी जनरल स्टोर फीलखाना	गीता फैन्सी स्टोर फीलखाना	जयकिशन ओमनारायण जाजू शिवरामपल्ली	अग्रवाल ड्रेसेस सिकन्दराबाद	नवीन मेटल उद्योग सिकन्दराबाद	नवयुग ट्रेडर्स सिकन्दराबाद	राधेश्याम टॉयस फीलखाना

रामेश्वर टॉयस फीलखाना	गोविन्द सोनी एण्ड कम्पनी गुलजार हौज	राजकमल स्पोर्ट्स न्यू उस्मान गंज	रामदेव नॉवेल्टीस फीलखाना	शुभम् स्टील सेन्टर फीलखाना	के.आर. स्टेश्नरी रिसाला अब्दुल्ला	राजकमल स्टेश्नरी मार्ट सिद्दीअम्बर बाजार	श्री मारुति स्टील ट्रेडर्स सिकन्दराबाद	श्री पॉलीपैक प्लास्टिक बेगम बाजार	बालाजी मेन्स एण्ड किड्स वियर लंगरहौज	सुपर इंजीनियरिंग कारपोरेशन सिकन्दराबाद	राज नॉवेल्टीज फीलखाना	जय आशापुरा प्लास्टिक फीलखाना	पी.एम. हैण्डलूम फीलखाना

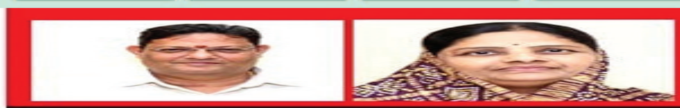

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नें 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.